हिन्दी विशिष्ट

कक्षा–9

प्रश्न बैंक

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ सं.
1.	प्रश्न पत्र निर्माण हेतु निर्धारित ब्ल्यू प्रिण्ट	002
2.	पद्य–खण्ड	003
3.	गद्य–खण्ड	078
4.	सहायक वाचन	119
5.	हिन्दी व्याकरण (भाषा तत्व)	149
6.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	171
7.	काव्य के रूप, भेद एवं तत्व	176
8.	अपठित–बोध (गद्यांश/पद्यांश)	185
9.	पत्र–लेखन	205
10.	बंध लेखन	209

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिण्ट

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा : IX परीक्षाः हाईस्कूल **पूर्णांक : 100**

हिन्दी विशिष्ट **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अक	
1.	**पद्य–खण्ड :** पद्यांश की व्याख्या, कवि परिचय, सौन्दर्यबोध एवं विषयवस्तु पर प्रश्न, पद्य का इतिहास	27	5	3	2	—	5
2.	**गद्य–खण्ड :** गद्यांश की व्याख्या, लेखक परिचय, विषयवस्तु पर प्रश्न, गद्य की विधाएँ	23	5	2	2	—	4
3.	**सहायक वाचन :** विविध पाठों पर प्रश्न	10	5	—	1	—	1
4.	**भाषा–बोध :** उपसर्ग, प्रत्यय, अनेकार्थी शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ	10	5	—	1	—	1
5.	**काव्य के तत्व :** अलंकार, छन्द, रस	10	5	—	1	—	1
6.	**अपठित :** गद्यांश/ पद्यांश	05	—	—	1	—	1
7.	**पत्र–लेखन**	05	—	—	1	—	1
8.	**निबन्ध लेखन**	10	—	—	—	1	1
	योग =	**100**	**(25)= 5**	**05**	**09**	**01**	**15+5=20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न, प्रश्न–पत्र के प्रारम्भ में दिए जायेंगे।

1– प्रश्न क्रमांक–1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही वकल्प तथ सत्य/ असत्य का चयन आदि के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित हैं।

2– वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाए। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथासम्भव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।

3– कठिनाई स्तर– 40% सरल प्रश्न, 45% समान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :–प्रश्न–पत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्न–पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र–लेखन अपठित एवं निबन्ध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

काव्य–खण्ड (पद्य)

भक्ति धारा

रैदास के पद : रैदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

क. सन्त रैदास किस काल के रचनाकार हैं –

(क) आदिकाल (ख) भक्तिकाल

(ग) रीतिकाल (घ) आधुनिक काल

ख. सन्त रैदास का जन्म कब हुआ था–

(क) लगभग 1288 (ख) लगभग 1488

(ग) लगभग 1388 (घ) लगभग 1380

ग. रैदास की रचनाएँ संकलित हैं–

(क) बीजक (ख) गुरु ग्रन्थ साहब

(ग) रैदास ग्रन्थावली (घ) रैदास पदावली

घ. रैदास के पदों में भाषा के शब्द मिलते हैं–

(क) हिन्दी (ख) उर्दू

(ग) पंजाबी (घ) कई भाषाओं के

च. प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी : यह पंक्ति है–

(क) रैदास (ख) मीरा बाई

(ग) तुलसीदास (घ) सूरदास

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)	**(ब)**
	कवि	**पंक्ति**
(क).	(क) रैदास	(क) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो
	(ख) मीरा बाई	(ख) नरहरि! चंचल है मति मोरी
	(ग) तुलसीदास	(ग) मैया मैं नहिं माखन खायो
	(घ) सूरदास	(घ) गुरु पद पंकज सेवा, तीसरि भगति अमान
	कवि	**जन्म स्थान**
(ख).	(क) रैदास	(क) मेढ़ता गाँव (राजस्थान)
	(ख) मीरा बाई	(ख) वाराणसी (उ.प्र.)
	(ग) रसखान	(ग) बाँदा (उ.प्र.)
	(घ) तुलसीदास	(घ) दिल्ली

	कवि	जन्म
(ग).	(क) मीराबाई	(क) 1493
	(ख) रसखान	(ख) 1532
	(ग) तुलसीदास	(ग) 1498
	(घ) नरोत्तमदास	(घ) सं. 1615

	कवि	मत्यु तिथि
(घ).	(क) तुलसीदास	(क) सन् 1546
	(ख) रैदास	(ख) अज्ञात
	(ग) मीरा बाई	(ग) सन् 1623
	(घ) रसखान	(घ) सन् 1518

	कवि	रचनाएँ
(ङ).	(क) रैदास	(क) कृष्ण गीतावली
	(ख) मीरा बाई	(ख) सारावली
	(ग) तुलसीदास	(ग) गीत गोविन्द
	(घ) सूरदास	(घ) रैदास के पद

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

क. मध्यकालीन सन्तों में रैदास का महत्वपूर्ण स्थान है।

ख. रैदास को कबीर ने 'सन्तनि में रविदास सन्त' कहा है।

ग. रैदास के पदों में केवल पंजाबी भाषा का प्रयोग हुआ है।

घ. रैदास ने स्वयं को चकोर और प्रभु को चन्द्रमा माना है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क). रैदास आचरण से मूलतः .....थे।
(शिक्षक/ नेता / सन्त)

(ख). रैदास ने भक्ति के लिए . . . . .को अनिवार्य माना है।
(वैराग्य/ साधना / योग)

(ग). प्रभु जी तुम . . . . . .हम बाती, जाकी जोति बरे दिन राती।
(बिजली / दीपक / अगरबत्ती)

(घ). गुन सब तोर, मोर सब . . . . . , कृत उपकार न माना।
(औगुन / अज्ञान / ज्ञान)

(ङ). रैदास के अनुसार परम तत्व . . . . . है।
(सत्य / असत्य / भक्ति)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) रैदास ने प्रभु को बादल रूपी जल तथा स्वयं को क्या कहा है?

(ख) भक्त और भगवान के मिलने पर क्या होता है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) रैदास के प्रभु कैसे हैं?

(ख) रैदास की भक्ति किस भाव की है?

(ग) रैदास ने प्रभु से अपना सम्बन्ध किस रूप में निरूपित किया है?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) ''रैदास के पदों में भक्तिभाव भरा हुआ है ।'' स्पष्ट कीजिए ।

(ख) भक्त और भगवान के संबंध में रैदास ने अलग–अलग क्या भाव व्यक्त किये हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) **रैदास कवि का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–**
क. भाव पक्ष एवं कलापक्ष ख. दो रचनाएँ

(घ) **निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**

(क) प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग–अंग बास समानी।
प्रभु जी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चन्द चकोरा।
प्रभु जी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरे दिन राती।
प्रभु जी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।
प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै 'रैदासा'।।

(ख) नरहरि! चंचल है मति मेरी,
कैसे भगति करूँ मैं तरी।।
तू मोहि देखै, हौं तोहि देखूँ, प्रीति परस्पर होई।
तूँ मोहि देखै, तोहि न देखूँ, यह मति सब बुधि खोई।।
सब घट अन्तर रमसि निरन्तर मैं देखन नहिं जाना।
गुनसब तोर, मोर सब औगुन, कृत उपकार न माना।।
मैं, तैं, तोरि–मोरि असमझि सौं, कैसे करि निस्तारा।
कह 'रैदासा' कृष्ण करुणामय! जै जै जगत–अधारा।।

(ग) ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै शत्रु धरै।।
जा की छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढ्रै।
नीचह ऊँच करै मेरा गोबिन्दु काहू ते न डरै।।
नामदेव कबीरु त्रिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे सन्तहु हरि जीउ सभै सरै।।

मीरा के पद–मीरा बाई

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) मीराबाई किस काल की कवयित्री है–

(क) आधुनिक काल (ख) मध्यकाल

(ग) रीतिकाल (घ) आदिकाल

(ख) मीरा का विवाह किसके साथ हुआ था?

(क) राणा साँगा के पुत्र ख) राणा साँगा के भाई

(ग) राणा साँगा के भतीजे (घ) राणा साँगा के भांजे

(ग) मीरा का जन्म हुआ था?

(क) सन् 1338 (ख) सन् 1498

(ग) सन् 1480 (घ) सन् 1500

(घ) इनमें से मीरा की एक रचना नहीं है–

(क) नरसी का माहेरो (ख) गीत गोविन्द टीका

(ग) कृष्णायन (घ) सोरठ के पद

(ङ) मीरा की भक्ति है–

(क) दास्य भाव (ख) सख्य भाव

(ग) माधुर्य भाव (घ) मित्र भाव

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ) कवि	(ब) जन्म स्थान
(क)	(क) मीरा बाई	(क) राजापुर (उ.प्र.)
	(ख) सूरदास	(ख) मेढ़ता गाँव (राजस्थान)
	(ग) तुलसी दास	(ग) काशी (उ.प्र.)
	(घ) कबीरदास	(घ) सही/रुनकता (उ.प्र.)
	कवि	**मृत्यु तिथि**
(ख)	(क) मीरा बाई	(ख) सं. 1640
	(ख) कबीरदास	(ख) सन् 1623
	(ग) तुलसीदास	(ग) संवत् 1575
	(घ) सूरदास	(घ) सन् 1546

		कवि	रचनाएँ
(ग)	(क)	मीरा बाई	(क) पद्मावत
	(ख)	कबीरदास	(ख) साहित्य लहरी
	(ग)	सूरदास	(ग) बीजक
	(घ)	जायसी	(घ) नरसी जी का माहरा

		कवि	शाखा का नाम
(घ).	(क)	मीरा बाई	(क) ज्ञानमार्गी
	(ख)	कबीरदास	(ख) प्रेममार्गी
	(ग)	तुलसीदास	(ग) कृष्णमार्गी
	(घ)	जायसी	(घ) राममार्गी

		कवि	पंक्तियाँ
(ङ).	(क)	मीरा बाई	(क) गुरु गोबिन्द दोऊ खड़े . . . .
	(ख)	कबीरदास	(ख) आबला नसानी अब न नसैहैं।
	(ग)	तुलसीदास	(ग) ऐसी लाल तुझ बिनु कउन करै
	(घ)	रैदास	(घ) दरस बिन दूखण लागै नैन

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क). मीरा ने मोह माया त्याग कर कृष्ण की भक्ति का मार्ग अपनाया।

(ख). मीराबाई ने कृष्ण गीतावली की रचना की।

(ग). मीराबाई ने ब्रजभाषा के साथ गुजराती, अरबी, राजस्थानी और फ़ारसी के शब्दों का प्रयोग किया है।

(घ). मीरा को कृष्ण रतन धन मिला था।

(ङ). सब कुछ पा कर मीरा ने अमूल्य धन पाया है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क). वस्तु अमोलक दी मेरे ....., किरपा करि अपनायौ।

(सतगुरु / प्रभु / ईश्वर)

(ख). मीरा के प्रभु गिरधर....., हरख–हरख जस गायौ।

(नगर / नागरि / नागर)

(ग). दादुर मोर. .. . . . .बोलै, कोइल मधुरे साज।

(चालक / पपइया / कौआ)

(घ). कृष्ण . . . . मीरा भक्ति के पथ से विचलित न हुई।

(उपासक / दीवानी / भक्त)

(ङ). मीरा का विवाह राणा साँगा के पुत्र . . . . . के साथ सम्पन्न हुआ।

(कविराज / रसराज / भोजराज)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क). मीरा को खेवनहार किसने दिया था?

(ख). मीरा के प्रभु कैसे हैं?

(ग). मीराबाई को कौन–सा रत्न प्राप्त हुआ था?

(घ). मीरा कहाँ चढ़कर प्रभु की बाट देख रही थी?

(ङ). मीरा के नेत्र क्यों दुखने लगे हैं?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क). मीरा प्रभु के वियोग में दुःखी क्यों है?

(ख). मीरा किस प्रकार की इच्छा व्यक्त करती है?

(ग). प्रभु के आगमन की सूचना मीरा को कैसे मिलती है?

(घ) मीरा ने संसार रूपी सागर को पार करने के लिए क्या उपाय बताा है?

(ङ). 'प्रेम बेलि' के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क). मीरा को राम रतन धन प्राप्त होने से क्या–क्या लाभ प्राप्त हुए हैं ?

(ख). प्रभु दर्शन के बिना मीरा की कैसी दशा हो गई है ?

(ग). **मीरा का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–**

क. भाव पक्ष एवं कलापक्ष ख. दो रचनाएँ

(घ). **निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**

(क) पायो जी मैंने, रामरतन धन पायौ।
वस्तु अमोलक दी मेरे सद्गुरु, किरपा करि अपनायौ।।
जनम–जनम की पूँजी पाई, जग में सभी खोवायौ।
खरचै नहिं कोई चोर न लैवे, दिन–दिन बढ़ती सवायौ।।
सत की नाव खेवटिया सत्गुरु, भव सागर तर आयौ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरख–हरख जस गायौ।।

(ख) सुनी हो मैं हरि आवनि की आवाज्।
महल चढ़े चढ़ि जोऊ सजनी, कब आवै महाराज।।
दादर मोर पपइया बौले, कोइल मधुरे साज।
मग्यो इन्द्र चहूँ दिस बरसे, दामणि छोड़े लाज।।
धरती रूप नवा–नवा धरिया, इन्द्र मिलण कै काज।
मीराँ के प्रभुहरि अविनासी, बेग मिलो महाराज।।

(ग) दरस बिन दूखण लागै नैन।
अब के तु बिछरे, प्रभु मोरे, कबहु न पायौ चैन।।
सबद गुणत मेरी छतिया, काँपै मीठे–मीठे बैन।
कल न परत पल हरि मग जोवत, भई छमासी रैन।।
बिरह कथा काँसू कहूँ सजनी वह गयी करवत ऐन।
मीराँ के प्रभु कबहे मिलोगे दुःख मरण सुख दैन।।

वात्सल्य भाव
रसखान के सवैए : रसखान

प्रश्न– वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. रसखान का नाम था–

(क) सैयद इमरान (ख) सैयद इब्राहिम
(ग) सैयद मोहम्मद (घ) सैयद अफलातून

2. रसखान का जन्म हुआ–

(क) संवत् 1620 (ख) संवत् 1615
(ग) संवत् 1650 (घ) संवत् 1715

3. रसखान अनन्य भक्त थे–

(क) राम के (ख) शिव के
(ग) ईसा के (घ) कृष्ण के

4. सुजान रसखान में छन्दों का संग्रह है–

(क) 100 (ख) 115
(ग) 136 (घ) 150

5. रसखान की कृति है–

(क) प्रेम सरोवर (ख) प्रेम प्रसून
(ग) प्रेम माधुरी (घ) प्रेम वाटिका

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)	**(ब)**
	कवि	**जन्म स्थान**
1.	(क) रसखान	(क) जायस
	(ख) सूरदास	(ख) काशी
	(ग) कबीरदास	(ग) सीही / रुनकता
	(घ) जायसी	(घ) दिल्ली
	कवि	**रचनाएँ**
2.	(क) रसखान	(क) रैदास के पद
	(ख) तुलसीदास	(ख) गीत गोविन्द का टीका
	(ग) मीराबाई	(ग) गीतावली
	(घ) रैदास	(घ) सुजान रसखान

	कवि	पंक्तियाँ
3.	(क) रसखान	(क) बावरो रावरो नाह भवानी
	(ख) बिहारी	(ख) विप्र सुदामा वसत हो, सदा आपने धाम
	(ग) तुलसीदास	(ग) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय
	(घ) नरोत्तमदास	(घ) धूरि भरे अति सोभित स्यामजू

	कवि	काल
4.	(क) रसखान	(क) आदिकाल
	(ख) बिहारी	(ख) आधुनिक काल
	(ग) महादेवी	(ग) रीतिकाल
	(घ) अमीर खुसरो	(घ) भक्तिकाल

	कवि	रचनाएँ
5.	(क) रसखान	(क) सुजान विनोद
	(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान	(ख) विनय पत्रिका
	(ग) तुलसीदास	(ग) प्रेम वाटिका
	(घ) घनानन्द	(घ) मुकुल

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

1. रसखान ने वात्सल्य वर्णन किया है।
2. बालकृष्ण के सौन्दर्य पर रसखान सर्वस्व न्यौछावर करना चाहते हैं।
3. रसखान शिवजी के अनन्य भक्त थे।
4. प्रेम वाटिका में केवल 5 दोहे हैं।
5. काव्य एवं पिंगल शास्त्र का रसखान ने अध्ययन किया है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

1. कृष्ण के प्रति . . . . . ने रसखान को कवि बना दिया।
   (अगाध प्रेम/ श्रद्धा / वियोग)
2. रसखान के काव्य में श्रृंगार के . . . . . .पक्षों का सुन्दर एवं सजीव चित्रण है।
   (दोनों/ तीनों/ पाँचों)
3. वाको जियौं जुग . . . . .करोर जसोमति को सुख जात कह्यो नहिं।
   (हजार/ लाख/ सैकड़ो)
4. . . . . .के भाग बड़े सजनी हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी।
   (पिक / सुक / काग)
5. कृष्ण के बाल रूप को देखकर . . . . .भी अपनी करोड़ों कलाओं को न्यौछावर करने को तैयार हो जाता है।
   (सूर/ चन्द्र / कामदेव)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. यशोदा माँ क्या कर रही है?
2. श्रीकृष्ण कहाँ खेल रहे हैं?
3. रसखान ने किस छन्द का प्रयोग किया है?
4. दिठौना किसे कहते हैं?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

1. यशोदा माँ सुखी क्यों अनुभव करती है?
2. यशोदा माँ कृष्ण को किसी की नज़र न लगे, इसके लिए क्या–क्या करती हैं?
3. रसखान ने श्रीकृष्ण के किस रूप का वर्णन किया है।
4. कवि रसखान बाल कृष्ण की छवि पर क्या न्यौछावर कर देना चाहते हैं?
5. उस पंक्ति को लिखिए जिसका आशय है–

   (क) **सुखी जसौदा का पुत्र करोड़ों वर्ष जीवित रहे।**

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

1. यशोदा माँ बालक कृष्ण को किस प्रकार सजाती संभालती है?
2. धूल में लिपटे बाल कृष्ण की शोभा का वर्णन कीजिए।
3. रसखान और सुभद्रा कुमारी चौहान के 'वात्सल्य' में क्या अन्तर है?
4. **रसखान कवि का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–**

   क. काव्यगत विशेषताएँ ख. साहित्य में स्थान
5. **निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

(क) आजु गई हुती भोर ही हौं, रसखानि रई वहि नंदके भौनहिं।
वाको जियौ जुग लाख करोर, जसोमति को सुख जात कह्यौ नहिं।।
तेल लगाई लगाइ कै अंजन, भौहैं बनाइ बनाइ डिठौनहिं।
डारि हमे लनि हार निहारत वारत ज्यौं पुचकारत छौनहिं।।

(ख) धूरि भरे अति सोभित स्यामजू, तैसी बनी सिर सुदर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनी बाजति पीरी कछोटी।।
वा छबि को रसखानि बिलोकत, वारत काम कला निज कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी हरि–हाथ सों लै गयौ माखन–रोटी।।

मेरा नया बचपन : सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न– वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. सुभद्रा कुमारी चौहान ने किस रस में कविता लिखी है?
   (क) श्रृंगार (ख) करुण
   (ग) वीर (घ) हास्य
2. सुभद्रा जी का जन्म हुआ था–
   (क) लखनऊ (ख) जबलपुर
   (ग) इलाहाबाद (घ) दिल्ली
3. भुकुल काव्य संग्रह पर आपको पुरस्कार प्रदान किया गया।
   (क) साहित्य अकादमी (ख) शिखर
   (ग) ज्ञानपीठ (घ) कालिदास
4. मैं बचपन को बुला रही कविता आधारित है–
   (क) प्रेम (ख) वात्सल्य
   (ग) वीरता (घ) करुणा
5. सुभद्रा जी ने ओजपूर्ण वाणी से भारतीयों में का संचार किया।
   (क) नवचेतना (ख) जनजागृति
   (ग) शिक्षा (घ) वीरता

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ) **पंक्तियाँ**	**(ब)** **पंक्तियाँ**
1.	(क) बार–बार याद आती है मुझको	(क) बचपन का अतुलित आनन्द
	(ख) नन्दन–वन–सी फूल उठी वह	(ख) बोल उठी बिटिया मेरी
	(ग) मैं बचपन को बुला रही थी	(ग) छोटी–सी कुटिया मेरी
	(घ) कैसे भूला जा सकता है	(घ) मधुर याद बचपन की
2.	(क) पाया बचपन फिर से मैंने	(क) मैं भी बच्ची बन जाती हूँ
	(ख) उसकी मंजुल मूर्ति देखकर	(ख) मुझे खिलाने लाई थी
	(ग) कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में	(ग) मुझमें नवजीवन आया।
	(घ) मिलकर उसके साथ स्वयं	(घ) बचपन बेटी बन आया।
	कवि	**पंक्तियाँ**
3.	(क) सुभद्रा जी	(क) कोटि–कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है
	(ख) मैथिलीशरण गुप्त	(ख) घोर अंधकार हो चल रही बयार हो
	(ग) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	(ग) माँ ओ कहकर बुला रही थी, मिट्टी खाकर आई थी।
	(घ) गोपाल सिंह नेपाली	(घ) चारु चन्द्र की चंचल किरणें

	कवि	जन्म तिथि
4.	(क) सुभद्रा जी	(क) सन् 1493
	(ख) रसखान	(ख) सन् 1498
	(ग) नरोत्तमदास	(ग) संवत् 1615
	(घ) मीराबाई	(घ) सन् 1904

	कवि	रचनाएँ
5.	(क) सुभद्रा कुमारी चौहान	(क) सुजान विनोद
	(ख) रसखान	(ख) दोहावली
	(ग) घनानन्द	(ग) प्रेम वाटिका
	(घ) तुलसीदास	(घ) मुकुल

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

1. सुभद्रा जी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थीं?
2. सुभद्रा जी राष्ट्रीय चेतना की अमर गयिका नहीं हैं।
3. सुभद्रा जी महात्मा गाँधी से काफी प्रभावित थीं।
4. स्वतन्त्रता आन्दोलन के लिए उन्होंने जेल यात्राएँ भी की।
5. त्रिधारा उनका काव्य संग्रह नहीं है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

1. सुभद्रा जी की . . . . . कहानी है।
   (आमोदनी/ उन्मादिनी / ओजस्वनी)
2. पारिवारिक जीवन की छटा खींचने में वे . . . . . हैं।
   (सिद्धहस्त / सफल / असफल)
3. सुभद्रा जी . . . . . .की भावना को काव्यात्मक स्वर प्रदान करने वाली कवयित्री के रूप में विख्यात है।
   (प्रकृति प्रेम/ देश प्रेम/ वात्सल्य प्रेम)
4. सुभद्रा जी नारी जगत के लिए . . . . .हैं।
   (सम्मान/ गौरव / उदाहरण)
5. ऊँच–नीच का ज्ञान नहीं था।. . . .किसने जानी।
   (छुआछूत/ भेदभाव / अन्याय)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. सुभद्रा जी क्या देखकर आनन्दित होती थीं?
2. सुभद्रा जी की बिटिया क्या खाकर आई थी?
3. बचपन की याद किसे आ रही है?
4. बच्ची माँ को क्या खिलाने आयी थी?
5. माँ ओ कहकर कौन बुला रही थी?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क). बचपन का अतुलित आनन्द क्या है?

(ख). बचपन में किन–किन बातों का ज्ञान नहीं होता?

(ग). सुभद्रा जी बिटिया के साथ स्वयं क्या बन जाती थीं और क्यों?

(घ). ऊँच–नीच की भेद किसे नहीं है और क्यों नहीं हैं?

(ङ). कवियत्री में नवजीवन किस प्रकार आया?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

1. बिटिया के कारण सुभद्रा जी की कुटिया का दृश्य किस प्रकार हो जाता है।
2. बचपन में बच्चे किस प्रकार की भाषा बोलते हैं? पठित पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
3. 'मेरा नया बचपन' कविता का मुख्य भाव अपने शब्दों में लिखिए।
4. रसखान और सुभद्रा कुमारी चौहान के 'वात्सल्य' में क्या अन्तर है?
5. सुभद्रा कुमारी चौहान का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिएः–

(क) भावपक्ष–कलापक्ष (ख) दो रचनाएँ

6. **निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

(क) बार–बार आती है मुझको, मधुर याद बचपन मेरी।
गया, ले गा तू जीवन की, सबसे मस्त खुशी मेरी।।
चिन्ता रहित खेलना खाना, फिर फिरना निर्भय स्वच्छन्द।
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनन्द।।

(ख) ऊँच–नीच का ज्ञान नहीं था। छुआछूत किसने जानी।
बनी हुई थी आह झोपड़ी, और 'चीथड़ों' में रानी।।
रोना और मचल जाना भी, क्या आनन्द दिखाते थे।
बड़े–बड़े मोती से आँसू, जयमाला पहनाते थे।।

(ग) वह भोली–सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या फिर आकर मिटा सकेगा, तू मेरे मन का सन्ताप?
मैं बचपन को बुला रही थी, बोल उठी बिटिया मेरी।
नन्दन–वन–सी फूल उठी वह, छोटी–सी कुटिया मेरी।।

(घ) 'माँ ओ' कहकर बुला रही थी, मिट्टी खाकर आई थी।
कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में, मुझे खिलाने लिए थी।।
मैंने पूछा–''यह क्या लाई?'' बोल उठी वह ''माँ, काओ।''
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से, मैंने कहा, ''तुम्ही काओ।।''

(च) पाया बचपन फिर से मैंने, बचपन बेटी बन आया।
उसकी मन्जुल मूर्ति देखकर, मुझमें नव जीवन आया।
मैं भी उसके साथ खेलती, खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं, भी मैं बच्ची बन जाती हूँ।।

प्रेम और सौन्दर्य

घनानन्द माधुरी : घनानन्द

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. घनानन्द किसके दरबार में रहते थे–

   क. नरेश मोहम्मद शाह ख. अक़बर

   ग. शाहजहाँ घ. हुमायूँ

2. घनानन्द की प्रेमिका थी–

   क. नागमती ख. पद्मावती

   ग. सुजान घ. सुप्रिया

3. घनानन्द दिल्ली छोड़कर आ गए–

   क. काशी ख. प्रयाग

   ग. वृन्दावन घ. आगरा

4. घनानन्द का काव्य संग्रह है–

   क. प्रेम माधुरी ख. प्रेम वाटिका

   ग. इश्कलता घ. प्रेम पुजारी

5. घनानन्द की कविता में मिश्रण है–

   क. ओज और वीरता ख. प्रेम और भक्ति

   ग. वात्सल्य एवं चाहत घ. प्रकृति एवं राष्ट्रप्रेम

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

(अ) पंक्तियाँ	(ब) पंक्तियाँ
क. अति सूधो सनेह को मारग है	क. मन लेहु पैदेहु छटाँक नहीं।
ख. झलकै अति सुन्दर आनन गौर	ख. यहाँ एक तें दूसरों आँक नहीं।
ग. घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ	ग. छके दृग राजत काननि छवै।
घ. तुम कौन धौ पाटी पढ़े हो लला	घ. जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।

(ख)

(अ) पंक्तियाँ	(ब) पंक्तियाँ
क. भोर तै साँझ लौं कानन ओर	क. वारनि सों इकतार न टारति
ख. हौ घनानन्द जीवन मूल दई	ख. न हूजियै मोहि अमोही
ग. गीत सुजान अनीति करौं जिन हा	ग. कवि प्यासिन भारत मोही
घ. साँझ तैं भोर लो तारनि ताकिबो	घ. निहारति बावरी नेकुन हारति

(ग)

कवि	पंक्तियाँ
क. घनानन्द	क. धूल भरे अति शोभित श्यामजू
ख. देव	ख. मन पछितैहैं अवसर बीते
ग. तुलसीदास	ग. पाँयन नुपुर मन्जु बजै, कटि किंकिन
घ. रसखान	घ. अति सूधों सनेह को मारग है

(घ)

कवि	नायिका
क. घनानन्द	क. उर्मिला
ख. जयशंकर प्रसाद	ख. पद्मावती
ग. जायसी	ग. श्रद्धा
घ. मैथिलीशरण गुप्त	घ. सुजान

(ङ)

कवि	रचनाएँ
क. घनानन्द	क. रस विलास
ख. रसखान	ख. गीत गोविन्द टीका
ग. देव	ग. सुजान रसखान
घ. मीराबाई	घ. सुजान विनोद

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

1. घनानन्द रीतिकाल के विशिष्ट कवि हैं।
2. घनानन्द प्रेम और सौन्दर्य के अप्रतिम कवि हैं।
3. प्रेम की बहुपक्षीय तीव्रता का सुन्दर चित्रण घनानन्द ने किया है।
4. घनानन्द के अनुसार प्रेम में बहुत चतुर होना चाहिए।
5. कपट का प्रेम में लेशमात्र स्थान नहीं होता।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

1. रीतिकाल में.. . . . . .का प्रेम वर्णन अद्वितीय है।
   (देव/ केशवदास/ घनानन्द)
2. मोहन, सोहन–जोहन की लगिये रहे. . . . . के उर आरति।
   (नैत्र/ आँखिन/ कान)
3. घनानन्द के . . . . . ही उनके प्रणय केन्द्र बन जाते हैं।
   (राम/ रहीम / कृष्ण)
4. प्रेम की एकपक्षीय तीव्रता का सुन्दर चित्रण. . . . . .ने किया है।
   (बिहारी / घनानन्द/ देव)
5. प्रेम में. . . . . .का कोई स्थान नहीं है।
   (धूर्तता का / चतुराई का / कपट का)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. घनानन्द के काव्य की भाषा कैसी है?
2. घनानन्द ने अपने काव्य में किन छन्दों का प्रयोग किया है?
3. घनानन्द की कोई दो रचनाएँ लिखिए?
4. घनानन्द का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
5. घनानन्द सुजान शब्द का प्रयोग और किसके लिए करते थे?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

1. घनानन्द को प्रेम और सौन्दर्य का कवि क्यों कहा जाता है?
2. वियोग का चित्रण करने वाली घनानन्द की दो पंक्तियाँ लिखिए?
3. घनानन्द के प्रेम का प्रमुख आधार क्या है और क्यों?
4. रीतिकाल में घनानन्द के योगदान पर टिप्पणी कीजिए।
5. घनानन्द की नायिका कौन है और उससे घनानन्द क्या अपेक्षा रखते हैं?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

1. घनानन्द ने सुजान को निष्ठुर और अन्यायी क्यों कहा है?
2. घनानन्द का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिएः–

   (क) **भावपक्ष–कलापक्ष** (ख) **दो रचनाएँ**

2. घनानन्द का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिएः–

   (क) **काव्यगत विशेषताएँ** (ख) **साहित्य में स्थान**

3. **निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

(क) भोर ते साँझ लौं कानन–ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
साँझ तैं भोर लो तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनन्द आँसुनि औसर गारति।
मोहन–सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति।।

(ख) मीत सुजान अनीति करौं जिन हा न हूजियै मोहि अमोही।
दीठि कौं और कहूँ नहिं ठौर, फिरी दृग रावरे रूप की दोही।
एक बिसास की टेक गहें लगि आस रहै बसि प्रान–बटोही।
हौ घनआनन्द जीवनमूल दई, कति प्यासनि मारत मोही।।

(ग) अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तें दूसरों आँक नहीं।
तुम कौन धौ पाटी पढ़े हो लला मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

(घ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलनि में छवि–फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कण्ठ बनी जल जावलि द्वै।
अंग–अंग तरंग उठै दूति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै।।

देव सुधा– देवदत्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) देव मूलतः किस रस के कवि है?

(अ) वीर (ब) श्रृंगार

(स) वात्सल्य (द) करुण

(ख) देव की भाषा विशुद्ध रूप से है?

(अ) बुन्देली (ब) अवधी

(स) ब्रज (द) भोजपुरी

(ग) देवदत्त किस काल के कवि हैं?

(अ) आधुनिक काल (ब) आदिकाल

(स) रीतिकाल (द) भक्तिकाल

(घ) देव कवि का पूरा नाम है?

(अ) केशव कुमार देव (ब) देव प्रसाद

(स) देवदत्त (द) पूर्णसिंह देव

(ड.) देव कवि की रचना है?

(अ) भरव विलास (ब) प्रीति पावस

(स) प्रेम वाटिका (द) सुधा विलास

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)	**(ब)**
	पक्तियाँ	**पक्तियाँ**
(क)	अ. पाँयनि नूपुर मन्जु बजै	अ. बिछौना नवपल्लव के
	ब. राधामन मोहि–मोहि	ब. मन्द हँसी मुख चन्द जुन्हाई
	स. माथे किरीट, बड़े दृग चंचल	स. मोहनमयी मई
	द. डार द्रुम पलना	द. कटि किंकिन में धुनि की मधुराई
	कवि	**रचनाएँ**
(ख)	अ. देवदत्त	अ. सोरठ के पद
	ब. नरोत्तम दास	ब. नाथ और निर्माण
	स. गिरिजा कुमार माथुर	स. ध्रुव चरित
	द. मीरा बाई	द. वैराग्य शतक
	कवि	**जन्म स्थान**
(ग)	अ. देवदत्त	अ. बिहार के बेतिया गाँव
	ब. रसखान	ब. उत्तरप्रदेश के राजापुर ग्राम
	स. तुलसीदास	स. दिल्ली
	द. गोपाल सिंह 'नेपाली'	द. उ.प्र. का इटावा नगर

	कवि	जन्म सन्
(घ)	अ. देवदत्त का जन्म	अ. सन् 1498
	ब. घनानन्द का जन्म	ब. संवत् 1615
	स. रसखान का जन्म	स. संवत् 1746
	द. मीराबाई का जन्म	द. संवत् 1730

	कवि	पंक्तियाँ
(ड.)	अ. देवदत्त	अ. करत–करत अभ्यास के जड़मत होत सुजान
	ब. रहीम	ब. बार–बार आती है मुझको, मधुर याद बचपन मेरी
	स. सुभद्रा कुमारी चौहान	स. जै जग मंदिर–दीपक सुन्दर श्रीब्रज दूलह 'देव' सहाई
	द. वृन्द	द. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौं किन कोय

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) देव बचपन से ही कहानी लिखने लगे थे।

(ख) देवदत्त साहित्य जगत में देवनाथ से प्रसिद्ध हुए।

(ग) देव की प्रसिद्ध रचना है–भवानी विलास।

(घ) मदन महीपजू को बालक बसन्त, ताहि, प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै। यह पंक्ति देव कवि की है।

(ड.) छन्द गायन में देव कवि ने चौपाई और सोरठा छन्द को प्रमुखता दी है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) देवदत्त की प्रमुख रचना . . . . . .है।
(शिवानी विलास/ भवानी विलास/ देव विलास)

(ख) देव की रचनाओं में . . . . . .का निरूपण अधिक हुआ है।
(वीरता / प्रेम / करुणा)

(ग) प्रकृति का . . . . .करते हुए देव ने सहज, सरस शब्दावली का प्रयोग किया है।
(मानवीकरण/ प्रकटीकरण / प्रस्तुतीकरण)

(घ) देवदत्त का . . . . . .के कवियों में प्रमुख स्थान है।
(मध्यकाल / पूर्वकाल / रीतिकाल)

(ड.) दोउन को रूप–गुन दोउ बरनत फिरै, घर न थिरात, रीति नेह की नई। यह काव्य पंक्ति . . . . . .कवि की है।
(घनानन्द/ रसखान / देवदत्त)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) देव कवि पर अत्यन्त कृपालु कौन है?

(ख) राधा और कृष्ण की स्थिति कैसे हो गई थी?

(ग) कामदेव रूपी राजा का बालक कौन है?

(घ) प्रिय के बोलने में कवि को किसकी वर्षा होती दिखाई देती है?

(ङ) 'मोहन मयी' कौन हो गयी है?

(च) बसन्त में बालक का आरोप होने से कौन–सा अलंकार होगा?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) श्रीकृष्ण की सुन्दरता किस प्रकार बताई गयी है।?

(ख) राधा के वियोग में कृष्ण की दशा कैसी हो गयी है?

(ग) बसन्त बालक का सौन्दर्य कैसा दिखाई देता है?

(घ) दोहन को रूप–गुन दोउ बरनत फिरें की स्थिति कौन–कौन है और क्यों?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक के लिए पाँच अंक)

(क) राधा एवं श्रीकृष्ण की वियोग दशा का वर्णन कीजिए।

(ख) कवि देव ने बसन्त रूपी बालक का चित्रण किस प्रकार किया है। लगभग 75 शब्दों में लिखिए।

(ग) देव के काव्य की भाषागत विशेषताएँ लिखिए।

(घ) श्रीकृष्ण की बाल छवि का वर्णन कीजिए।

(ङ) राधा और श्रीकृष्ण के संयोग की स्थिति में उनके हाव–भावों का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

(च) **कवि देवदत्त का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–**

(क) **भाव पक्ष एवं कलापक्ष** (ख) **दो रचनाएँ**

(छ) **निम्नलिखित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।**

(क) पाँयनि नूपुर मंजु बजै, कटि किंकिन मैं धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लगै पट–पीत हिये हुलसै बनमाल सुहाई।।
माथे किरीट, बड़े दृग चंचल, मन्द हँसी मुख–चन्द–जुन्हाई।
जै जग–मन्दिर–दीपक दुन्दर श्रीब्रजदूलह 'देव'–सहाई।।

(ख) रीति–रीति रहिसि–रहसि हँस–हँसि उठैं,
साँसैं भरि आँसे भरि कहत 'दई–दई'।
चौंकि–चौंकि चकि–चकि, उचकि–उचकि 'देव'
चकि–जकि, बकि–बकि परत बई–बई।।
दोउन को रूप–गुन दोउ बरनत फिरैं,
घर न थिरात, रीति नेह की नई–नई।
मोहि–मोहि मोहन को मन भयो राधा–मय,
राधा मोहि–मोहि मोहनमयी भई।।

(ग) डार–द्रुम पलना, बिछौना नवपल्लव के,
सुमन झंगूला सोहै तन छवि भारी दै।
पवन झुलावै, केकी कीर बहरावै, 'देव',
कोकिल हलावै, हुलसावै करतारी दै।।
पूरित पराग सौं उतारौ करै राई–लोन,
कंजकली–नायिका लतानि सिर सारी दै।
मदन महीपजू को बालक बसन्त, ताहि,
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।।

नीति–धारा
रहीम के दोहे–रहीम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का अंक एक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) रहीम का जन्म हुआ था–

(अ) सन् 1596 में (ब) सन् 1556 में

(स) सन् 1656 में (द) सन् 1550 में

(ख) रहीम किस शासक के दरबारी कवि थे–

(अ) अकबर (ब) शाहजहाँ

(स) औरंगजेब (द) चन्द्रगुप्त

(ग) रहीम की प्रमुख कृति है–

(अ) बिहारी सतसई में (ब) सतसई में

(स) रहीम सतसई (द) रहीम सतसई

(घ) रहीम के दोहे प्रसिद्ध हैं–

(अ) नीति के लिए (ब) भक्ति के लिए

(स) वीरता के लिए (द) प्रेम के लिए

(ड.) रहीम का भाषा पर समान अधिकार था–

(अ) अवधी और ब्रज (ब) हिन्दी और अंग्रेज़ी

(स) हिन्दी और संस्कृत (द) बुन्देली और ब्रज

2. स्तंभ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	'ब'
	कवि	**रचनाएँ**
(क)	अ. रहीम	अ. साखी
	ब. वृन्द	ब. बरवै रामायण
	स. कबीर	स. यमक सतसई
	द. तुलसीदास	द. रास पंचाध्यायी
	कवि	**काल**
(ख)	अ. चन्द्रबरदाई	अ. आधुनिक काल
	ब. रहीम	ब. रीतिकाल
	स. घनानन्द	स. भक्तिकाल
	द. सुभद्रा कुमारी चौहारन	द. आदिकाल
	पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(ग)	अ. रहिमन चुप ह्वै बैठिए	अ. देखि दिनन को फेर।
	ब. काज परै कछु और है	ब. मलियत लोन लगाय।
	स. खीरा सिर तै काटिये	स. बनत न लागिहैं देर।
	द. जब नीके दिन आइहैं	द. काज सरै कछु और।

	पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
(घ)	अ. रहिमन धागा प्रेम का	अ. जगत पियासो जाय।
	ब. एकै साधै सब सधै	ब. ते ही साँचे मीत।
	स. विपति कसौटी जे कसे	स. सब साधे सब जाय।
	स. उदधि बड़ाई कौन करे	स. मत तोड़ो चटकाय।

	कवि	रचनाएँ
(ड.)	अ. रहीम	अ. रामचरित मानस
	ब. बिहारी	ब. सूर सागर
	स. तुलसी	स. बिहारी सतसई
	द. सूरदास	द. रहीम ग्रन्थावली

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) रहीम मध्यकालीन दरबारी संस्कृति के प्रतिनिधि हैं।

(ख) अकबर के नवरत्नों में रहीम की गणना होती थी।

(ग) रहीम ने रहीम रत्नावली की भी रचना की है।

(घ) रहीम का पूरा नाम राम रहीम था।

(ड.) रहीम ने अधिकांशतः भक्ति के दोहे लिखे हैं।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) रहीम अपने कोमल स्वभाव के कारण अपने समय के . . . . . माने जाते थे।
(स्वर्ण/ कर्ण /वर्ण)

(ख) रहीम के काव्य का मुख्य विषय . . . . . .है।
(अ) वीरता (ब) करुणा
(स) शृंगार नीति और भक्ति (द) शृंगार

(ग) रहीम की काव्य भाषा . . . . . .गुण का अधिकाधिक प्रभाव दिखता है।
(माधुर्य / ओज / प्रसाद)

(घ) कदली, सीप, भुजंग मुख . . . . . .एक गुन तीन।
(स्वाति/ नीति / भक्ति)

(ड.) रहिमन . . . . . .सींचिबो, फूलै फलै अघाय।
(जड़ / तना / मूलहिं)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) खीरा की तुलना कवि ने किससे की है?

(ख) दूध फटने से क्या नहीं बन पाता?

(ग) मोर का प्रयोग कवि ने किस सन्दर्भ में किया है?

(घ) रहीम कवि ने किसको सींचने के लिए कहा है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक के चार अंक)**

(क) एक–एक साधने से किस प्रकार सब कुछ सध जाता है?

(ख) रहीम जी ने कटु वचन बोलने वाले के लिए किसकी उपमा दी है और क्यों?

(ग) रहीम जी के अनुसार संगत का क्या असर पड़ता है?

(घ) प्रेम के धागे को क्यों नहीं तोड़ना चाहिए?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक के लिए पाँच अंक)**

(क) रहीम के काव्य सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) काम बिगड़ने पर उसे बनाने में भारी कष्ट उठाना पड़ता है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ग) रहीम और कबीर के नीति के दोहों की तुलना कीजिए।

(घ) रहीम किसलिए प्रसिद्ध हैं? सकारण उत्तर दीजिए।

(ङ) रहीम का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(क) **भाव पक्ष एवं कला पक्ष** (ख) **दो रचनाएँ**

(च) **निम्नलिखित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) अमर बेलि बिनु मूल की, प्रतिपालन है ताहि।
रहिमन ऐसे प्रभुहि तजि, खोजत फिरिये काहि।।
रहिमन चुप ह्वे बैठिये, देखि दिनन को फेर।
जब नीके दिन आइहैं, बनत न लागिहैं देर।।

(ख) खीरा सिर तै काटिये, मलियत लोन लगाय।
रहिमन कडुवे मुखन को, चहिअत यही सजाय।।
बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ बिन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

(ग) काज परैं कछु और है, काज सरै कछु और।
रहिमन भँवरी के भये, नदी सिरावत मौर।।
एकैं साधै सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मूलहिं सींचबो, फूलै फलै अघाय।।

(घ) कदली, सीप, भुजंग–मुख, स्वाति एक गुन तीन।
जैसे संगति बैठिये, तैसोई फल दीन।।
कहि रहीम सम्पत्ति सगैं, बनत बहुत रीति।
बिपति कसौटी जे कसै, ते ही साँचे मीत।।

(ङ) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर न मिले, मिले तो गाँठ पड़ जाय।।
धनि रहीम जल पंक को, लघु जिय पिअत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय।।

वृन्द के दोहे : वृन्द

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक के लिए एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) कवि वृन्द का पूरा नाम है–

(अ) वृन्दावन (ब) वृन्दावन बिहारी

(स) केशव कुमार वृन्द (द) देवकुमार वृन्द

(ख) वृन्द का जन्म हुआ–

(अ) भथाना गाँव में (ब) मेड़ता में

(स) राजापुर में (द) लमही में

(ग) वृन्द की रचना है–

(अ) प्रेम पचीसी (ब) प्रेम प्रवाह

(स) पवन पचीसी (द) प्रेम वाटिका

(घ) वृन्द का प्रिय छन्द है–

(अ) चौपाई (ब) सोरठा

(स) दोहा (द) रोला

(ड.) उत्तम विद्या प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए–

(अ) भेदभाव (ब) सुपात्र की तलाश

(स) अभिमान (स) विद्यालय जाना

2. स्तंभ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	'ब'
	पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(क)	अ. होनहार बिरवान के	अ. जड़मति होत सुजान
	ब. करत–करत अभ्यास के	ब. जेती लॉबी सौर
	स. तेते पाँव पसारिए	स. सुख को नाहिन छोर
	द. मनभावन के मिलन के	द. होत चीकने पात
	कवि	**जन्म**
(ख)	अ. वृन्द	अ. सन् 1948 ई.
	ब. रहीम	ब. सन् 1532 ई.
	स. तुलसी	स. सन् 1956 ई.
	द. मीरा	द. सन् 1643 ई.
	कवि	**रचनाएँ**
(ग)	अ. वृन्द	अ. गीत गोविन्द की टीका
	ब. रहीम	ब. प्रेम वाटिका
	स. रसखान	स. रहीम रत्नावली
	द. मीरा	द. बारहमासा

	पंक्तियाँ	पक्तियाँ
(घ)	अ. भले बुरे सब एक से	अ. कोउ न निबल सहाय।
	ब. रसरी आवत जात ते	ब. अरुचि अनादर भाय।
	स. अति परिचै ते होत हैं	स. सिल पर होत निसान
	द. सबै सहायक सबल	द. जौं तौं बोलत नाहि

	प्रचलित नाम	मूल नाम
(ड.)	अ. वृन्द	अ. सैयद इब्राहिम
	ब. रहीम	ब. रविदास
	स. रैदास	स. वृन्दावन
	द. रसखान	द. अब्दुल रहीम खानखाना

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) वृन्द की प्रमुख रचना यमक सतसई है।

(ख) वृन्द की रचनाओं में नीति, भक्ति व श्रृंगार का वर्णन है।

(ग) वृन्द की काव्य भाषा अवधी है।

(घ) वृन्द भक्तिकाल के प्रमुख कवि हैं।

(ड.) तेते गाँव पसारिए, जेती लॉबी सौर के माध्यम से कवि ने व्यक्ति की क्षमता का आँकलन किया है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(क) पवन जगावत आग को . . . . .देत बुझाय।
(बिजली / दीपक / दीया)

(ख) अधिक परिचय बढ़ाने से व्यक्ति का . . . . . .होने लगता है।
(आदर / अनादर / मूल्य)

(ग) बादल को घिरते देख . . . . . .नाचने लगता है।
(मयूर/ भालू / बन्दर)

(घ) वृन्द कवि ने हठी व्यक्ति की तुलना . . . . .की है।
(गद्दे / लकड़ी/ कम्बल)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) अच्छे–बुरे व्यक्ति की पहचान कैसे होती है?

(ख) अच्छे वृक्ष की पहचान किस प्रकार की जाती है?

(ग) निरन्तर अभ्यास करने से क्या होता है?

(घ) वृन्द के अनुसार मूर्ख विद्वान कैसे बन सकता है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)

(क) वृन्द जी ने श्रम के महत्व को किस प्रकार रेखांकित किया है?
(ख) सामर्थ्य के अनुसार ही हमें कार्य क्यों करना चाहिए?
(ग) निरन्तर परिश्रम करने का महत्व प्रतिपादित कीजिए?
(घ) 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात' कवि ने किस सन्दर्भ में कहा है?
(ड.) अधिक परिचय बढ़ाने के विषय में कवि वृन्द के क्या विचार हैं?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक)

(क) कौए और कोयल की पहचान कवि के अनुसार स्पष्ट कीजिए।
(ख) कवि वृन्द के अनुसार किसी भी चीज़ की अति बुरी होती है, स्पष्ट कीजिए।
(ग) वृन्द के अनुसार शक्तिशाली व्यक्ति को सभी का सहयोग किस प्रकार मिल जाता है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
(घ) निम्नलिखित सूक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- तेतें पाँव पसारिये जेती लाँबी सौर
- रसरी आवत जात ते सिल पर करत निसान
- पवन जगावत आग को दीपक देत बुझाय।

(ड.) वृन्द कवि का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

(क) कला पक्ष (ख) दो रचनाएँ

(च) **निम्नलिखित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।**

(क) उद्यम कबहुँ न छाँड़िये पर आसा के मोद।
गागरि कैसे फोरिये, उनयो देखि पयोद।।
कुल सपूत जान्यो परै, लखि सुभ लच्छन गात।
होनहार बिरवान के, होत चीकने पात।।

(ख) अपनी पहुँच बिचारि कै, करतब करिये दौर।
तेते पाँव पसारिये, जेती लाँबी सौर।।
उत्तम विद्या लीजिये, जदपि नीच पै होय।
पर्‌यों अपावन ठौर में, कंचन तजत न कोय।।

(ग) मनभावन के मिलने के, सुख को नाहिन छोर।
बोलि उठे, नाचि नचि उठै, मोर सुनत धन घोर।।
करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निसान।।

(घ) अति परिचै ते होत हैं, अरुचि अनादर होय।
मलयागिरि की भीलनी, चन्दन देत जराय।।
भले बुरे सब एक से, जौं लौं बोलत नाहिं।
जान परतु है काक पिक, रितु बसन्त के माहिं।।

(ङ) सबै सहायक सबल के, कोउ न निबल सहाय।
पवन जगावत आग कौं, दीपहिं देत बुझाय।
अति हठ मत कर हठ बढ़े, बात न करिहै कोय।
ज्यौं–ज्यौं भीजे कामरी, त्यौं–त्यों भारी होय।।

प्रकृति चित्रण
पंचवटी : मैथिलीशरण गुप्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म हुआ था।

(अ) सन् 1880 (ब) सन् 1876

(स) सन् 1886 (द) सन् 1856

(ख) गुप्त जी की प्रमुख रचनाएँ हैं।

(अ) प्रेम प्रवाह (ब) पंचवटी

(स) प्रेम वाटिका (द) बीजक

(ग) खण्ड काव्य माना जाता है।

(अ) भारत भारती (ब) साकेत

(स) पंचवटी (द) कामायनी

(घ) गुप्त जी ने भावों की मार्मिक अभिव्यक्ति की है।

(अ) राधा का मिलन (ब) उर्मिला की पीड़ा

(स) द्रोपदी की चीर (द) मीरा की भक्ति

(ड.) गुप्त जी के पिता का नाम था।

(अ) सेठ राम रहीम (ब) सेठ रामनारायण

(स) सेठ राममिलन (द) सेठ रामचरण

(2) स्तम्भ ''अ'' से ''ब'' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए।

	'अ'	**'ब'**
	पक्तियाँ	**पक्तियाँ**
(क)	अ. चारु चंद्र की चंचल किरणें	अ. मोती सबके सोने पर,
	ब. है बिखेर देती वसुन्धरा	ब. खेल रही हैं जल थल में
	स. स्वच्छ चाँदनी विछी हुई है	स. सदा सबेरा होने पर
	द. रवि बटोर लेता है उनका	द. अवनि और अम्बर तल में
	कवि	**जन्म**
(ख)	अ. गुप्त जी	अ. सन् 1900
	ब. पन्त	ब. सन् 1897
	स. बालकृष्ण शर्मा	स. सन् 1886
	द. गिरिजा कुमार माथुर	द. सन् 1919
	कवि	**रचनाएँ**
(ग)	अ. गुप्त जी	अ. वीणा
	ब. पन्त	ब. यामा
	स. बालकृष्ण शर्मा	स. पंचवटी
	द. महादेवी	द. रश्मि रेखा

	कवि	रचनाएँ
(घ)	अ. मैथिलीशरण गुप्त	अ. उर्मिला
	ब. सुमित्रानन्दन पन्त	ब. हिमालय पुकार रहा है।
	स. बालकृष्ण शर्मा	स. युगवाणी
	द. गोपाल सिंह नेपाली	द. भारत भारती

	कवि	जन्म स्थान
(ङ)	अ. मैथिलीशरण गुप्त	अ. बेतिया (बिहार)
	ब. बालकृष्ण शर्मा	ब. कोसानी (अल्मोड़ा)
	स. गोपाल सिंह नेपाली	स. सुजालपुर (शाजापुर)
	द. सुमित्रानन्दन पन्त	द. चिरगाँव (झाँसी)

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख रचना यशोधरा है।

(ख) गुप्त जी द्विवेदी युग के प्रतिनिधि रचनाकार हैं।

(ग) गुप्त जी का आधुनिक काल की राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों में महत्वपूर्ण स्थान है।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की प्रारम्भिक शिक्षा दिल्ली में हुई है।

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त को राष्ट्रीय कवि कहा जाता है।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) गुप्त जी ने अपने काल में . . . . . की पीड़ा का सजीव चित्रण किया है।
(उर्मिला / सीता / राधा)

(ख) गुप्त जी की . . . . . .प्रमुख रचना है।
(राजमहल / दुर्ग / साकेत)

(ग) गुप्त जी ने पंचवटी कविता में . . . . . .का सजीव चित्रण किया जाता है।
(प्रकृति / प्रेम / वात्सल्य)

(घ) नाच रहे हैं अब भी पत्ते मन से . . . . . .महकते हैं।
(सुमन / पुष्प / फूल)

(ङ) . . . . . .बटोर लेता है उनको सदा सबेरा होने पर
(रवि / चाँद / सूर्य)

5– अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

(क) मैथिलीशरण गुप्त किस काल के कवि थे।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त ने साकेत में किस नायिका को प्रमुख विषय बनाया है।

(ग) श्री गुप्त जी ने किस नदी के तट की सुन्दरता का वर्णन किया है।

(घ) गुप्त जी ने पंचवटी में किस रस का प्रचुरता से वर्णन किया है।

(ङ) चन्द्रमा की किरणें कहाँ–कहाँ फैली हुई हैं।

(च) धरती अपनी प्रसन्नता किस प्रकार प्रकट कर रही है।

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) प्रकृति रूपी नटी के कार्य बन्द क्यों नहीं होते।

(ख) पृथ्वी में ओंस रूपी मोतियों को कौन फैलाता है और उसे एकत्रित करने का कार्य किसके माध्यम से होता है।

(ग) मैथिलीशरण गुप्त ने प्रकृति के रोने का ज़िक्र किस सम्बन्ध में किया है।

(घ) प्रकृति किन लोगों को क्षमा नही करती और क्यों?

(ङ) कवि ने ओस की बूँदों को लेकर किसकी कल्पना की है?

(च) गोदावरी नदी के तट का मोहक वर्णन कीजिए।

7– दीघउत्तरीय प्रश्न : (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखित।

(ख) पंचवटी में प्रकृति के उपादानों की शोभा का वर्णन कीजिए।

(ग) मैथिलीशरण गुप्त ने 'वसुन्धरा' का उल्लेख किन सन्दर्भों में किया है। स्पष्ट कीजिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(क) काव्यगत विशेषताएँ (ख) दो रचनाएँ।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(क) रवि बटोर लेता है उनको
सदा सबेरा होने पर।

(ख) अति आत्मीय प्रकृति हमारे साथ उन्हीं से रोती है।

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें
खेल रही हैं जल थल में
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनि और अम्बर तल में।
पुलक–प्रकट करती है धरती
हरित तृणों के झकों से
मानो झूम रही है तरू भी
मन्द पवन के झाकों से।

(ख) क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह
है क्या ही निस्तब्ध निशा
है स्वच्छ–समुन्द गन्ध वह
निरानन्द है कौन दिशा?
बन्द नहीं, अब भी चलते हैं
नियति–नटी के कार्य कलाप
पर कितने एकान्त भाव से
कितने शान्त और चुपचाप।

(ग) है बिखेर देती वसुधरा
मोती सबके सोने पर,
रवि बटोर लेता है उनका
सदा सवेरा होने पर,

और विरामदायिनी अपनी
सन्ध्या को दे जाता है,
शून्य श्याम तनु जिससे उसका
नया रूप झलकाता है।

(घ) सरल तरल जिन तुहिन–कणों से
हँसती हर्षित होती है,
अति आत्मीय प्रकृति हमारे
साथ उन्हीं से रोती है।

अनजानी भूलों पर भी वह
अदय तो देती है
पर बूढ़ों को भी बच्चों सा
सदय भाव से सेती है।

(ङ) गोदावरी नदी का तट यह
ताल दे रहा है अब भी,
चंचल जल कल–कल मानो
तान दे रहा है अब भी।

नाच रहे हैं अब भी पत्ते
मन से सुमन महकते हैं
चन्द्र और नक्षत्र ललककर
लालच भरे लहकते हैं

(च) आँखों के आगे हरियाली
रहती है हर घड़ी यहाँ
जहाँ–तहाँ झाड़ी
है झरनों की झड़ी यहाँ।

वन की एक–एक हिमकणिकाँ
जैसी रसत और शुचि है
क्या सौ–सौ नागरिक जानो की
वैसा विमल रम्य रुचि है।

आः धरती कितना देती है–सुमित्रानन्दन पन्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1– **निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–**

(क) पन्त जी किस भाव के कवि हैं।

(अ) वीरता (ब) भक्ति

(स) प्रकृति (द) व्यंग्य

(ख) पन्त जी की निम्नलिखित में से कौन–सी रचना है।

(अ) यामा (ब) वीणा

(स) वाणी (द) पद्मावत

(ग) पन्त जी का जन्म हुआ था।

(अ) कौसानी ग्राम में (ब) राजापुर ग्राम में

(स) लहमी ग्राम में (द) जमानी ग्राम में

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त का जन्म हुआ था।

(अ) सन् 1850 (ब) सन् 1900

(स) सन् 1920 (द) सन् 1936

(ङ) पन्त जी किस युग के प्रतिनिधि कवि हैं।

(अ) प्रयोगवाद (ब) प्रगतिवाद

(स) छायावाद (द) रहस्यवाद

2– **स्तम्भ "अ" से "ब" का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए।**

(क)

"अ"	**"ब"**
कवि	**रचनाएँ**
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त	(अ) परिक्रमा
(ब) निराला	(ब) लहर
(स) महादेवी वर्मा	(स) राग विराग
(द) जयशंकर प्रसाद	(द) पल्लव

(ख)

कवि	**काल**
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त	(अ) प्रयोगवाद
(ब) अज्ञेय	(ब) आदिकाल
(स) जायसी	(स) छायावाद आधुनिक युग
(द) चन्दबरदाई	(द) भक्तिकाल

(ग)

पक्तियाँ	**पक्तियाँ**
अ. मैंने छुटपन में छिपकर पैसे	अ. ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था।
अ. पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा	ब. कितना देती है प्यारे पुत्रों को
स. मैं अबोध था मैंने गलत बीज बोए थे	स. बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा डाला।
द. यह धरती कितना देती है! धरती माता	छ. सोचा था पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे।

(घ)

रचनाएँ	कवि
अ. आः धरती कितना देती है	अ. मैथिलीशरण गुप्त
ब. हिन्दुस्तान हमारा है	ब. गोपाल सिंह 'नेपाली'
स. स्वतन्त्रता का दीपक	स. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
द. पंचवटी	द. सुमित्रानन्दन पन्त

(ङ)

रचनाएँ	कवि
अ. युगवाणी	अ. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
ब. वारहमासा	ब. गोपाल सिह 'नेपाली'
स. रश्मि रेखा	स. वृन्द
द. हिन्दुस्तान	द. पन्त

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) सुमित्रानन्दन पन्त का गुंजन काव्य संग्रह है।

(ख) पन्त जी की कविता व्यक्तित्व की बन्दनीय है।

(ग) भाव एवं कला दोनों की दृष्टि से पन्त जी का काव्य शून्य है।

(घ) पन्त जी का जन्म एक रमणीय पर्वतीय ग्राम में हुआ।

(ङ) वसुधा रत्न प्रदान नहीं करती है।

4– रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

(क) आः धरती कितना देती है–पन्त जी के . . . . . .की घटना का वर्णन करता है।
(बचपन / युवा / वृद्धा)

(ख) पन्त जी ने सबसे छिपकर धरती में . . . . .बोए थे।
(रुपये / पैसे / बीज)

(ग) कवि को . . . . . .के बीजों से पौधे उगे हुए मिले।
(गेहूँ के बीज / सेम के बीज / मटर के बीज)

(घ) धरती अन्न रूपी धन को प्रदान करने वाली है . . . . . .।
(बेटी / सहेली / माता)

(ङ) हम जैसा बोएगें वैसा ही . . . . . .
(खायेंगे / पायेंगे / सौंपेगे)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य अथवा एक शब्द में दीजिए?

(क) कवि ने धरती पर क्या बोया था?

(ख) कवि का धरती में बोने के पीछे क्या स्वार्थ था?

(ग) कवि एक दिन अचरज में क्यों पड़ गया?

(घ) कवि ने धरती को क्या कहा है?

(ङ) पन्त जी की दो रचनाओं के नाम लिखिए?

(6) लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)

(क) कवि की धरती माता के प्रति क्या धारणा बनी?
(ख) पन्त जी को प्रकृति का चितेरा कवि क्यों कहा जता है?
(ग) कवि ने बचपन में पैसे क्यों बोए थे?
(घ) पन्त जी ने धरती को बंजर क्यों कहा?
(ङ) कवि ने स्वयं को अबोध क्यों कहा?

(7) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) 'सुन्दर लगते थे मानव के हँसमुख मन से' इस पंक्ति से कवि का क्या अभिप्राय है?
(ख) मानवता की सुनहरी फसल उगाने से क्या अभिप्राय है?
(ग) हम जैसा बोयेंगे वैसा ही पायेंगे कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(घ) कवि ने धरती को रत्नगर्भा क्यों कहा है?
(ङ) सुमित्रानन्दन पन्त का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(अ) दो रचनाएँ (ब) भाव पक्ष

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों का सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।**

(क) मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और फूल–फल कर मैं मोटा सेठ बनूँगा!

पर बन्जर धरती में एक न अंकुर फूटा,
वन्ध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला!
सपने जाने कहाँ मिटे, कब धूल हो गये!
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल–कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर!
मैं अबोध था, मैने गलत बीज बोये थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था!

(ख) अर्धशती हहराती निकल गई है तब से!
कितने ही मधु पतझर बीत गए अनजाने,
ग्रीष्म तपे, वर्षा झूली, शरदें मुसकाईं,
सी–सी कर हेमन्त कँपे, तरु झरे, खिले–वन!
ओ' जब फिर से गाढ़ी ऊदी लालसा लिए,
गहरे कजरारे बादल बरसे धरती पर,

(ग) मैंने कौतूहलवश, आँगन के कोने की
गीली तह को ही उँगली से सहलाकर,
बीज सेम के दबा दिए मिट्टी के नीचे!
भू के अंचल में मणि मालिक बाँध दिए हों!
मैं फिर भूल गया इस छोटी–सी घटना को
और बात भी क्या थी, याद जिसे रखता मन!

(घ) फिर एक दिन, जब मैं सन्ध्या को आँगन में
टहल रहा था–तब सहसा मैंने जो देखा,
उससे हर्ष–विमूढ़ हो उठा मैं विस्मय से!
देखा, आँगन के कोने में कई नवागत
छोटे–छोटे छाता ताने खड़े हुए हैं!
छाता कहूँ कि विजय–पताकाएँ जीवन की,
या हथेलियाँ खोले थे वे नन्हीं, प्यारी–
जो भी हो, वे हरे–रे उल्लास से भरे
पंख मार कर उड़ने को उत्सुक लगते थे,
डिम्ब तोड़कर निकले चिड़ियों के बच्चों–से!

(ङ) निर्मिमेष, क्षण भर, मैं उनका रहा देखता–
सहसा मुझे स्मरण हो आया–कुछ दिन पहले
बीज सेम के रोपे थे मैंने आँगन में,
और उन्हीं से बौने पौधों की यह पलटन
मेरी आँखों के सम्मुख अब खड़ी गर्व से
नन्हें नाटे पैर पटक, बढ़ती जाती है!
तब से उनका रहा देखता–धीरे–धीरे,
अनगिनती पत्तों से लद, भर गई झाड़ियाँ,
हरे, भरे टँग गए कई मखमली चन्दोवे!

(च) बेले फैल गईं बल खा, आँगन में लहरा–
और सहारा लेकर बाड़े की टट्टी का
हरे–हरे सौ झरने फूट पड़े ऊपर का!
मैं अवाक् रह गया वंश कैसे बढ़ता है!
छोटे तारों–से छितरे, फूलों की छीटें
झागों–से लिपटे लहरीं श्यामला लतरों पर
सुन्दर लगते थे मानव के हँसमुख नभ–से
चोटी के मोती–से, आँचल के बूटों–से!

(छ) यह धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
नहीं समझ पाया था, मैं उसके महत्व को!
बचपन में, छिःस्वार्थ लोभ बस पैसे बोकर!

(ज) रत्न प्रसविनी है वसुधाा, अब समझ सका हूँ।
इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
इसमें मानव ममता के दाने बोने हैं,
जिससे उगल सके फिर धूल सुनहली फ़सलें
मानवता की–जीवन श्रम से हँसें दिशाएँ!
हम जैसा बोयें वैसा ही पायेंगे।

शौर्य और देश–प्रेम

हिन्दुस्तान हमारा है : बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

(1) निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए?

(क) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का जन्म हुआ था।

(अ) सन् 1850 (ब) सन् 1897

(स) सन् 1905 (द) सन् 1920

(ख) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की कृति है।

(अ) रश्मि रेखा (ब) रश्मि

(स) रेखा चित्र (द) चित्र रेखा

(ग) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' काव्यधारा के कवि हैं।

(अ) सौन्दर्यवादी (ब) कलावादी

(स) छायावादी (द) राष्ट्रीय

(घ) नवीन जी के काव्य में शैली का प्रयोग अधिक हुआ है।

(अ) विशिष्ट (ब) ओजपूर्ण

(स) माधुर्य (द) प्रसाद

(ङ) नवीन जी के काव्य में कहीं–कहीं भावनाएँ भी दृष्टिगत होती है।

(अ) छायावादी (ब) निराशावादी

(स) निर्गुणवादी (द) रहस्यवादी

(2) स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए?

	'अ'	**'ब'**
(क)	**कवि**	**जन्म सन्**
	अ. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	अ. सन् 1886
	ब. गुप्त जी	ब. सन् 1900
	स. पन्त	स. सन् 1919
	द. गिरिजा कुमार माथुर	द. सन् 1897
(ख)	**कवि**	**रचनाएँ**
	(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	अ. यामा
	ब. पन्त	ब. पंचवटी
	स. गुप्त जी	स. वीणा
	द. महादेवी वर्मा	द. रश्मि रेखा
(ग)	**कवि**	**रचनाएँ**
	अ. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	अ. पल्लव
	ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. रागिनी
	स. सुमित्रानन्दन पन्त	स. यशोधरा
	द. गोपाल सिंह 'नेपाली'	द. कुमकुम

(घ)

कवि	जन्म स्थान
अ. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	अ. गुना
ब. नरोत्तम दास	ब. साहाबाद
स. गिरिजाकुमार माथुर	स. सीतापुर के बाड़ी ग्राम
द. जगदीश गुप्त	द. सुजालपुर

(ङ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. कोटि–कोटि कण्ठो से निकली	अ. सबसे पहले घराना
ब. जबकि घटाओं ने सीखा था	ब. निदियारे लोचन अपने
स. यहाँ प्रथम मानव ने खोले	स. ये दो औघट घाट महा
द. विन्ध्य सतपुड़ा, नागा, खसिया	द. आज यही स्वर धारा है।

(3) निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए?

(क) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' वीरगाथाकाल के कवि हैं।

(ख) नवीन जी का निधन सन् 1960 में हुआ।

(ग) नवीन जी भारतीय संविधान निर्माण परिषद् के सदस्य रहे।

(घ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' 'प्राणार्पण' कृति के रचनाकार हैं।

(ङ) प्रकृति के विविध रूपों का चित्रण नवीन जी के काव्य में मिलता है।

(4) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

(क) हिन्दुस्तान हमारा है, कविता में कवि का . . . . . .का स्वर मुखरित हुआ है।
(देश प्रेम/ प्रकृति / वात्सल्य)

(ख) नवीन जी ने ओजपूर्ण शैली में भारत की गौरवशाली . . . . . .का गान किया है।
(समृद्धशाली / गौरवशाली / वैभवशाली)

(ग) . . . . . .नवीन जी की रचना है।
(अपर्णा / आँसू / अपलक)

(घ) नवीन जी बड़े होने पर . . . . . .आन्दोलन में भाग लिया।
(स्वाधीनता / लडाई / शान्ति)

(ङ) कौन सामने आएगा? यह . . . . . महान हमारा है।
(प्रान्त/ ताल्लुका/ देश)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

(क) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' किस प्रान्त के निवासी है?

(ख) नवीन जी के काव्य में किस रस की प्रचुरता मिलती है?

(ग) 'हिन्दुस्तान हमारा है' से कवि का क्या आशय है?

(घ) हमारा अतिशय मान किसने किया है?

(ङ) हमारे देश में कौन–कौन सी नदियाँ हैं?

6. **लघुउत्तरीय प्रश्न–** **(प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)**

(क) हिन्दुस्तान हमारा कविता में विन्ध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं का उल्लेख किन सन्दर्भों के लिए किया गया है?

(ख) हमारे देश में नदियों की महत्ता क्या है?

(ग) भारत वर्ष का इतिहास कितना पुराना है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(घ) आदिमानव एवं देवताओं का उल्लेख हिन्दुस्तान हमारा कविता में क्यों आया है?

(ङ) हन्दुस्तान हमारा कविता में प्रधान रस कौन–सा है? उदाहरण देकर समझाइए।

(7) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक के लिए पाँच अंक)**

(क) 'हिन्दुस्तान हमारा है' कविता में भारतीय इतिहास का चित्रण है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) भारत वर्ष की प्राचीनता का वर्णन करने के लिए कवि ने किन–किन सन्दर्भों का उल्लेख किया है?

(ग) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की काव्यभाषा की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

(घ) **निम्नलिखत पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।**

(अ) यहाँ प्रथम मानव ने खोले, निदियारे लोचन अपने।

(ब) हमने बहुत बार सिरजी हैं कई क्रान्तियाँ बड़ी–बड़ी।

(स) कौन सामने आएगा? यह देश महान हमारा है।

(ङ) नवीन जी का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(अ) दो रचनाएँ (ब) कलापक्ष

(च) नवीन जी का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(अ) काव्यगत विशेषताएँ (ब)साहित्य में स्थान

(छ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

(क) कोटि–कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है–
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।।
जिस दिन सबसे जागे, नवल सृजन के स्वप्न घने,
जिस दिन देश–काल के दो–दो, विस्तृत विमल वितान तने,
जिस क्षण नभ में तारे छिटके, जिस दिन सूरज–चाँद बने,
तब से है यह देश हमारा, यह अभिमान हमारा है!
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है!

(ख) जब कि घटाओं ने सीखा था सबसे पहले घहराना,
पहले पहल प्रभंजन ने जब सीखा था, कुछ हहराना,
जबकि जलधि सब सीख रहे थे सबसे पहले लहराना,
उसी अनादि–आदि क्षण से यह जन्म–स्थान हमारा है!
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है!

(ग) यहाँ प्रथम मानव ने खोले, निदियारे लोचन अपने!
इसी नभ तले उसने देखे, शत–शत नवल सृजन–सपने!
यहाँ उठे 'स्वाहा' के स्वर, औ यहाँ 'स्वधा' के मन्त्र बने!
ऐसा प्यारा देश पुरातन, ज्ञान–निधान हमारा है!
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है!

(घ) विन्ध्य, सतपुड़ा, नागा, खसिया, ये दो औघट घाट महा,
भारत के पूरब–पश्चिम के, यह दो भीम कपाट महा!
तुंग शिखर, चिर अटल हिमालय; है पर्वत–सम्राट यहाँ!
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है!

(ङ) गरज उठे चालीस कोटि जन, सुन ये वचन उछाह भरे,
काँप उठे प्रतिपक्षी जगगण, उनके अन्तस्तल सिहरे;
आज नए युग के नयनों से, ज्वलित अग्नि के पुंज झरे;
कौन सामने आएगा? यह देश महान हमारा है!
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है!

स्वतन्त्रता का दीपक

–गोपाल सिंह 'नेपाली'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों क लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) गोपाल सिंह का जन्म किस परिवार में हुआ?

अ. बंगाली ब. पंजाबी

स. कश्मीरी द. नेपाली

(ख) गोपाल सिंह नेपाली ने कितनी फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं–

अ. 100 ब. 75

स. 70 द. 50

(ग) नेपाली जी के पिता थे–

अ. चिकित्सक ब. वकील

स. सैनिक द. शिक्षक

(घ) हिमालय पुकार रहा है, यह किसकी रचना है?

अ. नवीन जी ब. नेपाली जी

स. अचंल जी द. पन्त जी

(ड.) इन्होंने किस शैली को अपनाया है?

अ. चित्रकथा ब. गीत

स. कथा द. खण्डकाव्य

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ' कवि	'ब' रचनाएँ
(क)	अ. गोपाल सिंह नेपाली	अ. गुन्जन
	ब. सुमित्रानन्दन पन्त	ब. भारत भारती
	स. मैथिलीशरण गुप्त	स. परिक्रमा
	द. महादेवी वर्मा	द. सावन

	कवि	रचनाएँ
(ख)	अ. गोपाल सिंह नेपाली	अ. आः धरती कितना देती है
	ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. सूरज का पहिया
	स. गिरिजा कुमार माथुर	स. पंचवटी
	द. सुमित्रानन्दन पन्त	द. स्वतन्त्रता का दीपक

	कवि	जन्म सन्
(ग)	अ. गोपाल सिंह नेपाली	अ. सन् 1919
	ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. सन् 1900
	स. गिरिजा कुमार माथुर	स. सन् 1886
	द. सुमित्रानन्दन पन्त	द. सन् 1903

(घ)	पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
	अ. यह अतीत कल्पना, यह विनीत प्रार्थना	अ. यह स्वतन्त्र भावना का स्वतन्त्र गान है।
	ब. क्षुद्र जीत–हार पर यह दीया बुझे नहीं	ब. आज द्वार–द्वार पर यह दीया, बुझे नहीं।
	स. घोर अन्धकार हो, चल रही बयार हो	स. भक्ति से छिपा हुआ, यह स्वतन्त्रता दिया
	द. शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया को दिया हुआ	द. यह पुनीत भावना, यह अनन्त साधना

	कवि	जन्म स्थान
(ङ)	अ. गोपाल सिंह नेपाली	अ. कोसानी (अल्मोड़ा)
	ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. शुजालपुर (शाजापुर)
	स. बाकृष्ण शर्मा 'नवीन'	स. चिरगाँव (झाँसी)
	द. सुमित्रानन्दन पन्त	द. बेतिया (बिहार)

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) नेपाली जी ने केवल 14 वर्ष की आयु से ही कविता लिखने लगे थे।

(ख) आँचल नेपाली जी की रचना है।

(ग) नेपाली जी जन कवि हैं।

(घ) गीतिधारा के नेपाली जी कवि नहीं हैं।

(ङ) स्वतन्त्रता का दीपक कविता में वीर रस की प्रधानता है।

4– रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

(क) गोपाल सिंह नेपाली की . . . . . .रचना है।

(उमंगे/ तरंगे /उमस)

(ख) चीन युद्ध के समय इस . . . . . .ने पूरे देश का भ्रमण कर देशभक्ति की भावना का प्रचार–प्रसार किया था।

(जन कवि/ वीर कवि/ बुन्देली कवि)

(ग) तीन–चार फूल हैं, आस–पास . . . . . हैं।

(सूल / शूल / धूल)

(घ) यह स्वतन्त्र भावना का स्वतन्त्र . . . . . .है।

(मान / गान / कथा)

(ङ) नेपाली जी का हिन्दी साहित्य के . . . . . .में विशिष्ट स्थान है।

(जनपदीय कवियों/ राष्ट्रीय कवियों / वात्सल्य)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में लिखिए–

(क) निशीथ का दिया क्या ला रहा है?

(ख) स्वतन्त्रता को 'निशीथ का दिया' क्यों कहा है?

(ग) नेपाली जी की किसी एक प्रमुख कृति का नाम लिखिए।

(घ) नेपाली जी किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ङ) नेपाली जी किस युग के कवि हैं।

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)

(क) 'यह स्वतन्त्र भावना का स्वतन्त्र गान हैं' का संकेत किस ओर है?

(ख) कवि स्वतन्त्रता का दीपक किन परिस्थितियों में जलाए रखने की प्रेरणा देता है?

(ग) 'शक्ति' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(घ) कवि ने क्षुद्र जीत–हार पर यह दिया बुझे नहीं क्यों कहा है?

(ङ) 'स्वतन्त्रता का दीपक' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

7– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक)

(क) भारत की स्वतन्त्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कवि का क्या सन्देश है?

(ख) 'स्वतन्त्रता शहीदों के पुण्यदान का प्रतिफल है।' स्पष्ट कीजिए।

(ग) नेपाली जी का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(अ) भाव पक्ष / कला पक्ष (ब) दो रचनाएँ

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अ. शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ

ब. यह पुनीत कल्पना, यह विनीत प्रार्थना

(ङ) स्वतन्त्रता का दीपक कविता में कौन–सा रस है? उदाहरण देकर समझाइए–

(च) निशीथ, विहान, बिजलियाँ और आँधियाँ शब्दों के निहितार्थ समझाइए।

(छ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) घोर अंधकार हो, चल रही बयार हो,
आज द्वार–द्वार पर यह दिया बुझे नहीं!
यह निशीथ का दिया ला रहा विहान है।
शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ,
भक्ति से दिया हुआ, यह स्वतन्त्रता–दिया,
रुक रही न नाव हो, जोर का बहाव हो,
आज गंग–धार पर यह दिया बुझे नहीं!
यह स्वदेश का दिया प्राण के समान है!

(ख) यह अतीत कल्पना, यह विनीत प्रार्थना,
यह पुनीत भावना, यह अनन्त साधना,
शान्ति हो, अशान्ति हो, युद्ध–सन्धि–क्रान्ति हो,
तीर पर, कछार पर, यह दिया बुझे नहीं!
देश पर, समाज पर, ज्योति का वितान है!

(ग) झूम–झूम बदलियाँ, चूम–चूम बिजलियाँ
आँधियाँ उठा रहीं, हलचलें मचा रहीं!
लड़ रहा स्वदेश हो, शान्ति का न लेश हो,
क्षुद्र जीत–हार पर यह दिया बुझे नहीं!
यह स्वतन्त्रत भावना का स्वतन्त्र गान है!

सामाजिक समरसता
सुदामा चरित् : नरोत्तमदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) नरोत्तम दास की कितनी रचनाओं का उल्लेख मिलता है।

(अ) दो (ब) चार

(स) छः (द) आठ

(ख) किस रचना के कारण नारोत्तम दास चर्चित हुए हैं–

(अ) ध्रुव चरित (ब) बुद्ध चरित

(स) सन्त चरित् (द) सुदामा चरित्

(ग) नरोत्तम दास ने कितने खण्ड काव्य लिखे हैं।

(अ) दो (ब) तीन

(स) एक (द) कोई नहीं

(घ) नरोत्तमदास ने किस उपेक्षित पात्र को अपने काव्य में स्थान देकर अमर बना दिया है–

(अ) विधुर (ब) जामवन्त

(स) सुदामा (द) सहदेव

(ङ) नरोत्तमदास ने किस भाषा में काव्य रचना की है–

(अ) अवधी (ब) बुन्देली

(स) भोजपुरी (द) ब्रज

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
	कवि	**रचनाएँ**
(क)	अ. नारोत्तम दास	अ. हिमालय पुकार रहा है
	ब. सुमित्रानन्दन पन्त	ब. रश्मि रेखा
	स. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	स. पल्लव
	द. गोपाल सिंह नेपाली	द. सुदामा चरित

	कवि	**जन्म स्थान**
(ख)	अ. नारोत्तमदास	अ. शुजालपुर (शाजापुर)
	ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. कोसानी (अलमोड़ा)
	स. सुमित्रानन्दन पन्त	स. चिरगाँव (झाँसी)
	द. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	द. सीतापुर का बाड़ी ग्राम

(ग)

कवि	जन्म सन्
अ. नारोत्तम दास	अ. सन् 1900
ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. सन् 1919
स. पन्त जी	स. सन् 1886
द. गिरिजा कुमार माथुर	द. सन् 1493

(घ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. विप्र सुदामा बसत हो	अ. कृष्ण हमारे मित्र
ब. कहो सुदामा एक दिन	ब. प्रभु जाने को आहि, बसैई केहिग्राम
स. सीस पँगा न झँगा तन में	स. करुणा करके करुणा निधि रोए
द. देखि सुदामा की दीन दशा	द. सदा अपने धाम

(ङ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
(अ) पानी परात को हाथ छुयौ नहिं	(अ) ताको कहा अब देति है शिक्षा
(ब) शिक्षक हौं सिगरे जग को तिय	(ब) सो तुम काहे न देत
(स) कुछ भाभी हमको दियो	(स) पग कंटक जाल लगे पुनि जोए
(द) ऐसे बेहाल बेबाइन सो	(द) नैनन के जल सो पग धोए।

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य कथनों का चयन कीजिए–

(क) नरोत्तम दास का जन्म बाड़ी ग्राम के ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

(ख) नरोत्तम दास ने मित्रता की अभूतपूर्व व्यंजना की है।

(ग) नरोत्तम दास सामाजिक समरसता के कवि नहीं माने जाते हैं।

(घ) कृष्ण भी अपने मित्र सुदामा की दीनता से दुःखी होकर अपनी गरीबी भूल जाते हैं।

(ड.) मित्र की वेदना को अपनी वेदना मानने वाले ही सच्चे मित्र कहे जाते हैं।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए?

(क) नरोत्तम दास के . . . . . .नामक ग्रन्थ का भी उल्लेख मिलता है।
(भावमाला / पुण्य माला / विचार माला)

(ख) नरोत्तम दास की भाषा . . . . . है।
(कठिन / सरल व सजीव / उच्चकोटि)

(ग) ताकी घरनी . . . . . .कहे वेद की रीति।
(ईमानदारी / सत्यता / पवित्रता)

(घ) कहो सुदामा एक दिन . . . . . .हमारे मित्र।
(राम / कृष्ण / शंकर)

(ङ) . . . . . के गये हरि दरिद्र हरैंगे पिय।
(मथुरा / गोकुल / द्वारिका)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए?

(क) नरोत्तम दास की रचनाओं के नाम लिखिए?

(ख) नरोत्तम दास का कौन–सा ग्रन्थ उपलब्ध है?

(ग) नरोत्तमदास किस काल के कवि हैं?

(घ) नरोत्तमदास ने महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में किस काव्य की रचना की है?

(ङ) नरोत्तम दास की भाषा कैसी है?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)

(क) सुदामा की पत्नी ने कृष्ण के पास जाने को क्यों कहा?

(ख) द्वारपाल द्वारा वर्णित सुदामा का चित्र अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) सुदामा द्वारा पोटली न दिए जाने पर कृष्ण ने कौन–सी बातें याद दिलाईं?

(घ) कृष्ण और सुदामा किस गुरु के यहाँ शिक्षा प्राप्त करते थे?

(ङ) कृष्ण ने सुदामा की दशा देखकर क्या कहा?

7– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) खाली हाथ लौटने पर सुदामा ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

(ख) श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए?

(ग) द्वारिका से लौटने के बाद अपने महल को देखकर उनकी क्या दशा हुई।

(घ) सुदामा ने जब द्वारिका का वैभव देखा तो उनके मन में क्या विचार आया।

(ङ) कृष्ण ने सुदामा पर किस प्रकार के व्यंग्य किए, अपने शब्दों में लिखिए?

(च) सुदामा का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए?

(अ) काव्यगत विशेषताएँ (ब) साहित्य में स्थान

(छ) पत्नी की सलाह में सुदामा ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

(ज) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) विप्र सुदामा बसत हो, सदा आपने धाम।
भीख माँगी भेजन करे, हिये जपत हरि नाम।।
ताकी घरनी पतिव्रता, गहै बेद की रीति।
सजल सुसील सबद्धि अति, पति–सेवा सौं प्रीति।।
कहो, सुदामा एक दिन, कृष्ण हमारे मित्र।
करत रहति उपदेश तिय, ऐसो परम विचित्र।।

(ख) सिच्छक हौं सिगरे जग को तिय, ताको कहा अब देति है सिच्छा।
जे तप के परलोक सुधारत, संपति की तिनके नहि इच्छा।।
मेरे हिये हरि के पद पंकज, बार हज़ार लै देख परीच्छा।
औरन को धन चाहिए बावरि, बामन को धन केवल भिच्छा।।

(ग) *द्वारिका जाहु जू द्वारिका जाहू जू, आठहु जाम यहै जक तेरे।*
जौ न कहो करिए तो बड़ो दुख, जैए कहाँ अपनी गति हेरे।।
द्वार खरे प्रभु के छरिया, तहं भूपति जान न पावत नेरे।
पाँच सुपारी तें देंखु विचारिकैं, भेंट को चारि न चाउर मेरे।।
यह सुनिके तब ब्राह्मनी, गई परोसिनि–पास।
पाव–सेर चाउर लिए, आई संहित हुलास।।
सिद्धि करी गनपति सुमिरि, बाँधि दुपटिया खूँट!
मांगत खात चले तहाँ, मारग बाली–बूट।।

(घ) सीस पगा न झगा तन में, प्रभु जाने को आहि, बसै केहि ग्रामा।
धोती फटी सी लटी दुपटी, अरूपाय उपानह की नहि सामा।।
द्वार खरौ द्विज दुर्बल एक, रहयो चकि सौ बसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल का धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।।
बोल्यौ द्वारपालक सुदामा नाम पांडे,
सुनि, छांड़े राज–काज ऐसे जी की गति जाने को?
द्वारिका के नाथ हाय जोरि घय गहे पॉय, भेंट लपटाय करि ऐसे दुख सानै को?
नैन दोऊ भरि पूछत कुसल हरि, बिप्र बौल्यौ बिपदा में मोहि पहिचाने को?
जैसी तुम करी तैसी करै को कृपा के सिन्धु, ऐसी प्रीति दीनबन्धु दीनन सो माने को?

(ङ) *ऐसे बेहाल बेवाइन सों, पग कंटक जाल लगे पुनि जाए।*
हाय महादुख पायो सखा, तुम आए इतै न कितै दिन खोए।।
देखि सुदामा की दीन दसा, करूना करिकै करूनानिधि रोए।
पानी परात को हाथ छुयौ नहिं नैनन के जल सों पग धोए।।
कछु भाभी हमको दियो, सो तुम काहे न देत।
चांपी पोटरी काँख में, रहे कहो केहि हेत।।
आगे चना गुरु–माता देत ते लए तुम चाबि हमें नहिं दीने।
स्याम कहो मुसुकाय सों, चोरी की बानि मैं हो जू प्रबीनें।।
पोटरी काँख में चाँपि रहे तुम, खोलत नाहिं सुधा–रस भीने।
पाछिली बानि अजौ न तजौ तुम, तैसेइ भाभी के तन्दुल कीने।।
देनो हुतो सो दै चुके, बिप्र न जानी गाथ।
चलती बेर गोपालजू, कछु न दीन्हौ हाथ।।

(च) वह पुलकिन वह उठि मिलनी, वह आदर की भाँति।
यह पठवनि गोपाल की, कछु न जानी जाति।।
घर–घर कर ओड़त फिरे, तनक दही के काज।
कहो भयौ जो अब भयौ, हरिको राज–समाज।।
हौं कब इस आवत हुतौ, बाही पठयौ ठेलि।
कहिहौ धन सौ जाइकै, अब धन धरौ सकेलि।।
वैसेई राज–समाज बने, गज–बाजि घने, मन संभ्रम छायौ।
वैसेई कंचन के सब धाम हैं, द्वारिकै माहि नौं फिरी आयौ।
भौन बिलोकि बे को मन लोचत–सोचत ही सब गाँव मँझायो।
पूछत पांडे फिरे सबसों, पर झोंपरी को कहुँ खोज न पायो।

(छ) कने दंड कर मैं लिए, द्वारपाल है द्वार।
जाय दिखायौ सबनि लै, या है महल तुम्हार।।
टूटी–सी मड़ैया या मेरी परी हुती याही ठौर,
तामैं परो दुःख कहाँ हेम–धाम री।
जेवर–जराऊ तुम साजे प्रति अंग–अंग,
सखी सोहें, संग वह छछी हुती छाम री।।
तुम तो पटंबर दी, ओढ़े ही किनारीदार।
सारो जरतारी, वह ओढ़े कारी कामरी।
मेरी वास पड़ाइन तिहारी अनुहार ही पै,
विपदा–सताई वह पाई कहाँ पामरी।

शबरी प्रसंग : तुलसीदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए?

(क) तुलसीदास का बचपन किस प्रकार बीता?
(घोर कष्ट / वैभवपूर्ण / चंचलता /इनमें से कोई नहीं)

(ख) तुलसीदास के गुरु का नाम था?
(रामानन्द / परमानन्द / वल्लभाचार्य / नरहरिदास)

(ग) तुलसीदास की पत्नी का नाम था?
(कलावती / प्रभावती / देववती / रत्नावली)

(घ) बचपन में ही तुलसीदास का किससे विछोह हो गया था?
(गुरु से / पत्नी से / माता–पिता से / प्रभु से)

(ङ) तुलसीदास जी की माता का नाम थ?
(शशि / हुलसी / पुतली बाई)

2– स्तम्भ 'अ' से स्तम्भ 'ब' मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए?

	'अ'	'ब'
(क)	**कवि**	**जन्म सन्**
	(अ) तुलसीदास	(अ) सन् 1556
	(ब) रहीम	(ब) सन् 1443
	(स) मीरा	(स) सन् 1498
	(द) वृन्द	(द) सन् 1532

(ख)	**कवि**	**रचनाएँ**
	अ. तुलसी	अ. वाहरमासा
	ब. रहीम	ब. प्रेम वाटिका
	स. रसखान	स. रहीम रत्नावली
	द. वृन्द	द. कृष्ण गीतावली

(ग)	**कवि**	**जन्म स्थान**
	अ. तुलसीदास	अ. इटावा
	ब. देवदत्त	ब. दिल्ली
	स. रसखान	स. मेड़ता
	द. मीराबाई	द. शाजापुर

(घ)	**कवि**	**रचनाएँ**
	अ. तुलसीदास	अ. साहित्य लहरी
	ब. सूरदास	ब. सोरठ के पद
	स. मीराबाई	स. सुजान रसखान
	द. रसखान	द. कवितावली

(ङ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. कहि निज धर्म ताहि समुझावा	अ. सबरी के आश्रम पगु धारा
ब. ताहि देई गतिराम उदारा	ब. पुनि सुन्दर आसन बैठारे
स. सादर जल तैं चरण पखारे	स. जटा मुकुट सिर उर वन माला
द. सर सिल लोचन बाहु विशाला	द. निज पद प्रीति देखि मन भावा

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) तुलसी का जन्म स्थन सोरो है।
(ख) रामचरित मानस की रचना अयोध्या में की?
(ग) तुलसीदास जी प्रकृति के कवि हैं।
(घ) रामचरित मानस खण्ड काव्य है।
(ङ) रामचरित मानस प्रमुख छन्द चौपाई है।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर दीजिए–

(क) तुलसीदास ने सन् . . . . . .में रामचरित मानस की रचना आरम्भ की।
(1564 / 1574 / 1623)

(ख) तुलसीदास का प्रमुख ग्रन्थ है।
(राम काव्य / कृष्ण काव्य / रामचरित मानस)

(ग) तुलसीदास भक्ति काल के किस धारा के कवि हैं?
(सगुण / निर्गुण / प्रेममार्गी)

(घ) तुलसीदास जी की मृत्यु . . . . . .हुई ?
(1523 / 1532 / 1623)

(ङ) रामलला नहछू . . . . . की रचना है।
(केशवदास / रामचन्द्रगिरि / तुलसीदास)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) शबरी के आश्रम में कौन आये थे?
(ख) शबरी ने राम को प्रेम सहित खाने को क्या दिया?
(ग) शबरी के मुख से शब्द क्यों नहीं निकल पा रहे थे?
(घ) तुलसीदास के किसी एक महाकाव्य का नाम लिखिए?
(ङ) तुलसीदास के किसी एक खण्डकाव्य का नाम लिखिए?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न :– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) तुलसीदास ने शबरी के लिए प्रथम भक्ति के रूप में किन पंक्तियों का उल्लेख किया है?
(ख) शबरी प्रसंग रामचरित मानस के किस काण्ड से उद्धृत किया गया है?
(ग) शबरी कौन थी तथा उसकी विशेषताएँ लिखिए?
(घ) शबरी ने अपने आश्रम में श्रीराम का किस प्रकार स्वागत किया है?
(ङ) बिना भक्ति के मनुष्य की स्थिति किस प्रकार की हो जाती है।

7– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक)

(क) शबरी और राम प्रसंग सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण है। समझाइए?

(ख) तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए?

(ग) तुलसीदास की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए?

(घ) नवधा भक्ति समझाइए?

(ङ) तुलसीदास का परिचय निम्न बिन्दुओं में दीजिए?

(अ) काव्यगत विशेषताएँ (ब) साहित्य में स्थान

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) कहि निज धर्म ताहि समझावा। निज पद प्रीति देखि मनभावा।।
रघुपति चरन कमल सिंह नाई। गयउ गगन आपनि गति पाई।।
ताहि देइ गति राम उदारा। सबरी के आश्रम पगु धारा।।
सबरी देखि राम गृह आए। मुनि के बन्धन समुझि जिय भाए।।
सरसिज लोचन बाहु बिसाला। जटा मुकुट सिर उर वनमाला।।

(ख) स्याम गौर सुन्दर दोउ भाई। सबरी परी वरन लपटाई।।
प्रेम मगन मुख वचन न आवा। पुनि मुनि मद सरोज सिर नावा।।
सादर जल लैं चरण पखारे। मुनि सुन्दर आसन बैठारे।।

दोहा : कन्द मूल फल सुरस अति दिएराम कहूँ आनि।
प्रेम सहित प्रभु खाए बारम्बार बखानि।।

(ग) जाति–पाँति कुल धर्म बड़ाई। धन बल परिजन गुन चतुराई।।
भगति हीन नर सोहइ कैसा। बिनु जल बारिद देखिअ जैसा।।
नवधा भगति कहऊँ तोहि पाहीं। सावधान सुनु धरू मन माहीं।।
प्रथम भगति संतन्ह कर संगा। दूसरि रति मम कथा प्रसंगा।।

दोहा : *गुर पद पंकज सेवा तीसरि भगति अमान।*
चौथि भगति मम गुन गन करइ कपट तजि गान।।

(घ) मन्त्र जाप मम दृढ़ विस्वासा। पंचम भजन सो बेद प्रकासा।।
छठ दम सील बिरति बहुत करमा। निरत निरंतर सज्जन धरमा।।
सातवँ सम मोहि मय जग देखा। मोतें संतम अधिक करि लेखा।।
आठवँ जथालाभ सन्तोषा। सपनेहुँ नहिं देखइ परदोषा।।
नवम सरल सब सन छलहीना। मम भरोस हियँ हरष न दीना।।
नव महुँ एकउ जिन्ह कें कोई। नारि पुरुष सचराचर कोई।।

(ङ) सोई अतिसर प्रिय भामिनि मोरें। सकल प्रकार भगति दृढ़ तोरें।।
जोगि बृन्द दुर्लभ गति जोई। तो कहुँ आजु सलभ भई सोई।।
मम दरसन फल परम अनूपा। जीव पाव निज सहज सरूपा।।
जनकसुता कइ सुविध भामिनी। जानहि कहु करिबर गामिनी।।
पंपा सरहि जाहु रघुराई। तहँ होइहि सुग्रीव मिताई।।
सो सब कहिहि देव रघुवीरा । जानतहूँ पूछहु मतिधीरा।।

कल्याण की राह

विभीषण–रावण संवाद : तुलसीदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) तुलसीदास किस मार्ग के कवि थे?

(अ) सुगण भक्ति मार्ग (ब) ज्ञान मार्ग

(स) प्रेम मार्ग (द) निर्गुण भक्ति मार्ग

(ख) तुलसीदास के बचपन नाम था।

(अ) भोला (ब) रामबोला

(स) श्याम भोला (द) भोलाराम

(ग) तुलसीदास के आराध्य थे?

(अ) कृष्ण (ब) राम

(स) शिव (द) रावण

(घ) रामचरित मानस की रचना की है?

(अ) वाल्मीक (ब) तुलसीदास

(स) जायसी (द) केशवदास

(ङ) तुलसीदास को भगवान राम से मिलाया था।

(अ) अंगद (ब) सुग्रीव

(स) हनुमान (द) रावण

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए?

(क)

'अ'	**'ब'**
कवि	**भावधारा**
अ. तुलसीदास	अ. कृष्ण भक्ति
ब. मीरा	ब. निर्गुण भक्ति
स. कवीट	स. नीति के दोहे
द. रहीम	द. राम भक्ति

(ख)

कवि	**गुरु**
अ. तुलसीदास	अ. वल्लभाचार्य
ब. कबीरदास	ब. सन्त रविदास
स. सूरदास	स. रामानन्द
द. मीरा	द. नरहरिदास

	कवि	रचनाएँ
(ग)	अ. तुलसीदास	अ. पद्मावत
	ब. कबीरदास	ब. सूरसागर
	स. सूरदास	स. बीजक
	द. जायसी	द. पार्वती मंगल

	कवि	जन्म
(घ)	अ. रैदास	अ. सन् 1532
	ब. तुलसीदास	ब. सन् 1615
	स. रसखान	स. सन् 1746
	द. घनानन्द	द. सन् 1388

	प्रथम पंक्ति	द्वितीय पंक्ति
(ङ)	अ. सचिव वैद गुरु तीनि जौं	अ. होइ बेगिहीं नास
	ब. राजधर्म तन तीन कर	ब. कृपा सिन्धु मानुष तनुधारी
	स. गो द्विज धेनु देव हितकारी	स. जहाँ कुमति तहँ विपत्ति निदाना
	द. जहाँ सुमति तहँ सम्पत्ति नाना	द. प्रिय बोलहिं भय आस

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए?

(क) तुलसीदास का विवाह रत्नावली के साथ हुआ था।

(ख) तुलसीदास ने रामचन्द्रिका की रचना की है।

(ग) तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।

(घ) तुलसीदास कृष्ण उपासक थे।

(ङ) तुलसीदास के माता का नाम हुलसी था।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए?

(क) तुलसीदास ने . . . . . .की रचना की है।

(रामचन्द्रिका / बीजक / रामलला नहछू)

(ख) सन् 1532 में जन्म हुआ था . . . . . .।

(कबीरदास / तुलसीदास / सूरदास)

(ग) तुलसीदास ने अपनी रचनाओं में वर्णन किया है।

(कृष्ण का / राम का / शिव का)

(घ) तुलसीदास ने लिखी है।

(विनय पत्रिका / रामपत्रिका / जानकी पत्रिका)

(ङ) तुलसीदास को किसके कहने से प्रभु की ओर मन लगा।

(पिता/ माता / भाई / पत्नी)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए?

(क) माल्यवन्त किसका मन्त्री था?

(ख) विभीषण ने रावण से क्या कहा?

(ग) विभीषण रावण का कौन था?

(घ) विभीषण रावण को क्या लौटाने को कह रहा था?

(ङ) विभीषण की बातें रावण को क्यों बुरी लगीं?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक)

(क) विभीषण ने रावण को कौन–सी सलाह दी उल्लेख कीजिए।

(ख) 'सीता देहु राम कहुँ अहित न होय तुम्हारा' से क्या आशय है।

(ग) विभीषण रावण से बार–बार क्या विनती करता है।

(घ) विभीषण के भाव राम के प्रति स्पष्ट कीजिए।

(ङ) विभीषण रावण संवाद का आशय स्पष्ट कीजिए।

7– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) विभीषण का रावण के प्रति भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) विभीषण के समझाने पर रावण ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की।

(ग) विभीषण–रावण संवाद को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(घ) तुलसीदास का जीवन परिचय निम्न बिन्दुओं में दीजिए।

(1) **साहित्य में स्थान** (2) **तुलसी की काव्य कला**

(ङ) सचिव वैद गुरु तीन जौं प्रिय बोलहि भय आस।
राजधर्म तन तीन कर होइ बेगही नास।।
का भाव स्पष्ट कीजिए।

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) *सचिव बैद गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस।*
राज धर्म तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास।।

सोइ रावत कहुँ बनी सहाई। अस्तुति करहिं सुनाइ सुनाई।।
अवसर जानि विभीषन आवा। भ्राता चरन सीसु तेहिं नावा।।
पुनि सिरू नाइ बैठ जिन आसन। बोला बचन पाइ अनुशासन।।
जो कृपालु पूँछिहु मोहि बाता। मति अनुरूप कहउँ हित ताता।।
जो आपन चाहै कल्याना। सुजसु सुमति सुभ गति सुख नाना।।
सो परनारि लिलार गोसाई। तजउ चउथि के चन्द कि नाई।।
चौदह भुवन एक पति होई। भूतद्रोही तिष्टइ नहिं सोई।।

(ख) *काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पन्थ।*
सब परिहरि रघबीरहि भजह भजहिं जेहि सन्त।।

तात राम नहिं नर भूपाला। भुवनेश्वर कालहु कर काला।।
ब्रह्म अनामय अज भगवंता। व्यापक अजित अनादि अनंता।।
गो द्विज धेनु देव हितकारी। कृपा सिंधु मानुष तनुधारी।।
जन रंजन भंजन खल ब्राता बेद धर्म रच्छक सुनु भ्राता।।
ताहि बयरू तजि नाइअ माथा। प्रनतारित भंजन रघुनाथा।।
देहु नाथ प्रभु कहुँ बैदेही। भजन राम बिनु हेतु सनेही।।
सरन गएँ प्रभु ताहु न त्यागा। बिस्व द्रोह कृत अघ जेहिं लागा।।
जासु नाम त्रय ताप नसावन। सोइ प्रभु प्रगट समुझु जियँ रावन।।

(ग) *बार बार पद लागऊँ विनय कर मैं दससीस।*
परहरि मान मोह मद, भजहु कोसला धीस।।
मुनि पुलकित निज सिष्य सन कहि पढई यह बात।
तुरत सो मैं प्रभु सन कही पाइ सुअवसरू तात।।

माल्यवन्त अति सचिव सयाना। तासु वचन सुनि अति सुख माना।।
तात अनुज तव नीति विभूषन । सो उर धरहु जो कहत विभीषन।।
रिषु उतकरष कहत सठ दोऊ। दुरिन करहु इहाँ हइ कोऊ।।
माल्यवन्त गृह गयउ बहोरी। कहइ विभीषन पुनि कर जोरी।।
सुमुति कुमति सबके उर रहहीं। नाथ पुरान निगम अस कहहीं।
जहाँ सुमति तहँ संपत्ति नाना। जहाँ कुमति तहँ विपति निदाना।।
तब उर कुमति बसी विपरीता। हित अनहित मानहु रिपु प्रीता।।
कालरति निसिचर कुल केरी। तेहि सीता पर प्रीति धनेरी।।

दोहाः *तात चरण गहि मागउँ राखहु मोर दुलार।*
सीता देहु राम कहुँ अहित न होइ तुम्हार।।

सूरज का पहिया : गिरिजा कुमार माथुर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) गिरिजा कुमार माथुर के गीत प्रभाव लिए हुए हैं।

अ. प्रगतिवादी ब. प्रयोगवादी
स. रहस्यवादी द. छायावादी

(ख) गिरिजा कुमार माथुर कवि हैं।

अ. मांसल रोमांस ब. स्वच्छन्दतावादी
स. सुखान्त द. दुखान्त

(ग) गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं में प्रयोग हुआ है।

अ. प्रान्तीय शब्दों का ब. प्रादेशिक शब्दों का
स. आंचलिक शब्दों का द. विदेशज़ शब्दों का

(घ) सूरज का पहिया कविता के कवि हैं।

अ. केदारनाथ अग्रवाल ब. केदारनाथ सिंह
स. गिरिजाकुमार माथुर द. रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

(ङ) गिरिजा कुमार माथुर का जन्म हुआ था।

अ. राजस्थान ब. बिहार
स. उत्तरप्रदेश द. मध्यप्रदेश

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

'अ'	**'ब'**
(क) **कवि**	**जन्म सन्**
अ. गिरिजा कुमार माथुर	अ. सन् 1493
ब. नरोत्तमदास	ब. सन् 1886
स. मैथिलीशरण गुप्त	स. सन् 1900
द. पन्त जी	द. सन् 1919
(ख) **कवि**	**रचनाएँ**
अ. गिरिजा कुमार माथुर	अ. हिमालय पुकार रहा है।
ब. सुमित्रानन्दन पन्त	ब. रश्मि रेखा
स. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	स. वीणा
द. गोपाल सिंह नेपाली	द. नाश और निर्माण

(ग)

कवि	जन्म स्थान
अ. गिरिजा कुमार माथुर	अ. सीतापुर, बाड़ी ग्राम
ब. नरोत्तम दास	ब. चिरगाँव, झाँसी
स. मैथिलीशरण गुप्त	स. सुजालपुर (शाजापुर)
द. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	द. गुना

(घ)

कवि	कृति
अ. गिरिजा कुमार माथुर	अ. कुशल विलास
ब. देवदत्त	ब. सुदामा चरित
स. नरोत्तमदास	स. गीतगोविन्द का टीका
द. मीराबाई	द. शिला पंख चमकीले

(ङ)

कवि	काल
अ. गिरिजा कुमार माथुर	अ. आधुनिककाल
ब. चन्दबरदाई	ब. रीतिकाल
स. रहीम	स. आदिकाल
द. देवदत्त	द. भक्तिकाल

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) गिरिजा कुमार माथुर की प्रारम्भिक शिक्षा झाँसी में हुई।

(ख) शिक्षा समाप्त करके उन्होंने आकाशवाणी में कार्य किया।

(ग) गिरिजा कुमार माथुर ने जन्म कैद नामक नाटक लिखा।

(घ) उनके शब्द चयन में तुकतान और अनुतान का अभाव रहता है।

(ङ) गिरिजा कुमार माथुर ने नई कविता सीमा और सम्भावनाएँ आलोचना विधा में लिखा है।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) मन के विश्वास का यह . . . . . .रुके नहीं।
(सोनचक्र / सुदर्शन चक्र / शौर्य चक्र)

(ख) छाँह में वरौनियों के . . . . . .कभी थके नहीं।
(सूर्य / चाँद / तारे)

(ग) पाँव में अनीति के . . . . . झुके नहीं।
(पशु / मनुष्य / पक्षी)

(घ) . . . . . .की पियरी केशर, कभी चुके नहीं।
(जीवन/ मरण / गति)

(ङ) गिरिजा कुमार माथुर ने . . .. .शीर्षक से रचनाएँ की हैं।
(भीतरी नदी की यात्रा / नदी की यात्रा / समुद्र की यात्रा)

5– अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) गिरिजा कुमार माथुर किस संस्थान से सेवा–निवृत्त हुए?

(ख) कवि का मन किस बात की ओर इंगित करता है?

(ग) कवि किस चक्र को नहीं रुकने देने की बात करता है?

(घ) गिरिजा कुमार माथुर की दो प्रमुख रचनाएँ लिखिए?

(ङ) हमें किसके आगे नहीं झुकना चाहिए?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) पाँव में अनीति के मनुष्य कभी झुके नहीं का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) सूरज का पहिया लिखने के पीछे कवि का क्या आशय है।

(ग) कवि विश्वास का चक्र नहीं रुकने को क्यों कह रहा है?

(घ) सूरज की तश्तरी से कवि का क्या आशय है?

(ङ) हमें क्यों नहीं झुकना चाहिए?

7– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) गिरिजा कुमार माथुर की भाषागत विशेषताएँ लिखिए?

(ख) मन के विश्वास को बनाए रखने के लिए मनुष्य को क्या प्रयत्न करना चाहिए?

(ग) जीवन में हमेशा प्रसन्नता बनाए रखने के लिए क्या करना चाहिए?

(घ) गिरिजा कुमार माथुर का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(क) **भाव पक्ष** (ख) **कला पक्ष** (ग) **साहित्य में स्थान**

(ङ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) मन के विश्वास का यह सोनचक्र रुके नहीं
जीवन की पियरी केसर कभी चुके नहीं

उम्र रहे झलमल
ज्यों सूरज की तश्तरी
डंठल पर विगत के
उगे भविष्य संदली
आँखों में धूप लाल
छाप उन ओठों की
जिसके तन रोओं में
चन्दरिमा की कली

(ख) छाँह में बरौनियों के चाँद कभी थके नहीं
जीवन की पियरी केसर कभी चुके नहीं
मन में विश्वास
भूमि में ज्यों अंगार रहे
आरई नज़रों में
ज्यों अलोप प्यार रहे
पानी में धरा गन्ध
रुख में बयार रहे
इस विचार–बीज की
फसल बार–बार रहे।

(ग) मन में संघर्ष फाँस गड़कर भी दुखे नहीं
जीवन की पियरी केसर कभी चुके नहीं
आगम के पन्थ मिलें
रांगोली रंग भरे
तिए–सी मंजिल पर
जन भविष्य–दीप पर
धूरी साँझ घिरे
उम्र महागीत बने
सदियों में गूँज भरे।

पाँव में अनीति के मनुष्य कभी झुके नहीं
जीवन की पियरी केसर कभी चुके नहीं

जीवन–दर्शन

काँटे कम से कम मत बोओ : रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' किस प्रकार के कवि हैं?

अ. प्रकृति प्रेमी ब. वात्सल्य प्रेमी

स. वीरता द. समग्र अनुभूतियों

(ख) शुक्ल जी ने अन्तिम समय में अपना निवास बनाया।

अ. ग्वालियर ब. इन्दौर

स. जबलपुर द. सागर

(ग) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' की कविताओं में विद्यमान है।

अ. प्रेमानुभूति ब. राष्ट्रीय प्रेम

स. वियोग वर्णन द. ऋतु वर्णन

(घ) 'अंचल' जी की रचना है।

अ. पराजिता ब. अपराजिता

स. विजय द. पराजय

(ङ) रामेश्वर शुक्ल 'अचंल' के काव्य में किस तरह से दृष्टिकोण का समावेश है?

अ. छायावादी ब. राष्ट्रवादी स. रहस्यवादी द. स्वच्छन्दतावादी

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ' **<u>कवि</u>**	'ब' **<u>रचनाएँ</u>**
अ. रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	अ. हिन्दुस्तान हमारा
ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. यामा
स. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	स. साकेत
द. महादेवी वर्मा	द. मधुलिका

(ख)

<u>कवि</u>	**<u>रचनाएँ</u>**
अ. रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	अ. उर्मिला
ब. मैथिलीशरण गुप्त	ब. परिक्रमा
स. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	स. भारत भारती
द. महादेवी वर्मा	द. किरण बेला

(ग)

<u>कवि</u>	**<u>जन्म सन्</u>**
(अ) रामेश्वर शुक्ल	(अ) सन् 1919
(ब) पन्त	(ब) सन् 1897
(स) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	(स) सन् 1900
(द) गिरिजा कुमार माथुर	(द) सन् 1915

(घ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. यदि फूल नहीं बो सकते तो	अ. भय से कातर हो मत रोये
ब. तै अगम चेतना की घाटी	ब. साँसों से मुर्दे मत ढोओ
स. संकट में यदि मुस्करा न सको	स. कमजोर पड़ा मानव का मन
द. यदि बढ़ न सको विश्वास पर	द. काँटे कम से कम मत बोओ

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए–

(क) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' प्राध्यापक एवं प्राचार्य रहे।

(ख) अंचल जी के काव्य में राष्ट्रीय ओज का भी मिश्रण है।

(ग) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' की लाल चूनर प्रसिद्ध रचना है।

(घ) अंचल जी के अनुसार जीवन में संकट और पराजय के समय हमेशा भयभीत होना चाहिए।

(ङ) जीवन में जो संघर्ष करता है, वही प्रसन्नता का वर्णन भी करता है।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प चयन कर कीजिए–

(क) जीवन को जाग्रत करने वाले ही सच्चे . . . . . .और वीरवती कहलाते हैं।
(गम्भीर / साहसी / निर्भय)

(ख) अंचल जी ने मानवीय चेतना के . . . . . .को प्रस्तुत किया है।
(उदात्त पक्ष / कमजोर पक्ष / उज्ज्वल पक्ष)

(ग) समाज और साहित्य में अंचल जी का निबन्ध . . . . . .बन पड़ा है।
(वर्णनात्मक / व्याख्यात्मक / विचारोत्तेजक)

(घ) हर सपने पर. . . . . .करो, लो लगा चाँदनी का चन्दन!
(विश्वास / चाँदनी / अविश्वास)

(ङ) इसमें तुम जाग नहीं सकते तो . . . . . .बिछाकर मत सोओ।
(चारपाई / पलंग / सेज)

5– लघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) काँटे कम से कम बोओ से क्या तात्पर्य है?

(ख) भय से कातर होने पर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है?

(ग) हमें कैसा कार्य करना चाहिए?

(घ) हमारा जीवन किस प्रकार का है?

(ङ) अंचल जी की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) कवि अंचल जी के अनुसार दुनिया की रीति क्या है?

(ख) हमें मार्ग में काँटे क्यों नहीं बिछाना चाहिए?

(ग) हमें ममता की शीतल छाया क्यों ग्रहण करनी चाहिए?

(घ) संकट के समय हँसते, मुस्कुराते रहने से क्या फायदा होता है?

(ङ) दुनिया की परम्परा क्या है?

7– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) ''संकट से मुस्कुरा न सके तो भय से कातर मत हो'' में कवि के कहने का क्या आशय है?

(ख) कवि ने अपने ह्रदय को सशक्त बनाने के लिए कौन सा मार्ग अपनाया है?

(ग) ''काँटे कम से कम बोओ'' का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(घ) यदि बढ़ न सको विश्वासों पर, साँसों के मुरदे मत ढोओ। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) सुनसान का गला घोंटने से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट कीजिए।

(च) अचंल जी का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(1) **काव्यगत विशेषताएँ** (2) **साहित्य में स्थान**

(छ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) यदि फूल नहीं बो सकते तो
काँटे कम से कम मत बोओ!
है अगम चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन,
ममता की शीतल छाया में होता, कटुता का स्वयं शमन!
ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं, खुल–खुल जाते हैं मुँदे नयन,
होकर निर्मलता में प्रशान्त बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन!
संकट में यदि मुस्का न सको, भय से कातर हो मत रोओ!
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ!

(ख) हर सपने पर विश्वास करो, लो लगा चाँदनी का चन्दन,
मत याद करो, मत सोचो–ज्वाला में कैसे बीता जीवन,
इस दुनिया की है रीति यही–सहता है तन, बहता है मन;
सुख की अभिमानी मदिरा में, जो जाग सका, वह है चेतन!
इसमें तुम जाग नहीं सकते, तो सेज बिछाकर मत सोओ!
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ!

(ग) पग–पग पर शोर मचाने से मन में संकल्प नहीं जमता,
अनसुना–अचीन्हा, करने से संकट का वेग नहीं कमता,
संशय के सूक्ष्म कुहासे में विश्वास नहीं क्षण–भर रमता,
बादल के घेरों में भी तो जय–घोष न मारूत का थमता।
यदि बढ़ न सको विश्वासों पर, साँसों से मुरदे मत ढोओ;
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ!

सच है महज सघर्ष ही : जगदीश गुप्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) जगदीश गुप्त प्रमुख कवि है।

(अ) द्विवेदी युग (ब) छायावादी युग के

(स) राष्ट्रवादी युग के (द) नई कविता में

(ख) जगदीश गुप्त का जन्म जिले में हुआ।

(अ) बाँदा (ब) हरदोई

(स) झाँसी (द) बस्ती

(ग) जगदीश गुप्त की रचना है।

(अ) नई कहानी (ब) नई कविता

(स) पुरानी कविता (द) कवि युग

(2) स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	'ब'
(क)	**कवि**	**जन्म**
(अ)	जगदीश गुप्त	(अ) टिगरिया (होशंगाबाद)
(ब)	मैथिलीशरण गुप्त	(ब) बेतिया (बिहार)
(स)	गोपाल सिंह नेपाली	(स) चिरगाँव (झाँसी)
(द)	भवानी प्रसाद मिश्र	(द) शाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

	कवि	जन्म सन्
(ख)	अ. जगदीश गुप्त	अ. सन् 1915
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. सन् 1919
	स. रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	स. सन् 1913
	द. गिरिजा कुमार माथुर	द. सन् 1924

	कवि	रचनाएँ
(ग)	अ. जगदीश गुप्त	अ. गीत फरोस
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. भग्नदूत
	स. अज्ञेय	स. करील
	द. अंचल	द. नाव के पाँव

	कवि	रचनाएँ
(घ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. चकित है दुख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. बावरा अहेरी
	स. अज्ञेय	स. वर्णान्त के बादल
	द. अंचल	द. शब्द दंश

	कवि	रचनाएँ
(ङ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. खुशबू के शिलालेख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. शेखर एक जीवनी
	स. अज्ञेय	स. अपराजिता
	द. अंचल	द. हिमबद्ध

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) जगदीश गुप्त ने विश्व विद्यालय अनुदान आयोग में उच्च शोध की विशेष योजना में कार्य किया।

(ख) जगदीश गुप्त ने नई कविता स्वरूप और समस्याएँ नामक ग्रन्थ लिखा।

(ग) जगदीश गुप्त द्विवेदी युगीन कवि हैं।

(घ) श्री गुप्त ने छन्दबद्ध कविताएँ लिखी हैं।

(ङ) सच है महज संघर्ष ही कविता के, श्री जगदीश गुप्त कवि हैं।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) जगदीश गुप्त का निधन . . . . . .हुआ था।
(सन् 1990 में / सन् 1999 / सन् 2001)

(ख) जगदीश गुप्त करते थे।
(वकालत / पत्रकारिता / अध्ययन)

(ग) इनकी कव्य भाषा . . . . . .है।
(प्रतिक्रियात्मक / बिम्बात्मक / छन्दबद्ध)

(घ) जगदीश गुप्त ने मुक्तक कविताओं के अतिरिक्त . . . . . .की रचना की है।
(महाकाव्य साकेत/ खण्डकाव्य प्रिय प्रवास/ लघुकाव्य शम्बूक)

(ङ) सच . . . . . नहीं, सच तुम नहीं।
(हम / तुम / वह)

5– अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) जीवन का सच क्या है?

(ख) जीवन मार्ग में काँटे और कलियाँ क्या हैं?

(ग) जगदीश गुप्त की कोई दो अन्य रचनाओं के नाम लिखिए?

(घ) जीवन में सत्य का बोध कौन कराता है?

(ङ) जीवन सत्य को पाने के लिए किस चीज़ की आवश्यकता होती है?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) गुप्त जी ने जीवन का सन्देश किसे माना है और क्यों?

(ख) कवि ने अपने हृदय को सशक्त बनाने के लिए क्या मार्ग सुझाया?

(ग) हमारी चेतना का विस्तार कौन करता है?

(घ) संघर्ष करने से व्यक्ति की क्षमता में किस प्रकार का परिवर्तन आता है?

(ङ) किस प्रकार का जीवन निरर्थक माना जाता है?

7– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) गुप्त जी ने जीवन का लक्ष्य किसे माना है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने सशक्त बनने के लिए क्या मार्ग सुझाया है। विस्तार से लिखिए?

(ग) वह ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी जो सिर्फ़ पानी–सी वही इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित भाव स्पष्ट कीजिए?

हारे नहीं, इन्सान, है सन्देश जीवन का यही तो नत हुआ वह मृत हुआ।

(ङ) जगदीश गुप्त के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(च) जगदीश गुप्त का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

अ. भाव पक्ष–कला पक्ष ब. साहित्य में स्थान

(छ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) सच हम नहीं, सच तुम नहीं
सच है, महज संघर्ष ही
संघर्ष से हट कर जिए, तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।

(ख) सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्रणों में कहीं जड़ता रहे।
जो हैं जहाँ चुपचाप अपने–आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, हैं संदेश जीवन का यही।

(ग) सच हम नहीं सच तुम नहीं।
संसार सारा आदमी की चाल देख हुआ चकित।
पर झाँक कर देखो दृगों में, हैं सभी प्यासे थकित।
जब तक बँधी है चेतना।
जब तक हृदय दुख से घना।
तब तक न मानूँगा कभी इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(घ) अपने हृदय का सत्य अपने–आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमकों पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं।
धरती पसीजी हैं कहीं?
जिससे हृदय को बल मिले है ध्येय अपना तो वही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
सच है महज संघर्ष ही।

विविधा

हमारा देश : स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय

प्रश्न–वस्तुनिष्ठ **(प्रत्येक प्रश्न अंक का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही बहुविकल्पीय चयन कीजिए–

(क) हमारा देश कविता लक्ष्य करके लिखी गयी है–

अ. ग्रामवासियों को ब. शहरवासियों को

स. पूँजीपतियों को द. राजनीतिज्ञों को

(ख) अज्ञेय किस प्रतिभा के साहित्यकार हैं–

अ. एक मुखी ब. बहुमुखी

स. साधारण द. सामान्य

(ग) अज्ञेय की रचनाओं में सर्वत्र व्याप्त है–

अ. प्राचीन मूल्यों की खोज ब. परम्परा की खोज

स. नवीन मूल्यों की खोज द. अनैतिक मूल्यों की खोज

(घ) अज्ञेय का कविता संग्रह है–

अ. गीत फरोश ब. बावरा अहेरी

स. किरण धे नुए द. इनमें से कोई नहीं

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
	पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(क)	अ. झोपड़ों में ही हमारा देश	अ. बरसता है
	ब. हमारी साधना का रस	ब. डँसता है
	स. वासना का साँप	स. हँसता है
	द. सभ्यता का भूत	द. बसता है
	कवि	**पहचान**
(ख)	अ. अज्ञेय	अ. सामाजिक समरसता के कवि हैं
	ब. रसखान	ब. जीवन दर्शन के कवि
	स. जगदीश	स. वात्सल्य के कवि
	द. नरोत्तम दास	द. विविधा के कवि हैं
	कवि	**रचनाएँ**
(ग)	अ. जगदीश गुप्त	अ. गीत फरोस
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. भग्नदूत
	स. अज्ञेय	स. करील
	द. अंचल	द. नाव के पाँव

	कवि	रचनाएँ
(घ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. चकित है दुख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. बावरा अहेरी
	स. अज्ञेय	स. वर्णान्त के बादल
	द. अंचल	द. शब्द दंश
(ङ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. खुशबू के शिखालेख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. शेखर एक जीवनी
	स. अज्ञेय	स. अपराजिता
	द. अंचल	द. हिमबद्ध

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

(क) अज्ञेय केवल कविता करते थे।

(ख) अज्ञेय की पूरा नाम सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय है।

(ग) अज्ञेय जी छायावाद के प्रवर्तक कवि हैं।

(घ) अज्ञेय हिन्दी साहित्य के अप्रतिम कलाकार हैं।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) अज्ञेय ने . . . . . कविता लिखी है।
(अपना देश/ पराया देश / हमारा देश)

(ख) शहरवासियों को कवि ने. . . . . .का लालची कहता है?
(वासना / भूख / पैसों)

(ग) शहर वाले . . . . . .सर्प की तरह हैं।
(विषैले / शान्त दुष्ट)

(घ) गाँव की बालाओं को देखकर शहरी सभ्यता . . . . . उड़ाती है।
(अनाज / हँसी / पतंग)

5– अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) अज्ञेय ने किस पर व्यंग्य किया है?

(ख) अज्ञेय की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ग) अज्ञेय की हिन्दी साहित्य को क्या देन है?

(घ) झोंपड़ों में ही हमारा देश बसता है, से क्या तात्पर्य है?

(ङ) हमारा देश कविता के काव्य सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) अज्ञेय ने कितने तार सप्तकों का सम्पादन किया था, स्पष्ट कीजिए?

(ख) हमारा देश कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है, उल्लेख कीजिए।

(ग) कवि ने वासना से पहले कौन–कौन से विशेषण प्रयुक्त किए हैं और क्यों?

(घ) 'सभ्यता का भूत' और संस्कृति की दुर्दशा में अपने विचार लिखिए।

7– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)**

(क) हमारी ग्रामीण संस्कृति को शहरी बुराइयाँ प्रभावित कर रही हैं, स्पष्ट कीजिए।

(ख) हमारा देश कविता के काव्य सौन्दर्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ग) हमारा देश कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) अज्ञेय का परिचय निम्न बिन्दुओं पर दीजिए–

(अ) **भाव पक्ष, कला पक्ष** (ब) **साहित्य में स्थान**

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

(क) इन्हीं तृण–फूल छप्पर से
ढके ढुलमुल गँवारू
झोपड़ों में ही हमारा देश
बसता है।

(ख) इन्हीं के ढोल–मादल बाँसुरी के
उमगते सुर में
हमारी साधना का रस
बरसता है।

(ग) इन्हीं के मर्म को अनजान
शहरों की ढँकी लोलुप विषैली
वासना का साँप
डँसता है।

(घ) इन्हीं में लहराती अल्हड़
अयानी संस्कृति की दुर्दशा पर
सभ्यता का भूत
हँसता है।

घर की याद : भवानी प्रसाद मिश्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1– निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) भवानी प्रसाद जी किस दर्शन से प्रभावित हुए–

अ. गाँधीवादी ब. अरविन्द

स. पश्चिमी द. पाश्चात्य

(ख) भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म कहाँ हुआ–

अ. होशंगाबाद ब. भोपाल

स. जबलपुर स. खण्डवा

(ग) भवानी जी किस युग के रचनाकार हैं–

अ. आदिकाल ब. भक्तिकाल

स. रीतिकाल द. आधुनिक काल

(घ) भवानी प्रसाद मिश्र के प्रेरणा स्रोत रहे–

अ. रिश्तेदार ब. परिजन

स. मित्र द. पिता एवं बड़े भाई

(ङ) 'सतपुड़ा के घने जंगल' कविता है–

अ. पन्त जी ब. महादेवी

स. भवानी प्रसाद मिश्र द. नागार्जुन

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
(क)	**कवि**	**जन्म स्थान**
	(अ) जगदीश गुप्त	(अ) टिगरिया (होशंगाबाद)
	(ब) मैथिलीशरण गुप्त	(ब) बेतिया (बिहार)
	(स) गोपाल सिंह नेपाली	(स) चिरगाँव (झाँसी)
	(द) भवानी प्रसाद मिश्र	(द) शाहाबाद (उत्तरप्रदेश)
	कवि	**जन्म सन्**
(ख)	अ. जगदीश गुप्त	अ. सन् 1915
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. सन् 1919
	स. रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	स. सन् 1913
	द. गिरिजा कुमार माथुर	द. सन् 1924
	कवि	**रचनाएँ**
(ग)	अ. जगदीश गुप्त	अ. गीत फरोस
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. भग्नदूत
	स. अज्ञेय	स. करील
	द. अंचल	द. नाव के पाँव

	कवि	रचनाएँ
(घ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. चकित है दुख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. बावरा हेरी
	स. अज्ञेय	स. वर्णान्त के बादल
	द. अंचल	द. शब्द दंश
(ङ)	अ. जगदीश गुप्त	अ. खुशबू के शिखालेख
	ब. भवानी प्रसाद मिश्र	ब. शेखर एक जीवनी
	स. अज्ञेय	स. अपराजिता
	द. अंचल	द. हिमवद्ध

3– निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) भवानी प्रसाद मिश्र केवल कहानियाँ लिखते थे?

(ख) भवानी प्रसाद मिश्र ने साहित्य सेवा में अपना जीवन यापन किया।

(ग) व्यक्ति, समाज और देश मिश्र जी के काव्य के मूलाधार रहे हैं।

(घ) भवानी प्रसाद मिश्र की भाषा सामान्य जन–जीवन और रोज़मर्रा की भाषा है।

(ङ) भवानी प्राद मिश्र को कोई सम्मान प्राप्त नहीं हुआ।

4– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म.....हुआ–
(टिमरनी / टिगरिया / टीकमगढ़)

(ख) रो पड़े होंगे बराबर . . . . . .का नाम लेकर–
(चौथे, पाँचवे, साँतवे)

(ग) चार भाई, चार बहनें भुजा. . . . . .प्यार बहनें।
(भाई / माता / पिता)

(घ) पाँव जो पीछे हटाता . . . . . .को मेरी लजाता।
(सिर / इज्जत / कोख)

(ङ) गीत फरोश कविता है–
(भवानी प्रसाद मिश्र / अज्ञेय / महादेवी)

5– अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) भवानी प्रसाद मिश्र को कौन से सम्मान प्राप्त हुए?

(ख) 'घर की याद' कविता के रचनाकार का नाम बताइए।

(ग) कवि को 'घर की याद' क्यों आ रही है?

(घ) कवि घर पर किसके द्वारा सन्देश भेजना चाहता है?

(ङ) गीता का पाठ कौन करता था?

6– लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) भवानी प्रसाद मिश्र ने अपनी माँ के किस ओर संकत किया है।

(ख) पिता जी की सक्रियता को कवि ने किस रूप में देखा है।

(ग) कवि अपने आपको माँ–पिता के सामने किस रूप में रखना चाहता है।

(घ) भवानी प्रसाद मिश्र को जेल की यात्रा क्यों करनी पड़ी?

(ङ) भवानी प्रसाद मिश्र के परिवार में कौन–कौन थे?

7– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) घर की याद कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

(ग) भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य में निहित प्रकृति का वर्णन कीजिए।

(घ) भवानी प्रसाद मिश्र का परिचय निम्न बिन्दुओं पर दीजिए।

(अ) **दो रचनाएँ** (ब) **साहित्य में स्थान**

(ङ) **निम्नलिखित पंक्तियों की भाव सहित व्याख्या कीजिए?**

(क) आज पानी गिर रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
रात भर गिरता रहा है,
प्राण मन घिरता रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
घर नज़र में तिर रहा है,
घर कि मुझसे दूर है जो,

घर खुशी का पूर है जो,
घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!

(ख) घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े,
चार भाई चार बहिने,
भुजा भाई प्यार बहिनें,
आज गीता पाठ करके,
दण्ड दो सौ साठ करके,

खूब मुगदर हिला–हिला कर,
मूठ उनकी मिला लेकर,
जब कि नीचे आए होंगे,
नैन जल से छाए होंगे,
हाय, पानी गिर रहा है,
घर नज़र में तिर रहा है,

(ग) पाँचवाँ मैं हूँ अभागा,
जिसे सोने पर सुहागा,
और माँ बिन–पढ़ी मेरी,
दुःख में वह गढ़ी मेरी
माँ कि जिसकी गोद में सिर,

रख लिख तो दुख नहीं फिर,
माँ कि जिसकी स्नेह–धारा,
का यहाँ तक भी पसारा,
उसे लिखना नहीं आता,
जो कि उसका पत्र पाता।

(घ) पिता जी जिनको बुढ़ापा,
एक क्षण भी नहीं व्यापा,
रो पड़े होंगे बराबर,
पाँचवें का नाम लेकर,
पिता जी ने कहा होगा,
हाय, कितना सहा होगा,

पिता जी कहते रहे हैं,
प्यार में बहते रहे हैं,
आज उनके स्वर्ण बेटे,
लगे होंगे उन्हें हेटे,
क्योंकि मैं उन पर सुहागा
बँधा बैठा हूँ अभागा,

(ङ) और माँ ने कहा होगा,
दुःख कितना बहा होगा,
आँख में किस लिए पानी
वहाँ अच्छा है भवानी
वह तुम्हारा मन समझकर,
और अपनापन समझकर,

गया है सो ठीक ही है,
यह तुम्हारी लीक ही है,
पाँव जो पीछे हटाता,
कोख को मेरी लजाता,
इस तरह होओ न कच्चे,
रो पड़ेंगे और बच्चे,

(च) हाय रे, ऐसा न कहना,
है कि जो वैसा न कहना,
कह न देना जागता हूँ,
आदमी से भागता हूँ,
कह न देना मौन हूँ मैं,
खुद न समझूँ कौन हूँ मैं,

देखना कुछ बक न देना,
उन्हें कोई शक न देना,
हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम बरस लो न वे न बरसें,
पाँचवें कोक वे न तरसें।

गद्य–खण्ड

व्याख्यान : स्वामी विवेकानन्द

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) स्वामी विवेकानन्द का बचपन का नाम था–

(अ) रामदेव (ब) नरेन्द्र देव

(स) महादेव (द) सुखदेव

(ख) स्वामी विवेकानन्द का जन्म हुआ था–

(अ) सन् 1863 (ब) सन् 1875

(स) सन् 1853 (द) सन् 1860

(ग) स्वामी विवेकानन्द के पिता का नाम था–

(अ) शिवप्रसाद (ब) विश्वनाथ

(स) शिवनाथ (द) रामनाथ

(घ) स्वामी विवेकानन्द शिष्य थे–

(अ) बुद्धदेव (ब) रामदेव

(स) रामकृष्ण परमहंस (द) वल्लभाचार्य

(ङ) शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में व्याख्यान दिए थे–

(अ) सुभाषचंद (ब) स्वामी दयानन्द सरस्वती

(स) राजाराम मोहनराय (द) स्वामी विवेकानन्द

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइये–

(क)

'अ'	**'ब'**
पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. जब लोहा गर्म हो	अ. मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।
ब. संसार में संन्यासियों की प्राचीन परम्परा की ओर से	ब. आपके समक्ष नहीं रखूँगा।
स. इस सम्बन्ध में अपना मत	स. नहीं हो जाना चाहिए।
द. ईसाई को हिन्दू या बौद्ध	द. तभी उस पर चोट लगानी चाहिए।

(ख)

पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. सहायता करो	अ. न कि प्रभाव विनाश।
ब. प्रभाव ग्रहण	ब. न कि मतभेद और कलह।
स. समन्वय और शान्ति	स. स्त्री–पुरुषों को जन्म दिया है।
द. प्रत्येक धर्म ने श्रेष्ठ एवं उन्नति चरित्र	द. लड़ो मत।

(ग)

लेखक	जन्म सन्
अ. स्वामी विवेकानन्द	अ. सन् 1908
ब. रामधारी सिंह 'दिनकर'	ब. सन् 1919
स. भगवतीशरण सिंह	स. सन् 1926
द. विद्यानिवास मिश्र	द. सन् 1863

(घ)

लेखक	जन्म स्थान
अ. स्वामी विवेकानन्द	अ. मुंगेर
ब. रामधारी सिंह 'दिनकर'	ब. वाराणसी
स. भगवतीशरण सिंह	स. गोरखपुर
द. विद्यानिवास मिश्र	द. कोलकाता

(ङ)

लेखक	रचनाएँ
अ. स्वामी विवेकानन्द	अ. कुरुक्षेत्र
ब. रामधारी सिंह 'दिनकर'	ब. अपराजिता
स. भगवतीशरण सिंह	स. मॉडर्न हिन्दी पोएट्री
द. विद्यानिवास मिश्र	द. रामकृष्ण मिशन

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) स्वामी विवेकानन्द की माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था।
(ख) रामकृष्ण परमहंस का नरेन्द्र पर काफी प्रभाव पड़ा।
(ग) स्वामी विवेकानन्द को मिशन का सचिव बना दिया गया।
(घ) स्वामी विवेकानन्द भारत के गौरव हैं।
(ङ) स्वामी विवेकानन्द के व्याख्यान उनकी उदारता को व्यक्त करते हैं।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) स्वामी विवेकानन्द का जन्म . . . . . .को हुआ था।
(12 जनवरी / 20 जनवरी / 26 जनवरी)

(ख) नरेन्द्र बचपन से ही . . . . . .थे।
(मन्दबुद्धि / कुशाग्रबुद्धि / अल्पबुद्धि)

(ग) स्वामी विवेकानन्द . . . . . के धनी थे।
(साधारण प्रतिभा/ विलक्षण प्रतिभा/ सामान्य प्रतिभा)

(घ) स्वामी विवेकानन्द शिकागो विश्व . . . . . .सम्मेलन में व्याख्यान दिए थे।
(राजनीति/ धर्म/ वाणिज्य)

(ङ) . . . . . ने 'अमेरिकावासी बहनों और भाइयों' कहकर श्रोताओं को सम्बोधित किया था।
(स्वामी दयानन्द/स्वामी विवेकानन्द/ राजाराम मोहनराय)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) भारत में जन्म लेने पर विवेकानन्द को क्यों अभिमान है?

(ख) पृथ्वी हिंसा से क्यों भरती जा रही है कोई दो कारण लिखिए।

(ग) शुद्धता–पवित्रता और दयाशीलता के विषय में स्वामी जी ने क्या कहा है?

(घ) स्वामी के अनुसार भारत के लोग दूसरे धर्मों को किस रूप में स्वीकार करते हैं।

(ङ) स्वामी के अनुसार शीघ्र ही प्रत्येक धर्म की पताका पर क्या लिखा होगा?

(6) लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) विभिन्न धर्मों के बारे में स्वामी जी के क्या विचार हैं? लिखिए।

(ख) साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और धर्मांधता ने मानवता को क्या हानि पहुँचाई है?

(ग) स्वामी जी किस प्रकार अपने हृदय के अन्तःस्तल से दया प्रदर्शित करते हैं?

(घ) लेखक ने बीज के माध्यम से धर्म की किस विशेषता की ओर संकेत किया है?

(7) दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) मानव समाज की उन्नति में कौन–कौन से तत्व बाधक रहे हैं, स्पष्ट कीजिए?

(ख) भारत ने संसार को कौन–सी दो बातों की शिक्षा दी है, विस्तार से लिखिए?

(ग) स्वामी ने मानव समाज को कौन–सा सन्देश दिया है, स्पष्ट कीजिए?

(घ) स्वामीजी के चिंतन भारतीय जीवन तत्वों के सारभूत को प्रस्तुत करने वाले हैं? प्रकाश डालिए।

(ङ) स्वामी जी के विचारों का अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए?

(च) स्वामी विवेकानन्द का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–

क. साहित्यिक विशेषताएँ ख. भाषा शैली

(छ) **निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

1. साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है तथा इस पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवता के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यता को विध्वस्त करती और पूरे–पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि वह वीभत्स दानवी न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता, पर अब उनका समय आ गया है, और मैं आन्तरिक रूप से आशा करता हूँ कि आज सुबह इस सभा के सम्मान में जो घण्टाध्वनि हुई है, वह समस्त धर्मान्धता का, तलवार या लेखनी के द्वारा होने वाले उत्पीड़नों का तथा एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर होने वाले मानवों की पारम्परिक कटुताओं का मृत्युनिनाद सिद्ध हो।

2. धार्मिक एकता की सर्वसामान्य भित्ति के विषय में बहुत कुछ कहा जा चुका है। इस समय में इस सम्बन्ध में अपना मत आपके समक्ष नहीं रखूँगा। किन्तु, यदि यहाँ कोई यह आशा कर रहा है कि यह एकता किसी एक धर्म की विजय और बाकी सब धर्मों के विनाश से सिद्ध होगी, तो उनसे मेरा कहना है कि भाई तुम्हारी यह आशा असम्भव है। क्या मैं यह चाहता हूँ कि ईसाई लोग हिन्दू हो जाएँ? कदापि नहीं। ईश्वर ऐसा न करे। क्या मेरी यह इच्छा है कि हिन्दू या बौद्ध लोग ईसाई हो जाएँ? ईश्वर इस इच्छा से बचाए।

3. बीज भूमि में बो दिया गया, और मिट्टी, वायु तथा जल उसके चारों ओर रख दिए गये, तो क्या वह बीज मिट्टी हो जाता है? अथवा वायु या जल बन जाता है? नहीं, वह तो वृक्ष ही हो जाता है। वह अपनी वृद्धि के नियम से ही बढ़ता है। वायु, जल और मिट्टी को अपने पचाकर, उनको उद्भिज पदार्थ में परिवर्तित करके एक वृक्ष हो जाता है।

4. ऐसा ही धर्म के सम्बद्ध में भी है। ईसाई को हिन्दू या बौद्ध नहीं हो जाना चाहिए, और न हिन्दू अथवा बौद्ध को ईसाई ही। पर हाँ प्रत्येक को चाहिए कि वह दूसरों के सारभाग को आत्मसात् करे, पुष्टिलाभ करे और अपने वैशिष्ट्य की रक्षा करते हुए अपनी निजी वृद्धि के नियम के अनुसार वृद्धि को प्राप्त हो।

इस धर्म महासभा ने जगत् के समक्ष यदि कुछ प्रदर्शित किया है, तो यह है–''उसने सिद्ध कर दिया है कि शुद्धता, पवित्रता और दयाशीलता किसी सम्प्रदाय विशेष की एकान्तिक सम्पत्ति नहीं है एवं प्रत्येक धर्म के श्रेष्ठ एवं अतिशय उन्नत चरित्र–पुरुषों को जन्म दिया है।''

5. अब इन प्रत्यक्ष प्रमाणों के बावजूद भी यदि कोई ऐसा स्वप्न देखे कि अन्याय से सारे धर्म नष्ट हो जायेंगे और केवल उसका धर्म ही जीवित रहेगा, तो उस पर मैं अपने हृदय के अन्तस्तल से दया करता हूँ और उसे स्पष्ट बतलाए देता हूँ कि शीघ्र ही सारे प्रतिरोधों के बावजूद, प्रत्येक धर्म की पताका पर यह लिखा रहेगा–''सहायता करो, लड़ो मत,'' परभाव ग्रहण, न कि परभाव–विनाश, समन्वय और शान्ति, न कि मतभेद और कलह।

हिम्मत और ज़िन्दगी

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) रामधारी सिंह 'दिनकर' के पिता थे–

(अ) साहित्यकार (ब) किसान

(स) राजनीतिक (द) निबंधकार

(ख) 'ज़िन्दगी में हिम्मत सबसे बड़ी पूँजी है' यह कथन है–

(अ) विवेकानन्द (ब) गोपाल सिंह नेपाली

(स) रामधारी सिंह 'दिनकर' (द) जगदीश गुप्त

(ग) रेगिस्तान में जन्म हुआ था–

(अ) बाबर (ब) शाहजहाँ

(स) अकबर (द) औरंगज़ेब

(घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म हुआ था–

(अ) अजमेर (ब) मुंगेर

(स) लतेर (द) दिल्ली

(ङ) रामधारी सिंह 'दिनकर' की मृत्यु सन् . . . . . .में हुई।

(अ) 1980 (ब) 1970

(स) 1974 (द) 1960

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
<u>प्रथम पंक्ति</u>	**<u>द्वितीय पंक्ति</u>**
अ. बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर	अ. हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।
ब. आदमी के और सारे गुण उसके	ब. यह भैंस या भेड़ का काम है।
स. झुण्ड में चलना और झुण्ड में चरना	स. उधार नहीं लेता
द. साहसी मनुष्य सपने	द. दुनिया पर कब्ज़ा करती है।

(ख)

<u>प्रथम पंक्ति</u>	**<u>द्वितीय पंक्ति</u>**
अ. सभी अक्षर फूलों से ही नहीं	अ. और अब भी है।
ब. सुख देने वाली चीज़ें पहले भी थीं।	ब. तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।
स. तुम साहस नहीं दिखा सके	स. जो कुछ दिन बिना खाए।
द. भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है	द. कुछ अंगारों से भी लिखे गये हैं।

(ग) कवि	जन्म सन्
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) सन् 1926
(ब) शरद जोशी	(ब) सन् 1907
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) सन् 1908
(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) 1937

(घ) कवि	जन्म स्थान
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) गोरखपुर
(ब) शरद जोशी	(ब) बलिया
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) मुंगेर
(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उज्जैन

(ङ) कवि	रचनाएँ
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) किसी बहाने
(ब) शरद जोशी	(ब) अशोक के फूल
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) महाभारत का यथार्थ भारतीय दर्शन की पीठिका
(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उर्वशी

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) रामधारी सिंह 'दिनकर' लम्बे समय तक भारत सरकार के हिन्दी सलाहाकार रहे।

(ख) 'दिनकर' जी की रचनाओं में सामाजिक जीवन एवं राष्ट्रीय समस्याओं का समावेश नहीं है।

(ग) दिनकर जी की कृतियों की भाषा शुद्ध खड़ी बोली है।

(घ) आधुनिक काल में स्वतन्त्रता, देशभक्ति की भावना स्पष्ट करने वाले साहित्यकारों में इनका कोई विशिष्ट स्थान नहीं है।

(ङ) ज़िन्दगी की दो सूरते हैं, एक तो यह कि आदमी बड़े–से–बड़े मकसद के लिए कोशिश करे।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) रामधारी सिंह 'दिनकर' की . . . . . .रचनाएँ है।
(सपनों का भारत / हुंकार/ अपराजिता)

(ख) दिनकर जी की कृतियों की भाषा . . . . . .बोली है।
(शुद्ध खड़ी / अवधी / ब्रज)

(ग) मानव हित में किया गया कार्य श्रेष्ठ कार्य माना गया है, यह. . . . . सुक्ति है।
(पन्त जी/ दिनकर जी/ विद्यानिवास जी)

(घ) 'ज़िन्दगी की सबसे बड़ी पूँजी हिम्मत' है, यह . . . . . .सूक्ति है।
(विवेकानन्द/ दिनकर / विंस्टन चर्चिल/विनोवा भावे)

(ङ) रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचनाओं की भाषा. . . . . है।
(संस्कृत/उर्दू/ हिन्दी)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) साहसी मनुष्य किस प्रकार सपने देखता है?

(ख) लहरों में तैरने वालों को क्या मिलता है?

(ग) ज़िन्दगी में लगाने वाली पूँजी कौन–सी है?

(घ) पानी में जो अमृत वाला तत्व है, उसे कौन जानता है?

(ङ) साहसी मनुष्य की क्या पहचान है?

(6) लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) चाँदनी की ताज़गी और शीतलता का आनन्द किसे है?

(ख) विंस्टन चर्चिल ने ज़िन्दगी के बारे में क्या कहा?

(ग) लेखक ने साहसी मनुष्य से सिंह की तुलना किस प्रकार की है?

(घ) अर्नाल्ड बेनेट ने हिम्मत और साहस के सम्बन्ध में क्या कहा?

(7) दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्ज़ा करती हैं, उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए?

(ख) ज़िन्दगी की कौन–कौन सी दो सूरते हैं, समझाइए?

(ग) 'फूलों के छाँह के नीचे खेलने वालों के लिए ज़िन्दगी के असली मजे नहीं हैं, उदाहरण द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए?

(घ) ज़िन्दगी को सही ढंग से जीने के लिए लेखक द्वारा दिये गये सुझावों पर अपना मत व्यक्त कीजिए?

(ङ) ''झुण्ड में चलना और झुण्ड में चरना यह भेड़ और भैंस का काम है'', के पीछे लेखक का क्या आशय है, स्पष्ट कीजिए?

(च) **रामधारी सिंह 'दिनकर' का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर कीजिए–**

(अ) भाषा–शैली (ब) दो रचनाएँ

(छ) निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग संहित व्याख्या लिखिए–

1. ज़िन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं है जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं। बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का स्वाद छिपा है तो वह भी उन्हीं के लिए है जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कंठ सूखा हुआ, होंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है। पानी में जो अमृत तत्व है, उसे वह जानता है जो धूप में खूब सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा नहीं है।

2. फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं और उनके मज़े बाद में लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है, जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है। जो लोग पाँव भीगने के खौफ से पानी से बचते रहते हैं, समुद्र में डूबे जाने का खतरा उन्हीं के लिए है। लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आयेंगे।

चाँदनी की ताजगी और शीलता का आनन्द यह मनुष्य लेता है, जो दिनभर धूप में थककर लौटा है, जिसके शरीर को अब रतनाई की ज़रूरत मासूम होती है और जिसका मन यह जानकर सन्तुष्ट है कि दिन भर समय उनके किसी अच्छे काम में लगाया है।

इसके विपरीत वह आदमी भी है, जो दिन भर खिड़कियाँ बन्द करके पंख के नीचे छुपा हुआ था और अब रात में जिसकी सेज बाहर चाँदनी में लगाई गई है। भ्रम तो शायद उसे भी होता होगा कि वह चाँदनी के मजे ले रहा है, लेकिन सच पूछिए तो वह खुशबूदार फूलों के रस में दिन–रात सड़ रहा है।

3. भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है, जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। ''तेन व्यक्तेन भुंजीथा'', जीवन का भोग त्याग के साथ करो, यह केवल परमार्थ का ही उपदेश नहीं है क्योंकि संयम से भोग करने पर जीवन से जो आनन्द प्राप्त होता है, वह निरा भोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता।

बड़ी चीज़ें बड़े संकटों में विकास पाती हैं, बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्जा करती हैं। अकबर ने तेरह साल की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को परास्त कर दिया था, जिसका एकमात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था, और वह भी उसी समय जब उसके पिता के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी।

4. श्री विंस्टन चर्चिल ने कहा है कि ज़िन्दगी की सबसे बड़ी सिफत हिम्मत है। आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।
ज़िन्दगी की दो सूरते हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े–से–बड़े मकसद के लिए कोशिश करें, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम–कदम पर जोश की रोशनी के साथ अंधियाली का जाल बुन रही हो, तब भी वह पीछे को पाँव न हटाए।

5. अगर रास्ता आगे ही आगे निकल रहा हो तो फिर असली मजा तो पाँव बढ़ाते जाने में ही है। साहस की ज़िन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती है। ऐसी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अडोरा–पडोरा को देखकर चलना यह साधारण जीब का काम है। क्रान्ति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

6. अर्नाल्ड बैनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िन्दगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज़ सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज़ जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नही सकता। यह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है, तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए। सांसारिक अर्थ में जिसे हम सुख कहते हैं, उसका न मिलना, फिर भी इससे कहीं श्रेष्ठ है कि मरने के समय हम अपनी आत्मा से यह धिक्कार सुनें कि तुममें हिम्मत की कमी थी, कि तुममें साहस का अभाव था, कि तुम ठीक वक्त पर जिन्दगी से भाग खड़े हुए।

7. ज़िन्दगी से अन्त में हम उतना ही पाते हैं, जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। यह पूँजी लगाना ज़िन्दगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को उलट कर पढ़ना है, जिसके सभी अक्षर फूलों से नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गये हैं। ज़िन्दगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है, जो यह जानकर चलता है कि ज़िन्दगी कभी–भी खत्म न होने वाली चीज़ है।

ओ जीवन के साधको! अगर किनारे की भरी हुई सीपियों से ही तुम्हें सन्तोष जो जाए तो समुद्र के अन्तराल में छिपे हुए मौक्तिक को कौन बाहर लायेगा?

नदी बहती रहे : भगवती शरण सिंह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) देवियों का स्वरूप दिया गया है–

(अ) तालाबों को (ब) नदियों को,

(स) नालों को (द) समुद्र को

(ख) भारत देश रहा है–

(अ) वृक्ष नहीं रहेंगे (ब) नदियाँ नहीं रहेंगी

(स) खेत–खलिहारन नहीं रहेंगे (द) पशु–पक्षी नहीं रहेंगे।

(घ) गंगा की सहायक नदियाँ हैं–

(अ) 10 (ब) 15

(स) 19 (द) 20

(ङ) हिमालय पर्वतमाला में कामेत पर्वत के आगे से निकली है–

(अ) गंगा (ब) यमुना

(स) कावेरी (द) नर्मदा

(2) स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
	<u>रचना/स्थान</u>	**<u>स्थान नाम</u>**
(क)	अ. साकेत में	अ. पाचरिलेव्यकवन
	ब. वैशाली और कपिलवस्तु में	ब. लुम्बिनी वन
	स. श्रावस्ती के तट में	स. स्वयंजात वन
	द. रोहिणी नदी के तट पर	द. अंजन वन
	<u>स्थान</u>	**<u>नदी का नाम</u>**
(ख)	अ. मध्यप्रदेश में	अ. नर्मदा ताप्ती समूह
	ब. पूर्व में	ब. महानदी समूह
	स. दक्षिण–पूर्व में	स. ब्रह्मपुत्र–मेघना समूह
	द. पश्चिम	द. गंगा–यमुना समूह
	<u>दिशाएँ</u>	**<u>क्षेत्र का नाम</u>**
(ग)	अ. उत्तर में	अ. पेरियार
	ब. पश्चिम में	ब. दामोदर
	स. पूर्व में	स. थाणा की सँकरी खाड़ियाँ
	द. दक्षिण में	द. डल झील

(घ) **कवि** **जन्म स्थान**

(अ) भगवतीशरण सिंह (अ) गोरखपुर

(ब) शरद जोशी (ब) बलिया

(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (स) वाराणसी

(द) विद्यानिवास मिश्र (द) उज्जैन

(ङ) **कवि** **रचनाएँ**

(अ) भगवतीशण सिंह (अ) किसी बहाने

(ब) शरद जोशी (ब) अशोक के फूल

(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (स) महाभारत का यथार्थ भारतीय दर्शन की पीठिका

(द) विद्यानिवास मिश्र (द) जंगल और जान

(3). निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) भगवती शरण सिंह, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे हैं।

(ख) श्री सिंह उत्तरप्रदेश शासन में आयुक्त तथा सचिव रहे हैं।

(ग) भगवतीशरण सिंह की 10 पुस्तकें प्रकाशित हुईं।

(घ) वनों में रहते नदियाँ स्वतः फूट पड़ती हैं।

(ङ) नदियों के न रहने से हमरा जीवन स्रोत ही सूख जाएगा।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) गंगा की पहली तथा बड़ी पश्चिमी सहायक नदी है.....है।
(कावेरी/ सोन / यमुना)

(ख) भारत आज भी प्रमुख . . . . . .के समूह में बँटा हुआ है।
(पर्वतों / जंगलों / नदियों)

(ग) उत्तरप्रदेश सूचना विभाग के श्री भगवतीशरण सिंह. . . . . .रहे।
(संचालक / निदेशक/ अध्यक्ष)

(घ) भवगतीशरण सिंह ने लेखन कार्य सन् . . . . .से शुरू किया।
(सन् 1935 / सन् 1938/ सन् 1940)

(ङ) वन, पर्वत और . . . . . .का आपास में अटूट रिश्ता है।
(तालाबों / जंगलों / नदियों)

(5). अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में कीजिए–

(क) भगवतीशरण सिंह की कोई दो रचनाओं के नाम लिखिए?

(ख) यमुना नदी कहाँ से निकलती है?

(ग) नदियाँ हमारे जीवन के किस–किस पक्ष को समृद्ध करती हैं?

(घ) गंगा नदी की पहली तथा बड़ी पश्चिमी सहायक नदी कौन सी है?

(ङ) 'स्वयंजात वन' किसे कहते हैं?

(6). लघुउत्तरीय प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)**

(क) गंगा की कितनी सहायक नदियाँ हैं? उनके नाम लिखिए।

(ख) देश में जल प्रदूषण की स्थिति कैसी है?

(ग) भारतीय भू–भौगोलिक स्थिति को ठीक–ठीक किस प्रकार समझा जा सकता है?

(घ) जनसंख्या वृद्धि के प्रकृति पर क्या प्रभाव हो रहे हैं?

(ङ) भारत के स्वयंजात वन कौन–कौन से हैं?

(7). दीर्घउत्तरीय प्रश्न :–

(क) वन, वर्तन और नदियों के नजदीकी रिश्ते को स्पष्ट कीजिए।

(ख) भारत की नदियाँ अब मोक्षदायिनी क्यों नहीं रह गयी है? पाठ के आधार पर बताइये।

(ग) नदियों, पर्वतों और वनों से भरपूर देश की स्थिति में आज क्या परिवर्तन आया है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) वर्तमान समय में अपने परिवेश को प्रदूषण के प्रभाव से कैसे बचाया जा सकता है? टिप्पणी लिखिए।

(ङ) जब गंगा गंगा न रही, तब काशी की क्या स्थिति रहेगी? स्पष्ट कीजिए।

(च) भगतवी शरण सिंह का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर कीजिए–

(अ) भाषा–शैली (ब) दो रचनाएँ

(छ) निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग संहित व्याख्या लिखिए–

1. भारत नदियों का देश रहा है। इसलिए नहीं कि इस देश में नदियों की ही अधिकता है, बल्कि इसलिए कि इस देश में नदियों का विशेष रूप से सम्मान हुआ है। वे हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती रही हैं। उनसे हमारा आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन समृद्ध हुआ है। आज वे अपना प्राचीन महत्व खोती जा रही हैं। प्राचीन ग्रन्थों में विशेषकर वेदों, ब्राह्मण ग्रन्थों और पुराणों में हमारे वनों, पर्वतों और नदियों के बारे में प्रचुर सामग्री मिलती है।

2. जिस प्रकार वनों का वृक्षों से, नदियों का जल से सम्बन्ध है, उसी प्रकार नदियों का वनों से भी सम्बन्ध मानना चाहिए। वनों के रहते नदियाँ स्वतः फूट पड़ती हैं, प्रवाहित होती रहती हैं। वन नहीं रहेंगे तो नदियाँ नहीं रहेगी। नदियों के न रहने पर हमारी संस्कृति विच्छिन्न हो जाएगी। हमारा जीवन–स्रोत ही सूख जाएगा। अतः वनों की आवश्यकता और महत्ता को अस्वीकार करके न तो हम आर्थिक उन्नति के सोपान गढ़ सकते हैं और न स्वास्थ्य और सुख की कल्पना ही कर सकते हैं।

3. आदमी की ज़िन्दगी अपने आप में बहुत ही अकेली और नीरस होती है। आदमी–आदमी के रिश्ते–नाते उसका बहुत दूर तक साथ नहीं देते। पर जब वह इनसे आगे बढ़कर एक व्यापक सम्बन्ध कायम करने की कोशिश करता है, तो उसके साथ वन, पर्वत नदी आदि सब चल पड़ते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। आज वह वनस्पतियों और पानी के रिश्ते को भूलकर अपने को भी अकेला बना रहा है और उनके आपसी सम्बन्धों का भी विच्छेद करता जा रहा है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा और कावेरी आज भी भारत में बह रही हैं, पर अब वे मोक्षदायिनी नहीं रह गयी हैं।

4. उत्तर में डल झील से लेकर दक्षिण में पेरियार और यालियार नदियों तक पूरब में दामोदर और हुगली से लेकर पश्चिम में थाणा की सँकरी खाड़ियों तक, सब जगह जल–प्रदूषण की स्थिति चिन्ता का विषय बनी हुई है। यहाँ तक कि गंगा जैसी बारहमासी नदियाँ भी जल प्रदूषण से बहुत बहुत अधिकग्रस्त हैं। मानव बस्तियों और उद्योगों का गन्दा पानी सीधे जल–प्रवाह में मिल जाता है। जो अधिकांश रूप से उपयोग करने लायक नहीं रह जाता। रोजाना जिस प्रकार गन्दा पानी छोड़ा जा रहा है, उससे प्राकृतिक जल, जैसे–नदियों, खाड़ियों और समुद्र तटवर्ती पानी को खतरा पैदा हो गया है। अतः ऐसी स्थिति में न कश्मीर ही स्वर्ग रह गया और न काशी ही तीन लोक से न्यारी रह गयी। जब गंगा, गंगा न रही, तब काशी की क्या स्थिति रहेगी?

5. ''भारत पशु तथा प्राणी सम्पदा से भरपूर होने के कारण प्राकृतिक जीवित संसाधनों की विपुल विविधता से सम्पन्न देश है, जिस पर लाखों व्यक्ति अपने निर्वाह के लिए आश्रित हैं तथा जलभूमि के उचित प्रबन्ध द्वारा जहाँ देश की मूलभूत जैविक उत्पादकता का संरक्षण पारिस्थितिकीय दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यहाँ इसकी अनुवांशिक विविधता की रक्षा तथा उसकी प्रजातियाँ और पारिस्थितिकीय व्यवस्था का संरक्षण केवल उन्हें लगातार उपयोग में लाने की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि हमारे लोगों के भावी अस्तित्व तथा विकास के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। निरन्तर तेज़ी से बढ़ती जा रही जनसंख्या के दबाव के कारण लुप्त होती जा रही प्रजातियाँ तथा पारिस्थितिकीय व्यवस्थाओं के फलस्वरूप तथा प्राकृतिक पर्यावरण के योजनाविहीन विकास के कारण हमारी प्रजातियों के प्राकृतिक आवास शीघ्रता से समाप्त अथवा कुछ बदलने जा रहे हैं।'

6. वनों, पर्वतों और नदियों का बहुत नज़दीकी रिश्ता है। ये तीनों ही एकसाथ रहते हैं और एकसाथ वन और नदियाँ मैदानों में उतरती हैं। लेकिन जिस प्रकार की वन व्यवस्था आज है, उसमें न तो वनस्पतियाँ, न वन्य पशुओं और न ही नदियों की रक्षा सम्भव है। वनों का उपयोग उद्योग व्यापार में होगा। इससे विरत नहीं हुआ जा सकता। वनों की उपयोगिता मानव की समग्र समृद्धि के लिए है। समृद्धि की इस समग्रता में उसकी आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समृद्धियाँ शामिल हैं।

नारियल : विद्यानिवास मिश्र

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) नारियल ऊपर से अत्यन्त कठोर होता है। भीतर से वह कैसा होता है?

(अ) सरस और मधुर (ब) दृढ़ एवं मजबूत

(स) कड़क एवं कठोर (द) मजबूत एवं कठोर

(ख) कर्त्तव्य परायण व्यक्ति किसके समान होता है?

(अ) शेव (ब) पपीता

(स) नारियल (द) तरबूज

(ग) ताप और रस का एकत्र संयोग ही का वास्तविक भोग है।

(अ) जीवन (ब) मनुष्य

(स) फल (द) मृत्यु

(घ) कठोरता के बिना सुरक्षित नहीं रहती और ताप के बिना द्रव नहीं बनता।

(अ) सरला (ब) सत्यता

(स) मधुरता (द) सहजता

(ङ) वंश शब्द के दो अर्थ है–बाँस और?

(अ) पुत्री (ब) पुत्र

(स) परिवार (द) सदस्य

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइये–

	'अ'	**'ब'**
	पक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(क)	अ. हिन्दुस्तान एक विचित्र देश है	अ. वनस्पति को अपना प्रतिरूप मानता है।
	ब. सन्तान को	ब. तुलसी के रूप में देखता है।
	स. कन्या को आँगन की	स. वासुदेव वृक्ष के रूप में देखता है।
	द. हिन्दुस्तान का आदमी	द. उसकी पहचान नदी से होती है या वनस्पति से।
	पक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(ख)	अ. बिना वनस्पति के	अ. समानान्तर होती है।
	ब. पीढ़ी–दर–पीढ़ी मनुष्य का विस्तार	ब. वंश–वृक्ष बनता है।
	स. विशेष रूप से काल का बोध	स. वंश–वृक्ष बनता है।
	द. मनुष्य और वनस्पति की यात्रा	द. हिन्दुस्तान का कोई अनुष्ठान सम्पन्न नहीं होता

	पक्तियाँ	पंक्तियाँ
(ग)	अ. कोई भी उत्सव होगा	अ. वृक्षों के पल्लव रखे जायेंगे।
	ब. आम के पत्तों की	ब. पार्वती बनेगी।
	स. सुपारी की	स. वन्दनवार लगायी जाएगी।
	द. कलश पर पाँच	द. हरे बाँस की पताका फहरायी जाएगी।

(घ)	कवि	जन्म स्थान
	(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) गोरखपुर
	(ब) शरद जोशी	(ब) बलिया
	(स) हज्ज़ारी प्रसाद द्विवेदी	(स) मुंगेर
	(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उज्जैन

(ङ)	कवि	रचनाएँ
	(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) किसी बहाने
	(ब) शरद जोशी	(ब) अशोक के फूल
	(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) महाभारत का यथार्थ भारती दर्शन की पीठिका
	(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उर्वशी

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) गाँव के नाम तक पेड़ों पर होते हैं।

(ख) नदी से जनपद की इकाई का बोध होता है।

(ग) फल से मनुष्य का बोध नहीं होता है।

(घ) चारुता के लिए मृदु और कठोर का सन्तुलन चाहिए।

(ङ) सौभाग्य से वंचित भोग अमंगल है, निरर्थक है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्पों का चयन कर कीजिए–

(क) विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध हिन्दी. . . . . .के निबन्धों में अद्वितीय उपलब्धि है।
(दलित साहित्य/ लोकप्रिय साहित्य / ललित साहित्य)

(ख) विद्यानिवास मिश्र जी को. . . . . .से अलंकृत किया गया।
(पद्मश्री / पद्मविभूषण / पद्मभूषण)

(ग) पिता के वन में. . . . . .फलता है।
(नारियल/ अंगूर / अनार)

(घ) भाई के वन में. . . . . .फूलती है।
(चमेली / केसर / रातरानी)

(ङ) प्रिय के वन में .. . . . . .खिलता है।
(कमल / गुड़हल / गुलाब)

5. **अति लघुउत्तरीय प्रश्न–**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) विद्यानिवास मिश्र किन विश्वविद्यालयों के कुलपति रहे हैं?

(ख) विद्यानिवास जी ने किस मासिक पत्रिका का सम्पादन किया है?

(ग) लेखक के अनुसार अनुष्ठान के मांगलिक द्रव्यों की सूची में कौन सी चीज़ है, जो अवश्य रखी जाती है?

(घ) नारियल कहाँ का वृक्ष है?

(ङ) नारियल का फल कैसा होता है?

(च) वंश शब्द के क्या अर्थ हैं?

6. **लघुउत्तरीय प्रश्न–** **(प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)**

(क) पिता का वन कैसा होता है?

(ख) स्वप्न में फलों को देखने से किन चीज़ों की प्राप्ति होती है?

(ग) नारियल कैसे फोड़ना चाहिए?

(ग) तमिलनाडु में लेखक को क्या–क्या देखने को मिला?

(घ) नारियल को पिता के प्यार से जोड़ने के पीछे कौन–सी दृष्टि कार्य करती है?

(ङ) नारियल के भाव बन्धन से लेखक का क्या तात्पर्य है?

7. **दीर्घउत्तरीय प्रश्न–** **(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)**

(क) नारियल भेंट करने के पीछे कौन–सी चेतना काम करती है? स्पष्ट कीजिए?

(ख) लेखक की बचपन की स्मृति का नारियल अब कौन–सा रूप धारण कर लेता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) पेड़ों और नदियों के नाम पर गाँवों के नाम लिखिए?

(घ) विवाह के अवसर पर किस प्रकार का गीत गाया जाता था? उसका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ङ) नारियल विषय पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

(च) 'पिता' की तुलना नारियल के किस प्रकृति विशेष से की जाती है?

(छ) विद्यानिवास मिश्र का जीवन–परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(1) भाषा–शैली (2) दो रचनाएँ (3) साहित्यिक विशेषताएँ

(ज) **निम्नलिखित पंक्तियों की प्रसंग एवं सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–**

1. हिन्दुस्तान एक विचित्र देश है, उसकी पहचान नदी से होती है या वनस्पति से। उसके देशकाल का बोध या तो नदी कराती है या वनस्पति कराती है। विशेष रूप से काल का बोध वनस्पति ही कराती है। उसके ऋतु–चक्र का अवतरण सबसे पहले वनस्पतिजगत् पर ही होता है। हिन्दुस्तान का आदमी वनस्पति को अपना प्रतिरूप मानता है। सन्तान को वासुदेव वृक्ष के रूप में देखता है, कन्या को आँगन की तुलसी के रूप में देखता है। माँ को दूध भरे गाछ के रूप में देखता है। इसीलिए बिना वनस्पति के हिन्दुस्तान का कोई भी अनुष्ठान सम्पन्न नहीं होता। मनुष्य से मनुष्य का सम्बन्ध, वनस्पति से वनस्पति का सम्बन्ध, लता और वृक्ष का सम्बन्ध है। एक तरह से मनुष्य और वनस्पति की यात्रा समानान्तर होती है। पीढ़ी दर पीढ़ी मनुष्य का विस्तार वंश–वृक्ष बनता है।

2. तुम सम्पूर्ण जीवन जियो, कठोर भी बनो, मधुर भी बनो। बिना कठोर हुए, बिना कर्तव्य–परायण हुए करुणा कहाँ से आयेगी। निरी करुणा भी किस काम की, यदि उसमें चारुता और मंजुता न हो। चारुता के लिए मृदु और कठोर का सन्तुलन चाहिए और कठोर का सन्तुलन चाहिए और मन्जुता के लिए ताप की पकाई चाहिए। यह जीवन केवल अपने खाने–पीने की वस्तु नहीं है। यह उपभोक्ता नहीं है, यह उपभोग्य है। यही उसका सौभाग्य है। सौभाग्य से वंचित भोग अमंगल है, निरर्थक है। साहित्य में कई बार प्रश्नात्मक अभिप्राय दुहराया जाता है।

3. पिता के वन में नारियल फलता है, भाई के वन में केसर फूलती है, प्रिय के वन में गुलाब खिलता है। गुलाब के रंग से चुनरी रँगाऊँगी। पर चुनरी तो सब कुछ नहीं, छाय भी तो कुछ है और गहरी जड़ों से ऊपर तक खिंचकर आया हुआ संचित रस भी तो कुछ है। पिता का वन ऐसा ही वन है, वह नारियल का वन है, ऊपर बड़ा संयत और कठोर, भीतर से आर्द्र। ऐसा स्नेह पिता का होता है, जो रंग भी होता है, रस और गन्ध भी होता है। माथे पर लगता है तो माथा दमकता है और महकता भी है। प्रिय का प्यार एक गहरा रंग होता है। वह पहचान बनता है, सौभाग्य का। यहाँ उल्लेखनीय है कि लोक साहित्य में जिससे पोषण मिलता है, वह नारियल है, वह पिता है, वह दाय है, वह विरासत है। जिस पर सपने पलते हैं, वह भाई का स्नेह है और मन जिससे रँगा होता है, वह प्रिय का प्यार है, गुलाबी पर काँटों से विंधा हुआ।

4. नारियल को पिता के प्यार से जोड़ने के पीछे लोक–चेतना की गहरी जीवन दृष्टि है, जो अनुशासन को महत्व देती है, अनुशासित वात्सल्य को महत्त्व देती है। नारियल को पूर्णाहुति के रूप में अर्पित करने का यह अभिप्राय है कि अनुशासन से संधा पर भीतर रस की उत्कण्ठा से दूसरों को सुख देने की कामना से भरा हो, तभी जीवन है, पूर्ण जीवन है, उसी को अर्पित करके अनुष्ठान पूर्ण होता है। बिना आत्मसंयम की दीक्षा के कोई भी स्नेह, कोई भी प्यार पूर्ण नहीं होता है।

5. सम्मानित व्यक्ति को अपने जमाता को नारियल की भेंट दी जाती है तो उसके पीछे भी यही अभिप्राय है कि तुम हमारे जीवन में अन्तर्निहित समूची श्रद्धा भावना ले जाओ। यह नारियल भाव–बन्धन है, केवल इसकी जटाएँ ही रस्सी बनकर बड़ी–बड़ी नावों को किनारे नहीं बाँधतीं, ये श्रद्धा को भी श्रद्धेय से बाँधती हैं। अन्तर इतना है कि रस्सी तो नाव को किनारे से बाँधती है और श्रद्धा सन्तरणशील मनुष्य को मँझधार से बाँधती है, श्रद्धा से आबद्ध कभी–भी किनारे की अपेक्षा नहीं रखता। वह सदैव गतिशील रहता है, वह बहता नहीं है, बहता रहता है।

उधार का अनन्त आकाश : शरद जोशी

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) जीवन की विसंगतियों पर करारा प्रहार करके समाज को सही दिशा देते हैं।

(अ) निबन्धकार (ब) कहानीकार

(स) कथाकार (द) व्यंग्यकार

(ख) शरद जोशी की रचना है –

(अ) अंधों का गधा (ब) अंधों का घोड़ा

(स) अंधों का हाथी (द) अंधों का बैल

(ग) उधार लेना है–

(अ) कला (ब) विज्ञान

(स) ज्ञान (द) स्वभाव

(घ) सभ्यता का विकास परस्पर की कहानी है।

(अ) व्यापार (ब) लेन–देन

(स) उधार (द) विचारों

(ङ) हर पुरानी पीढ़ी नयी पीढ़ी के नाम कुछ छोड़ गयी है।

(अ) कर्ज (ब) फर्ज

(स) मर्ज (द) वसीयत

2. स्तम्भ 'अ' स 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ' **पंक्तियाँ**	**'ब'** **पंक्तियाँ**
(क)	अ. उधार के मूल में	अ. मूल जीवनशक्ति है।
	ब. परम्परा है	ब. परम्परा से विद्रोह है।
	स. उधार नहीं लौटाना	स. उधार देना।
	द. उधार लेने की शक्ति ही	द. गहरा दर्शन है।
(ख)	अ. कर्ज के पानी से निकालने पर	अ. उसका जीवन है
	ब. उधार लौटाने वाले	ब. इतिहास में प्रसिद्ध है
	स. उधार लेने वाले	स. परिहास के पात्र हैं
	द. मछली का पानी में डूबना	द. हम तड़पने लगेंगे

(ग)	**कवि**	**जन्म सन्**
	(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) सन् 1926
	(ब) शरद जोशी	(ब) सन् 1907
	(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) सन् 1908
	(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) सन् 1937

(घ)

कवि	जन्म स्थान
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) गोरखपुर
(ब) शरद जोशी	(ब) बलिया
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) मुंगेर
(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उज्जैन

(ङ)

कवि	रचनाएँ
(अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(अ) किसी बहाने
(ब) शरद जोशी	(ब) अशोक के फूल
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(स) महाभारत का यथार्थ भारतीय भाषा दर्शन की पीठिका
(द) विद्यानिवास मिश्र	(द) उर्वशी

3. निम्नलिखित में से असत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) उधार लौटाने वाले धारा के विरुद्ध तैरने का प्रयास करते हैं।

(ख) उधार की तरह सतत चली आ रही है।

(ग) हमारे देश में पुनर्जन्म के सिद्धान्त पर अविश्वास है।

(घ) आत्मा स्थायी पूँजी है जो अमर है।

(ङ) आदमी लाइटवेट चैम्पियन से हैवीवेट चैम्पियन बनता है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) उधार लेने वाला. . . . . .होता है।
(परिश्रमी/ खोजी / अन्वेषी)

(ख) हमारे देश में. . . . . .की प्रतिमा लगानी चाहिए।
(कोलम्बस/ बास्कोडिगामा/ अंग्रेज़ी)

(ग) उधार की सीमा. . . . . .है।
(अनन्त/ निश्चित / थोड़ी है)

(घ) हम फिर पानी में कूदेंगे यानी. . . . . .ले लेंगे।
(मोती/ रत्न/ कर्ज)

(ङ) परिक्रमा. . . . . की रचना है।
(हरिशंकर परसाई/ शरद जोशी / रवीन्द्रनाथ त्यागी)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

(क) 'उधार का अनंत आकाश' पाठ किन लोगों को लक्ष्य करके लिखा गया है?

(ख) लेखक के अनुसार मनुष्य और पशु में क्या अन्तर है?

(ग) लेखक ने इस पाठ में 'अन्वेषी' किसे कहा है?

(घ) मानव जाति किन दो भागों में बँटी हुई है?

(ङ) अमेरिका की खोज किसने की थी?

(च) कर्ज में दबा हुआ आदमी क्या खोजता है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न चार अंक)**

(क) लेखक ने उधार लेने को आशावादिता का प्रमाण क्यों कहा है?

(ख) व्यक्ति 'लाइट वेट' चैम्पियन से कब हैवीवेट चैम्पियन बनता है?

(ग) किसी भारतीय को चाँद पर भेजने के पीछे लेखक का क्या आशय है?

(घ) लेखक के अनुसार उधार लौटाने वाले परिहास के पात्र क्यों होते हैं?

(ङ) हमें कर्ज के पानी से निकालो तो हम तड़पने लगेंगे का अर्थ बताइए?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)**

(क) उधार की सीमा को किस प्रकार बताया गया है और क्यों?

(ख) कर्ज को भार मानने वालों पर लेखक ने क्या व्यंग्य किये हैं?

(ग) मनुष्य की जाति को दो भागों में क्यों बाँटा गया है?

(घ) शरद जोशी का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए?

(अ) **चार रचनाएँ** (ब) **साहित्यिक विशेषताएँ**

(ङ) क्रेडिट फेसिलिटी से लेखक का क्या आशय है?

(च) ओह, यह सृष्टि कितनी सुखमय है, पर आकाश कितना असीम है, फैला है और फैला है। हमें थोड़ा–सा कर्ज चाहिए। इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(छ) **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–**

''हम सिर से पैर तक कर्ज में डूबे रहते हैं, पर क्या मछली को आप पानी में डुबो सकते हैं, वही तो उसका जीवन है। हमें कर्ज के इस पानी से निकालो तो हम तड़पने लगेंगे, हम फिर पानी में कूदेंगे यानी कर्ज ले लेंगे।''

(ज) **उधार का अनन्त आकाश में निहित इस व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए–**

''उधार की सीमा आकाश है, चाँद है, तारे हैं। हमें मिलेगा, मिलता रहेगा देखों वह चाँद की ओर एक रॉकेट चला। कोई इसमें किसी भारतीय को बिठा दे।''

(झ) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

1. उधार लेना एक कला है और उसे नहीं लौटाना उससे बड़ी कला है। इसमें परस्पर बी.ए., एम.ए. का सम्बन्ध है यानी जो बी.ए. करता है फिर एम.ए. कर ही लेता है। जो उधार लेता है, वह धीरे–धीरे उसे नहीं लौटाना भी सीख जाता है। एक साधना है, जो सिद्ध हुआ उसका जीवन सफल है। सतत् प्रयास, सूझबूझ, धैर्य, मधुरभाषण और अध्यवसाय से आदमी उधार लेने और न लौटाने में कुशल हो जाता है। सभ्यता का विकास परस्पर उधार की कहानी है। पशु एक–दूसरे से उधार नहीं लेते।

2. मानव जाति दो भागों में बँटी है, वे जो उधार देते हैं और वे जो उधार लेते हैं। मनुष्य और मनुष्य के बीच सारी बड़ी–छोटी खाईयाँ उधार के छोटे–मोटे पुलों से बँधी हैं। जब ये पुल टूट जायेंगे, आदमी अकेला हो जाएगा। उधार लेने की शक्ति ही मूल–जीवन शक्ति है, जो उधार लेने में थक चुके हैं, मैदान छोड़ गये हैं, वे जीवन की व्यर्थता भी समझ गये हैं। कुछ सिर्फ इस भ्रम में जी रहे हैं कि वे उधार वसूल कर लेंगे और कुछ तय किये हुए हैं कि वे मरते दम तक नहीं देंगे। उनका जीवन सफल है।

3. हर पुरानी पीढ़ी नयी पीढ़ी के नाम कुछ क़र्ज छोड़ गयी है और हर नयी पीढ़ी ने पुरानी पीढ़ी का क़र्ज़ चुकाने से साफ इन्कार कर दिया है। मूल्य बदल गये हैं, अतः भाड़ में जाओ। कौन देता है? बिल्कुल नहीं। उधार नहीं लौटाना परम्परा से विद्रोह है। परम्परा है, उधार देना। विद्रोह की भी चूँकि एक परम्परा चली आयी है, अतः हाथ फैलाने, मुट्ठी बाँधने और अंगूठी दिखाने का यह क्रम निरन्तर चलता रहता है। हम सिर से पैर तक कर्ज में डूबे रहते हैं, पर क्या मछली को आप पानी में डूबी कह सकते हैं? वही तो उसका जीवन है। हमें कर्ज के इस पानी से निकालो तो हम तड़पने लगेंगे। हम फिर पानी में कूदेंगे यानी कर्ज़ ले लेंगे।

4. उधार लेने वाला अन्वेषी होता है और अन्वेषी ही उधार ले सकता है। हमारे देश के कोलम्बस की प्रतिमा लगानी चाहिए। वह अमरीका नहीं खोजता तो हम कहाँ से कर्ज लेते। यों भी कर्ज में दबा आदमी नयी गलियाँ, नयी सड़कें खोजता है। उन नये मार्गों से वह नये उधार प्राप्त करता है। यही विकास है। हम भी नयी राह खोजेंगे, क्योंकि पुरानी राहों से गुजर मुश्किल है। इसे नीति का परिवर्तन कहिए या समय की माँग। विस्फारित दृष्टि से हम संसार की ओर देख रहे हैं और हमें सम्भावनाओं से परिपूर्ण देश और द्वीप नजर आता है। उधार की सीमा आकाश है, चाँद है, तारे हैं। हमें मिलेगा, मिलता रहेगा। देखो वह चाँद की ओर एक राकेट चला। कोई इसमें किसी भारतीय को बिठा दे। वे कुछ लेकर आयेंगे, ओह, यह सृष्टि कितनी सुखमय है, यह आकाश कितना असीम फैला है और फिलहाल हमें थोड़ा–सा कर्ज चाहिए।

एक कुत्ता और एक मैना : हजारी प्रसाद द्विवेदी

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) एक कुत्ता और मैना पाठ किस विधा में लिखा गया है–

(अ) निबन्ध (ब) जीवनी

(स) आत्मकथा (द) संस्मरण

(ख) रवीन्द्रनाथ टैगोर रहते थे–

(अ) विश्व निकेतन (ब) शान्ति सदन

(स) शान्ति निकेतन (द) विश्व सदन

(ग) दर्शनार्थियों से कुछ भीत–भीत से रहते थे।

(अ) हजारी प्रसाद (ब) कुत्ता–मैना

(स) गुरुदेव (द) क्षितिमोहन सेन

(घ) मैंने तब तक कौओं को पक्षी ही समझ रखा था।

(अ) एकान्तप्रिय (ब) सर्वव्यापक

(स) भटकने वाला (द) शान्त

(ङ) द्विवेदी जी ने शान्तिनिकेतन के हिन्दी भवन में किस पद पर कार्य किया?

(अ) अध्यक्ष (ब) विभागाध्यक्ष

(स) प्राध्यापक (द) निदेशक

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
	लेखक	**जन्म स्थान**
(क)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. सन् 1905
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. सन् 1922
	स. विनोद रस्तोगी	स. सन् 1880
	द. प्रेमचन्द	द. सन् 1960
	लेखक	**जन्म स्थान**
(ख)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. सागर (म.प्र.)
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. फरुखावाद (उ.प्र.)
	स. विनोद रस्तोगी	स. लमही, वाराणसी (उ.प्र.)
	द. प्रेमचन्द	द. बलिया (उ.प्र.)
	लेखक	**रचनाएँ**
(ग)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. वीर हम वीर
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. आज़ादी के बाद
	स. विनोद रस्तोगी	स. पूस की रात
	द. प्रेमचन्द	द. अशोक के फूल

	लेखक	रचनाएँ
(घ)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. पृथ्वीराज की आँखें
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. बर्फ की मीनार
	स. विनोद रस्तोगी	स. कफ़न
	द. प्रेमचन्द	द. वाणभट्ट की आत्मकथा

	लेखक	रचनाएँ
(ङ)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. चित्तौड़ की चिता
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. फिसला और पाँव
	स. विनोद रस्तोगी	स. गोदान
	द. प्रेमचन्द	द. पुनर्नवा

	लेखक	रचनाएँ
(च)	अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	अ. दीपदान
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. भगीरथ के बेटे
	स. विनोद रस्तोगी	स. गबन
	द. प्रेमचन्द	द. कल्पलता

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) द्विवेदी जी ने अपनी रचनाओं के अनुरूप ही भाषा का प्रयोग किया है।

(ख) लखनऊ विश्वविद्यालय ने आपको डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया।

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी को साहित्य अकादमी पुरस्कार एवं पद्मभूषण अलंकरण से सम्मानित नहीं किया गया।

(घ) द्विवेदी जी की भाषा सुव्यवस्थित, प्रांजल, सुबोध एवं प्रवाहमय नहीं है।

(ङ) द्विवेदी जी ने भाषा को गतिशील एवं प्रवाहपूर्ण बनाने के लिए अपने लोकोक्तियों और मुहावरों का आवश्यकतानुसार प्रयोग किया है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) गुरुदेव जी ने . . . . . की पीठ पर हाथ फेरा?
(बिल्ली/ कुत्ता/ गाय)

(ख) गुरुदेव जी ने. . . . . .को लक्ष्य करके एक कविता लिखी थी?
(कौओं/ तोता/ मैना)

(ग) द्विवेदी जी . . . . . की प्रेरणा से संस्कृत और ज्योतिष के अध्ययन की ओर प्रेरित हुए।
(माता/ पिता / भाई)

(घ) . . . . . .विश्वविद्यालय में आपको डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया?
(दिल्ली/ जबलपुर / लखनऊ)

(ङ) शान्तिनिकेतन के हिन्दी भवन में निदेशक के पद पर कार्य किया सन्. . . . . .तक।
(1960 से 1970 / 1940 से 1950 / 1945 से 1955)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) सर्वव्यापक पक्षी किसे कहा गया है?

(ख) दूसरी बार सबेरे गुरुदेव के पास कौन उपस्थित था?

(ग) लेखक के अनुसार मैना कैसा पक्षी है?

(ग) लेखक के अनुसार मैना कैसा पक्षी है?

(घ) गुरुदेव कहाँ रहते थे?

(ङ) गुरुदेव ने शान्तिनिकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया?

6. लघु उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) एक कुत्ता और एक मैना में कवि का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) गुरुदेव जी का चिताभस्म कहाँ से कहाँ लाया गया।

(ग) **निम्नलिखित वाक्यों का आशय स्पष्ट कीजिए–**

(अ) भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।

(ब) ''सवेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई, झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है सारा दिन''

(घ) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते क्यों?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) द्विवेदी जी का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए?

(अ) **जीवन परिचय** (ब) **दो रचनाएँ।**

(ख) ''मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन'' को स्पष्ट कीजिए।

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी के लेखन कला की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) निबन्ध गद्य साहित्य की उत्कृष्ट विधा है, जिसमें लेखक अपने भावों और विचारों को कलात्मक और लालित्यपूर्ण शैली में अभिव्यक्त करता है। इस निबन्ध में उपर्युक्त विशेषताएँ कहाँ झलकती हैं? किन्हीं चार विशेषताओं को लिखिए।

(ङ) करुण मैना को देखकर गुरुदेव ने कविता लिखी, उसका सार अपने शब्दों में लिखिए।

(च) **निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ व प्रसंग सहित व्याख्याए कीजिए–**

1. गुरुदेव वहाँ बड़े आनन्द में थे। भीड़–भाड़ उतनी नहीं होती थी, जितनी शान्तिनिकेतन में। जब हम लोग ऊपर गए तो गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठे अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान स्तिमित नयनों से देख रहे थे। हम लोगों को देखकर मुस्कराए, बच्चों से ज़रा छेड़–छाड़ की, कुशल प्रश्न पूछे और फिर चुप हो रहे। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे–धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँदकर अपने रोम–रोम से उस स्नेह रस का अनुभव करने लगा। गुरुदेव ने हम लोगों की ओर देखकर कहा, ''देखा तुमने यह आ गए। कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ आश्चर्य है और देखो, कितनी परितृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है।''

2. जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता है, तब मैं यह सोच ही नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन–सा मूल आविष्कार किया है। इसकी भावहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय देती है। इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव–सत्य को देखा है, जो मनुष्य, मनुष्य के अन्दर नहीं देख पाता।

3. ''उस मैना को क्या हो गया है, यही सोचता हूँ। क्यों वह दल से अलग होकर अकेली रहती है? पहले दिन देखा था संसार के पेड़ के नीचे मेरे बगीचे में। जान पड़ा जैसे एक पैर से लंगड़ा रही हो। इसके बाद उसे रोज सबेरे देखता हूँ–संगीहीन होकर कीड़ों का शिकार करती फिरती है। चढ़ जाती है बरामदे में। नाच–नाचकर चहलकदमी किया करती है, मुझसे ज़रा भी नहीं डरती। क्यों है ऐसी दशा इसकी? समाज के किस दण्ड पर उसे निर्वासन मिला है, दल के किस अविचार पर उसने मान किया।

4. कुछ ही दूरी पर और मैनाएँ बक–झक कर रही हैं, घास पर उछल–कूछ रही है। उड़ती फिरती है शिरीषवृक्ष की शाखाओं पर। इस बेचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है। इसके जीवन में कहाँ गाँठ पड़ी है, यही सोच रहा हूँ। ''सबेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है सारा दिन।'' किसी के ऊपर इसका कुछ अभियोग है, यह बात बिलकुल नहीं जान पड़ती। इसकी चाल में वैराग्य का गर्व भी तो नहीं है, दो आग सी जलती आँखे भी तो नहीं दिखती।''

एकांकी

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) डॉ. रामकुमार वर्मा ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

(अ) लखनऊ विश्वविद्यालय (ब) नागपुर विश्वविद्यालय

(स) सागर विश्वविद्यालय (द) जीवाजी विश्वविद्यालय

(ख) डॉ. रामकुमार वर्मा का जन्म हुआ था।

(अ) 15 फरवरी (ब) 15 मार्च

(स) 15 नवम्बर (द) 15 दिसम्बर

(ग) डॉ. रामकुमार वर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा हुई।

(अ) सागर (ब) इन्दौर

(स) भोपाल (द) जबलपुर

(घ) दीपदान एकांकी की पात्र है।

(अ) पन्ना (ब) मीना

(स) रीना (द) रेवती

(ङ) डॉ. रामकुमार वर्मा को पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

(अ) सन् 1960 (ब) सन् 1963

(स) सन् 1953 (द) सन् 1973

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
लेखक	**जन्म स्थान**
अ. रामकुमार वर्मा	अ. फरुखावाद (उ.प्र.)
ब. विनोद रस्तोगी	ब. लमही, वाराणसी (उ.प्र.)
स. प्रेमचन्द	स. बलिया (उ.प्र.)
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. सागर (म.प्र.)

(ख)

लेखक	**जन्म सन्**
अ. रामकुमार वर्मा	अ. सन् 1922
ब. विनोद रस्तोगी	ब. सन् 1880
स. प्रेमचन्द	स. सन् 1960
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. सन् 1905

(ग) **लेखक** **रचनाएँ**

अ. रामकुमार वर्मा — अ. आज़ादी के बाद

ब. विनोद रस्तोगी — ब. अशोक के फूल

स. प्रेमचन्द — स. बूढ़ी काकी

द. हजारी प्रसाद द्विवेदी — द. वीर हम वीर

(घ) **लेखक** **रचनाएँ**

अ. रामकुमार वर्मा — अ. बाणभट्ट की आत्मकथा

ब. विनोद रस्तोगी — ब. कफ़न

स. प्रेमचन्द — स. वर्फ की मीनार

द. हजारी प्रसाद द्विवेदी — द. पृथ्वीराज की आँखें

(ङ) **लेखक** **रचनाएँ**

अ. रामकुमार वर्मा — अ. गोदान

ब. विनोद रस्तोगी — ब. भगीरथ के बेटे

स. प्रेमचन्द — स. कल्पलता

द. हजारी प्रसाद द्विवेदी — द. दीपदान

3. निम्नलिखित स्थान में से सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) वह अपने पुत्र का बलिदान करके चित्तौड़ के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा कर लेती है।

(ख) पन्ना धाय कुँवर उदय सिंह की रक्षा में सदैव सम्बद्ध नहीं रहती थी।

(ग) पन्ना धाय का चरित्र अपने त्याग और बलिदान के कारण चिरस्मरणीय बन गया है।

(घ) चित्तौड़ की रक्षा में तुम्हें तलवार के साथ नहीं सोना पड़ेगा।

(ङ) राजपूतानी व्यापार नहीं करती महाराज या तो रणभूमि पर चढ़ती है या चिता पर।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) चित्तौड़ के स्वर्गीय महाराज साँगा का सबसे छोटा पुत्र. . . . . |
(कुँवर उदय सिंहं / कुँवर अर्जुन सिंह / कुँवर वीरभद्र सिंह)

(ख) डॉ. रामकुमार वर्मा की. . . . . .रचना है।
(अशोक के फूल/ दीपदान / गोदान)

(ग) पन्ना धाय का पुत्र . . . . था।
(उदय / चन्दन / वन्दन)

(घ) बनवीर तलवार से . . . . .की हत्या करता है ।
(कुँवर उदय सिंह / पन्ना धाय के पुत्र / रूप सिंह)

(ङ) चित्तौड़ का कुल दीपक. . . . . था।
(चन्दन / बनवीर / कुँवर उदय सिंह)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) पन्ना कौन थी?

(ख) चित्तौड़ में दीपदान का उत्सव क्यों मनाया जा रहा है?

(ग) इस एकांकी में पन्ना किसका बलिदान करती है?

(घ) चित्तौड़ का कुलदीपक कौन था?

(ङ) बनवीर कौन था और कुँवर उदय सिंह को क्यों मारना चाहता था?

6. लघु उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक के लिए चार अंक)

(क) कीरत ने उदय सिंह की सहायता किस प्रकार की?

(ख) पन्ना धाय कुँवर उदय सिंह की रक्षा क्यों करना चाहती थी?

(ग) उदय सिंह पन्ना धाय से रूठकर क्यों सो गया था?

(घ) धाय माँ का उदयसिंह के प्रति वात्सल्य स्पष्ट कीजिए?

(ङ) उदयसिंह के विरुद्ध रचे जाने वाले षड्यन्त्र का आभास पन्ना को कैसे होता है?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक के लिए पाँच अंक)

(क) निम्नलिखित पँक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए?

अ. ''चारो तरफ़ ज़हरीले सर्प घूम रहे हैं।''

ब. दिन में तुम चित्तौड़ के सूरज हो कुँवर और
रात में तुम राजवंश के दीपक हो।

(ख) 'लाल तुम्हारी माला मैं नहीं गूँथ सकी। तुम्हारा जीवन अधूरा होने जा रहा है तो माला कैसे पूरी होगी' इस वाक्य में छुपी करुणा को स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस एकांकी में निहित पन्नाधाय के त्याग व एकनिष्ठा के भाव का वर्णन कीजिए।

(घ) इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–

(ङ) **निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

1. बहुत अच्छे हो। तुम तो चित्तौड़ के सूरज हो। महाराज साँगा के छोटे कुँवर। सूरज की तरह तुम्हारा उदय हुआ है। तभी तो तुम्हारा नाम कुँवर उदय सिंह रखा गया।

अच्छा यह बात है, पर क्या रात में भी सूरज उदय होता है? मैं तो रात में भी हँसता–खेलता रहता हूँ।

दिन में तो तुम चित्तौड़ के सूरज हो कुँवर और रात में तुम राजवंश के दीपक हो। महाराणा साँगा के कुल दीपक।

2. उन्होंने कहा महल में धाय माँ अरावली पहाड़ बनकर बैठ गई। अमरावली पहाड़ (हँसती हैं) तो तुम लोग बनास नदी बनका बहो, व खूब नाचो, गाओ। यों आज कोई उत्सव का दिन नहीं था, फिर भी उन्होंने कहा मेरे बनाए हुए मयूर पंख कुण्ड में दीपदान करो। मालूम हुआ, जैसे मेघ पानी–पानी हो गए हो और बिजलियाँ टुकड़े–टुकड़े हो गयी हो।

3. भाग्य। भाग्य तो सबका होता है धाय माँ। ये नूपुर मेरे पैरों में पड़े हैं तो इनका भाग्य है। मेरे पैरों में गीत गाते हैं, तो इनका भाग्य और जब मेरे पैर रुक जाते हैं तो मौन हो जाते हैं, वह भी इनका भाग्य है। भाग्य तो सबके साथ होता है, धाय माँ तुम नगर के उत्सव में भाग नहीं ले रही हो, न लो महाराज बनवीर का साथ नहीं दे रही हो, न दो। मैं कौन होती हूँ बीच में बोलने वाली।

4. जहाँ भगवती तुलजा उसे रखेगी। मेरे महाराणा का नमक मेरे रक्त से भी महान है। नमक से रक्त बनता है, रक्त से नमक नहीं।

5. तुमने मेरे हृदय को कैसा कर दिया, मुझे बल दो कि मैं राजवंश की रक्षा में अपना रक्त दे सकूँ। अपने लाल को दे सकूँ। यह राजपूतनी का व्रत है। यह राजपूतनी की मर्यादा है। यही राजपूती का धर्म है। मेरा हृदय वज्र का बना दो। माता के हृदय के स्थान पर पत्थर बना दो, जिससे ममता का स्रोत बन्द हो जाए। भवानी। मैं चित्तौड़ की सच्ची नारी बनूँ।

6. मेरा लाल सो गया। मैंने अपने लाल को ऐसी निद्रा में सुला दिया है कि अब, नहीं उठेगा। ओह पन्ना! तूने अपने भोले बच्चे के साथ कपट किया है। तूने अंगारों की सेज पर अपने फूल से लाल को सुला दिया है। तू सर्पिणी है, सर्पिणी जो अपनी ही बच्चे को खा डालती है। जान–बूझकर अपने पुत्र की हत्या करने जा रही है। हाय। अभागिन माँ। संसार में तेरा ही जन्म होने को था। लाल। तुम्हारी माला में नहीं गूँथ सकी। तुम्हारा जीवन अधूरा होने जा रहा है और माला कैसे पूरी होगी।

बहू की विदा : विनोद रस्तोगी

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) बहू की विदा एकांकी में जीवनलाल की पत्नी है।

(अ) माहेश्वरी (ब) राजेश्वरी

(स) कमला (द) विमला

(ख) बहू की विदा एकांकी में जीवनलाल को प्रस्तुत किया गया है।

(अ) समाज सुधारक (ब) दहेज विरोधी

(स) दहेज लोभी (द) रूढ़िवादी

(ग) जीवनलाल की बहू का भाई है।

(अ) रमेश (ब) प्रमोद

(स) दिनेश (द) महेश

(घ) बहू की विदा नामक एकांकी में उल्लेख किया गया है।

(अ) दहेज विषयक (ब) व्यापार विषयक

(स) ज्ञान विषयक (द) अज्ञान विषयक

(ङ) बहू की विदा नामक एकांकी के लेखक हैं।

(अ) डॉ. रामकुमार वर्मा (ब) विनोद रस्तोगी

(स) प्रेमचन्द (द) रमेशचन्द शाह

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान सही जोड़िए–

	'अ'	**'ब'**
	<u>लेखक</u>	**<u>जन्म स्थान</u>**
(क)	अ. विनोद रस्तोगी	अ. सागर (म.प्र.)
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. लमही वाराणसी (उ.प्र.)
	स. प्रेमचन्द	स. बलिया (उ.प्र.)
	द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. फरुखावाद (उ.प्र.)
	<u>लेखक</u>	**<u>जन्म सन्</u>**
(ख)	अ. विनोद रस्तोगी	अ. सन् 1905
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. सन् 1880
	स. प्रेमचन्द	स. सन् 1960
	द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. सन् 1922
	<u>लेखक</u>	**<u>रचनाएँ</u>**
(ग)	अ. विनोद रस्तोगी	अ. वीर हम वीर
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. पूस की रात
	स. प्रेमचन्द	स. अशोक के फूल
	द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. आजादी के बाद

	लेखक	रचनाएँ
(घ)	अ. विनोद रस्तोगी	अ. दीपदान
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. कर्मभूमि
	स. प्रेमचन्द	स. कल्पलता
	द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. वर्फ की मीनार

	लेखक	रचनाएँ
(ङ)	अ. विनोद रस्तोगी	अ. दीपदान
	ब. रामकुमार वर्मा	ब. गोदान
	स. प्रेमचन्द	स. कल्पलता
	द. हजारी प्रसाद द्विवेदी	द. भागीरथ के बेटे

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) हमारे समाज में व्याप्त दहेज–प्रथा एक अभिशाप है।
(ख) आधुनिक हिन्दी एकांकीकारों में रस्तोगी जी का विशिष्ट स्थान नहीं है।
(ग) विनोद रस्तोगी जी ने नाट्य निर्देशक के पद पर कार्य नहीं किया।
(घ) बेटी और बहू को एक तराजू पर तौलना चाहिए।
(ङ) मैंने दुनिया देखी है, ये बाल धूप में सफेद नहीं हुए हैं।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) बहू की विदा नामक एकांकी के. . . . . .लेखक हैं।
(रामकुमार वर्मा/ प्रेमचन्द/ विनोद रस्तोगी)
(ख) मायके से आए हुए बहू के भाई को खरी–खोटी . . . . . .सुनाते हैं।
(राजेश्वरी/ रमेश / जीवनलाल)
(ग) . . . . . .जीवनलाल का ह्रदय परिवर्तन होता है।
(बेटी की विदा न होने पर/ दहेज की राशि मिलने पर/ गुस्सा शान्त होने पर)
(घ) प्रस्तुत एकांकी में एकांकीकार ने अपने समाज में व्याप्त. . . . . .की ओर संकेत किया है।
(पानी की समस्या/ दहेज की समस्या / प्रदूषण समस्या)
(ङ) बहू के रूप में. . . . . .सुशील और शान्त महिला हैं)
(रेखा/ कमला / राखी)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न :–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) राजेश्वरी का व्यवहार कमला के प्रति कैसा है? उल्लेख करो।
(ख) राजेश्वरी विदा के बारे में क्या कहती है?
(ग) 'बहू की विदा' एकांकी किस समस्या पर आधारित है?
(घ) प्रमोद अपनी बहन की विदा क्यों कराना चाहता था?
(ङ) जीवनलाल ने कमला की विदा करने से क्यों मना कर दिया?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)**

(क) जीवनलाल बहू की विदा करने की हाँ कब कहता है, स्पष्ट करो?

(ख) प्रमोद कौन है तथा जीवनलाल से क्या कहता है? स्पष्ट करो।

(ग) 'बेटी होकर हमारी मूँछें ऊँची हैं' इस कथन का क्या अभिप्राय है?

(घ) प्रमोद अपना घर क्यों बेचना चाहता था?

(ङ) राजेश्वरी ने बहू की विदा करवाने के लिए क्या उपाय किया?

(7). दीर्घउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)**

(क) हर बेटे वाला यह याद रखे कि वह बेटी वाला भी है, को स्पष्ट कीजिए?

(ख) 'बहू की विदा' एकांकी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए?

(ग) जीवनलाल का चरित्र–चित्रण कीजिए?

(घ) किस घटना ने जीवनलाल का हृदय परिवर्तित कर दिया, स्पष्ट कीजिए?

(ङ) राजेश्वरी के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

(च) **निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए–**

1. हाँ, हम भी बेटी वाले हैं! लेकिन तुम्हारी तरह नहीं। पिछले महीने हमने अपनी गौरी की शादी की है। वह खातिरदारी की कि बारात वाले दंग रह गये। इतना दहेज दिया कि देखने वालों ने दाँतों तले उँगली दवा ली। तुम मेरी बराबरी करोगे? हाँ . . . बेटी वाले . . . ! बेटी वाले होकर हमारी मूँछ ऊँची है। समझे!

2. मेरे रहते विदा न हो यह कभी नहीं हो सकता। मैं माँ हूँ, माँ के दिल को समझती हूँ। जिस तरह उतावली होकर मैं गोरी की राह देख रही हूँ, उसी तरह तुम्हारी माँ कमला की राह देख रही होगी। नहीं विदा ज़रूर होगी। तुम अकेले नहीं जाओगे। जा बेटी तिजोरी से रुपये निकाल ला।

3. अब भी आँखें नहीं खुलीं? जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए तुम दूसरों से चाहते हो वही दूसरों की बेटी को जब तक बहू और बेटी को एक–सा नहीं समझोंगे तो न तुम्हें सुख मिलेगा और न ही शान्ति।

कहानी

बड़े घर की बेटी : प्रेमचन्द

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) कथा सम्राट कहा जाता है।

(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) फणीश्वरनाथ रेणु

(स) प्रेमचन्द (द) अमरकान्त

(ख) प्रेमचन्द किस युग के रचनाकार हैं।

(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल

(स) रीतिकाल (द) आधुनिककाल

(ग) बड़े घर की बेटी कहानी है।

(अ) मनोवैज्ञानिक (ब) ऐतिहासिक

(स) सामाजिक (द) पौराणिक

(घ) बेनीमाधव सिंह के पुत्रों की संख्या है।

(अ) 2 (ब) 4

(स) 5 (द) 6

(ङ) बड़े घर की बेटी की नायिका है।

(अ) आनन्दी (ब) सुखिया

(स) धनिया (द) रश्मि

2– स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान सही जोड़िए–

(क)

'अ'	**'ब'**
लेखक	**जन्म स्थान**
(अ) प्रेमचन्द	(अ) सागर (म.प्र.)
(ब) रामकुमार वर्मा	(ब) फरुखवाद (उ.प्र.)
(स) विनोद रस्तोगी	(स) बलिया (उ.प्र.)
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(द) लमही, वाराणसी (उ.प्र.)

(ख)

लेखक	**जन्म सन्**
(अ) प्रेमचन्द	(अ) सन् 105
(ब) रामकुमार वर्मा	(ब) सन् 1922
(स) विनोद रस्तोगी	(स) सन् 1960
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(द) सन् 1880

(ग)

लेखक	रचनाएँ
(अ) प्रेमचन्द	(अ) वीर हम वीर
(ब) रामकुमार वर्मा	(ब) आज़ादी के बाद
(स) विनोद रस्तोगी	(स) अशोक के फूल
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(द) पूस की रात

(घ)

लेखक	रचनाएँ
(अ) प्रेमचन्द	(अ) दीपदान
(ब) रामकुमार वर्मा	(ब) वर्फ की मीनार
(स) विनोद रस्तोगी	(स) कल्पलता
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(द) कर्मभूमि

(ङ)

लेखक	रचनाएँ
(अ) प्रेमचन्द	(अ) दीपदान
(ब) रामकुमार वर्मा	(ब) भागीरथ के बेटे
(स) विनोद रस्तोगी	(स) कल्पलता
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(द) गोदान

(3). **निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–**

(क) हिन्दी साहित्य मतें प्रेमचन्द उपन्यास सम्राट के नाम से नहीं जाने जाते हैं।

(ख) जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी से जल उठती है, उसी तरह क्षुधा से बावला मनुष्य ज़रा–ज़रा सी बातें पर तिनक जाता है।

(ग) प्रेमचन्द सिद्धहस्त कथाकार हैं,उन्हें युग प्रवर्तक कथाकार के रूप में नहीं पहचाना जाता है।

(घ) प्रेमचन्द साहित्यजगत का दैदीप्यमान नक्षत्र हैं।

(ङ) आनन्दी एक बड़े उच्च कुल की लड़की नहीं थी।

(4) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) प्रेमचन्द की कहानियाँ . . . . . .में संकलित है।
(मानसरोवर/ मानस सरोवर/ जल सरोवर)

(ख) रंगभूमि के रचनाकार हैं।
(प्रेमचन्द / हरिश्चन्द्र / लक्ष्मीचन्द्र)

(ग) बड़े घर की बेट कहानी की कथावस्तु. . . . . .पर केन्द्रित है।
(पृथ्वीपुर/ गौरीपुर / रामपुर)

(घ) आनन्दी के पिता का नाम था।
(सूर्य सिंह/ महीप सिंह/ भूप सिंह)

(ङ) बड़े घर क बेटी है।
(लक्ष्मी / समृद्धि / आनन्दी)

(5). अति लघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) लालबिहारी कौन था?

(ख) आनन्दी किस घर की बेटी थी?

(ग) बेनामीमाधव सिंह के पिता ने गाँव में क्या–क्या बनवाया था?

(घ) श्रीकण्ठ का चेहरा कान्तिहीन क्यों था?

(ङ) आनन्दी का विवाह किसके साथ हुआ था?

(6). लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) ठाकुर भूप सिंह के घर का वातावरण कैसा था?

(ख) ''हाथी मरा भी नौ लाख का'' यह बात किसने कही और क्यों कहीं?

(ग) आनन्दी की संयुक्त परिवार के बारे में क्या राय थी?

(घ) श्रीकण्ठ का अपने भाई के साथ कैसा व्यवहार था?

(ङ) अब अन्याय और झूठ का प्रकोप हो रहा है, यह कथन श्रीकण्ठ ने क्यों कहा?

(7). दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) लालबिहारी सिंह के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

(ख) आनन्दी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) आनन्दी के मायके और ससुराल के वातावरण में क्या अन्तर था? स्पष्ट कीजिए।

(घ) इस कहानी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

(ङ) किस घटना में आनन्दी के हृदय को परिवर्तित कर दिया? विवरण सहित लिखिए।

(च) **कथा सम्राट प्रेमचन्द का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए–**

(अ) भाव एवं कला पक्ष (ब) दो रचनाएँ

(छ) **निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

1. प्राचीन हिन्दू सभ्यता का गुणगान उनकी धार्मिकता का प्रधान अंग था। सम्मिलित कुटुम्ब के तो वह एक मात्र उपासक थे। आजकल स्त्रियों को कुटुम्ब में मिल–जुलकर रहने की जो अरुचि होती है, उसे वह जाति और देश, दोनों के लिए हानिकारक समझते थे। यही कारण था कि गाँव की ललनाएँ, उनकी निन्दक थीं। कोई–कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच न करती थीं। स्वयं उनकी पत्नी को ही इस विषय में उनका विरोध था। यह इसलिए नहीं कि उसे अपने सास–ससुर, देवर या जेठ आदि से घृणा थी, बल्कि उसका विचार था कि यदि बहुत कुछ सहने और तरह देने पर भी परिवार के साथ निर्वाह न हो सके, तो आए दिन की कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा यही उत्तम है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाए।

2. जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी से जल उठती है, उसी तरह क्षुधा से बावला मनुष्य जरा–जरा सी बात पर तिनक जाता है। लालबिहारी को भावज की यह ढिठाई बहुत बुरी मालूम हुई, तिनककर बोला–'मैके में तो चाहे घी की नदी बहती हो।'

स्त्री गालियाँ सह लेती हैं, मार भी सह लेती हैं, घर मैके की निन्दा उससे नहीं सही जाती। आनन्दी मुँह फेरकर बोली–'हाथी मरा भी नौ लाख का' वहाँ इतना घी नित्य नौकर–चाकर खा आते हैं।

3. आनन्दी स्त्रियों के स्वभावानुसार रोनी लगी, क्योंकि आँसू उनकी पलकों पर रहते हैं। श्रीकण्ठ बड़े धैर्यवान और शान्त पुरुष थे। उन्हें कदाचित ही कभी क्रोध आता था, पर स्त्रियों के आँसू पुरुष की क्रोधाग्नि भड़काने में तेल का काम देते हैं। रात भर करवट बदलते रहे। उद्विग्नता के कारण पलक तक नहीं झपकी। प्रातःकाल अपने बाप के पास जाकर बोले–'दादा, अब इस घर में मेरा निर्वाह न होगा।'

इस तरह की विद्रोहपूर्ण बात कहने पर श्रीकण्ठ ने कितनी ही बार अपने कई मित्रों को आड़े हाथों लिया था, परन्तु दुर्भाग्य, आज उन्हें स्वयं वे ही बातें अपने मुँह से कहनी पड़ी। दूसरों को उपदेश देना भी कितना सहज है।

4. दोनों पक्षों की मधुर वाणियाँ सुनने के लिए उनकी आत्माएँ तिलमिलाने लगीं। गाँव में कुछ ऐसे कुटिल मनुष्य भी थे, जो इस कुल की नीतिपूर्ण गति पर मन–ही–मन जलते थे। वे कहा करते थे–श्रीकण्ठ अपने बाप से दबता है, इसलिए यह दब्बू है। उसने विद्या पढ़ी है, इसलिए वह किताबों का कीड़ा है। बेनीमाधव सिंह उसकी सलाह के बिना कोई काम नहीं करते, यह उनकी मूर्खता है। इन महानुभावों की शुभकामनाओं आज पूरी होती दिखाई दीं। कोई हुक्का पीने के बहाने और कोई लगान की रसीद दिखाने आकर बैठ गया बेनीमाधव सिंह पुराने आदमी थे। इन भावों को ताड़ गए। उन्होंने निश्चय किया, चाहे कुछ भी क्यों न हो इन द्रोहियों को ताली बजाने का अवसर न दूँगा। तुरन्त कोमल शब्दों में बोले–'बेटा, मैं तुमसे बाहर नहीं हूँ। तुम्हारा जो जी चाहे करो, अब तो लड़के से अपराध हो गया।'

5. उसने उन्हें निर्दयता की मूर्ति बने हुए पाया। वह मूर्ख था, परन्तु उसका मन कहता था कि भैया मेरे साथ अन्याय कर रहे हैं। यदि श्रीकण्ठ उसे अकेले में बुलाकर दो–चार कड़ी बातें कह देते, इतना ही नहीं, दो–चार तमाचे भी लगा देते तो कदाचित् उसे इतना दुःख न होता, पर भाई का यह कहना कि अब मैं इसकी सूरत नहीं देखना चाहता, लालबिहारी से सहा न गया। यह रोता हुआ घर आया। कोठरी में जाकर कपड़े पहने, आँखे पोंछी, जिसमें कोई यह न समझे कि रोता था। आनन्दी के द्वार पर आकर बोला–भाभी, भैया ने निश्चय किया है कि यह मेरे साथ इस घर में न रहेंगे। अब वह मेरा मुँह नहीं देखना चाहते इसलिए अब मैं जाता हूँ। उन्हें फिर मुँह न दिखाऊँगा! मुझसे जो कुछ अपराध हुआ, उसे क्षमा करना!

ताई : विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' की गणना किस युग के कथाकारों में होती है।

(अ) प्राचीन युग (ब) प्रेचमन्द युग

(स) प्रसाद युग (द) प्रसादोत्तर युग

(ख) ताई किस प्रकार की कहानी है।

(अ) समस्या प्रधान (ब) चरित्र प्रधान

(स) वर्ग प्रधान (द) वातावरण प्रधान

(ग) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' का जन्म किस जिले में हुआ था।

(अ) कुरुक्षेत्र (ब) अम्बाला

(स) अमृतसर (द) गुरुदासपुर

(घ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' की मृत्यु हुई थी।

(अ) 50 वर्ष (ब) 52 वर्ष

(स) 54 वर्ष (द) 60 वर्ष

(ङ) ताई कहानी का सुन्दर विश्लेषण हुआ है।

(अ) पुरुष प्रधान (ब) नारी प्रधान

(स) बाल चरित्र (द) बुद्ध चरित्र

(2). स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान सही जोड़िए–

(क).

'अ'	**'ब'**
कवि	**जन्म सन्**
(अ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(अ) सन् 1905
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ब) सन् 1922
(स) रामकुमार वर्मा	(स) सन् 1907
(द) विनोद रस्तोगी	(द) सन् 1890

(ख)

लेखक	**रचनाएँ**
(अ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(अ) हिन्दी साहित्य की भूमिका
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ब) चारु मित्रा
(स) रामकुमार वर्मा	(स) वर्फ की मीनार
(द) विनोद रस्तोगी	(द) चित्रशाला

(ग)

लेखक	**रचनाएँ**
(अ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(अ) कुटज
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ब) रेशमी टाई
(स) रामकुमार वर्मा	(स) भगीरथी के बेटे
(द) विनोद रस्तोगी	(द) मणिभाषा

(घ)

लेखक	रचनाएँ
(अ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(अ) कबीर
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ब) सप्तकिरण
(स) रामकुमार वर्मा	(स) आज़ादी के बाद
(द) विनोद रस्तोगी	(द) इक्केवाला

(ङ)

लेखक	रचनाएँ
(अ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	(अ) साहित्य का इतिहास
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ब) कौमुदी महोत्सव
(स) रामकुमार वर्मा	(स) आज़ादी के बाद
(द) विनोद रस्तोगी	(द) अशिक्षित का ह्रदय

(3). निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) प्रस्तुत कहानी 'ताई' कौशिक जी की एक उल्लेखनीय चरित्र प्रधान, घटना प्रधान कहानी है।

(ख) अपना सगा भतीजा भी पराया धन कहा जा सकता है।

(ग) संवादों से कहानी में पारिवारिक वातावरण का निर्माण नहीं होता है।

(घ) रामजीदास को अपने छोटे भाई और उनकी सन्तान पर बड़ा स्नेह है।

(ङ) बाबू साहब को पत्नी के वाक्य सुनकर बड़ा क्रोध आया।

(4) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) रामेश्वरी के पति का नाम. . . . . .था।
(रामजीदास/ रामसुन्दर दास / श्यामसुन्दर दास)

(ख) रामेश्वरी . . . . . .की ताई थी।
(सुन्दर/ मोहन/ मनोहर)

(ग) मनोहर के पिता जी का नाम. . . . . था।
(कृष्णदास/ रामदास/ लक्ष्मण दास)

(घ) रामजी दास के सन्तानों की संख्या. . . . . .थी।
(दो/ चार/ शून्य)

(ङ) मनोहर की बहन का नाम. . . . . .था।
(बवली/ गुड़िया / मुन्नी)

(5) अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) ''ताऊ जी हमें लेलगाड़ी ला दोगे'' यह वाक्य किसने और किससे कहा है?

(ख) मनोहर और रामेश्वरी का क्या रिश्ता था?

(ग) रामेश्वरी के मन में किस चीज़ की कामना थी?

(घ) ताई कहानी का प्रमुख उद्देश्य एक वाक्य में लिखिए?

(ङ) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' की दो प्रमुख कहानियों के नाम लिखिए।

(6) लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) कहानी से उन प्रमुख दो स्थलों को लिखिए, जिसमें नायिका में मार्मिक भाव जागता है।

(ख) 'रामेश्वरी' ममता और त्याग की प्रतिमूर्ति है, कहानी के आधार पर लिखिए?

(ग) 'अब वे मनोहर की बहन चुन्नी से भी द्वेष और घृणा नहीं करती, और मनोहर तो उनका प्राणाधार है' इस उदाहरण से ताई रामेश्वरी के हृदय परिवर्तन का पता चलता है। उदाहरण देते हुए लिखिए।

(घ) 'ताई हमें प्याल नहीं करती' वाक्य में मनोहर ने किसकी बात की ओर संकेत किया है।

(ङ) मनोहर की बाल सुलभ चेष्टाएँ अपने शब्दों में लिखिए।

(7) दीर्घ उत्तरीयप्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' के जीवन–परिचय देते हुए साहित्य में उनके स्थान का उल्लेख कीजिए?

(ख) ताई कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए?

(ग) मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है, इसका उल्लेख कीजिए?

(घ) रामेश्वरी, मनोहर, रामजीदास के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) ताई के हृदय में उठने वाले द्वन्दों को अपने शब्दों में लिखिए।

(च) **निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ व प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–**

1. मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है। कैसी ही उपयोगी और कितनी ही सुन्दर वस्तु क्यों न हो, जब तक मनुष्य उसको पराई समझता है, तब तक उससे प्रेम नहीं करता। किन्तु भद्दी–भद्दी और काम में न आने वाली वस्तु को भी यदि मनुष्य अपनी समझता है तो उससे प्रेम करता है। पराई वस्तु कितनी ही मूल्यवान क्यों न हो, कितनी ही उपयोगी क्यों न हो, कितनी ही सुन्दर क्यों न हो, उसके नष्ट होने पर मनुष्य कभी–भी दुःख का अनुभव नहीं करता, इसलिए कि वह वस्तु उसकी नहीं, पराई है। अपनी वस्तु कितनी भद्दी हो, काम में न आने वाली हो, उसके नष्ट होने पर मनुष्य को दुःख होता है इसलिए कि वह अपनी चीज़ से प्रेम करने लगते हैं। ऐसी दशा में भी जब तक मनुष्य उस वस्तु को अपनी बनाकर नहीं छोड़ता, अथवा अपने हृदय में यह विचार नहीं दृढ़ कर लेता कि यह वस्तु मेरी है, तब तक उसे सन्तोष नहीं होता है। ममत्व से प्रेम उत्पन्न होता है, प्रेम से ममत्व। इन दोनों का साथ चोली–दामन का–सा है। यह कभी पृथक नहीं किए जा सकते।

2. जब रामेश्वरी ने यह देखा कि बच्चों के कारण वे पति की नज़रों से गिरती चली आ रही हैं, तब उनके हृदय में बड़ा तूफान उठा। उन्होंने सोचा, ''पराए बच्चों के पीछे मुझसे प्रेम कम करते जाते हैं। मुझे हर समय बुरा–भला कहा करते हैं। इनके लिए बच्चे ही सब कुछ हैं। मैं कुछ भी नहीं। दुनिया मरती जाती है, पर इन दोनों को मौत नहीं। ये पैदा होते ही क्यों न मर गये। न होते, न मुझे ये दिन देखने पड़ते। जिस दिन ये मरेंगे, उस दिन घी के चिराग जलाऊँगी। इन्होंने ही मेरा घर सत्यानाश कर रक्खा है।''

3. इस बार उसकी भोली प्रार्थना से रामेश्वरी का कलेजा कुछ पसीज गया। वे कुछ देर तक उसकी ओर स्थिर दृष्टि से देखती रहीं। फिर उन्होंने एक लम्बी साँस लेकर मन ही मन कहा, ''यदि यह मेरा पुत्र होता तो आज मुझ–सी भाग्यवान स्त्री संसार में दूसरी न होती, निगोड़ा मरा कितना सुन्दर है और कैसी प्यारी–प्यारी बातें करता है। यही जी चाहता है कि उठाकर छाती से लगा ले।''

सहायक वाचन

नया वर्ष नया विहान : अमृतलाल बेगड़

प्रश्न–वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क). अमृतलाल बेगड़ मूलतः हैं–

(अ) पत्रकार (ब) नाटककार

(स) चित्रकार (द) संगीतकार

(ख). बेगड़ जी ने नदी के सौन्दर्य का वर्णन किया है–

(अ) गंगा (ब) यमुना

(स) कावेरी (द) नर्मदा

3. नया वर्ष नया विहान निबन्ध का मुख्य उद्देश्य है–

(अ) जीवन के प्रति लापरवाह होना (ब) जीवन के प्रति निराशावादी होना

(स) जीवन के प्रति आस्थावान होना (द) जीवन के प्रति अनास्थावान होना

4. हमारी पृथ्वी भाग है–

(अ) चन्द्रमा का (ब) नक्षत्रों का

(स) सूर्य का (द) इनमें से कोई नहीं

5. पृथ्वी को सूर्य का चक्कर लगाने में समय लगता है–

(अ) 350 दिन (ब) 365 दिन

(स) 366 दिन (द) 395 दिन

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. चन्द्रमा	अ. एकाएक नहीं हुआ
ब. मानव ने समय को	ब. ऋतु परिवर्तन से सीखा
स. लोगों ने वर्षों की गणना	स. वर्ष, महीने, सप्ताह दिन, घंटे में बाँटा है
द. वर्ष का आविष्कार	द. पृथ्वी की 27½ दिन में परिक्रमा पूरी करता है

(ख)

पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. कृषि की आवश्यकताओं ने	अ. जिनमें विक्रम संवत् प्रमुख है
ब. हम बीमार नहीं पड़ेंगे	ब. ईस्वी संवत् प्रचलित हुआ।
स. ईसाम सीह के जन्म से	स. एक तन्दुरुस्ती हजार नियामत
द. हमारे देश में कई संवत् चलते हैं	**द.** पंचांग या कलेण्डर को जन्म दिया है

(ग) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

अ. व्यायाम के सहारे उम्र — अ. बीते यौवन के दस साल वापस लाए जा सकते हैं।

ब. जीवन — ब. चुस्त व दुरुस्त बनाए रखता है

स. व्यायाम शरीर को — स. आत्मा और शरीर के मिलन में है

द. प्रतिदिन आधा घण्टा तेज चलकर — द. 10 से 25 वर्ष पीछे लौटाई जा सकती है

(घ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

अ. दार्शनिकों का विचार है — अ. उन्होंने जीवन को सम्पूर्ण जिया है

ब. मुसीबतों का सामना — ब. जीवन की ऊँचाइयों को छुआ जा सकता है

स. व्यथा को झेलकर ही — स. साहसपूर्वक करें

द. जिन्हें दुःख की अनुभूति हुई है — द. दुःख और पीड़ा जीवन को नया आयाम देते हैं

(ङ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

अ. अतीत क्रंदन — अ. बस उसे भूल जाइए

ब. चिन्ता का मानसिक तनाव — ब. खुशी और आनन्द के मोती संजाए हुए हैं

स. स्मृति के कोष में — स. रोक के कीटाणुओं से खतरनाक हैं

द. बीत गया सो बीत गया — द. व्यर्थ है

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) निराशा हमारी आत्मा के खेत में जंगली घास है।

(ख) चलना और आगे बढ़ना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है।

(ग) हमारी पृथ्वी उपग्रह है।

(घ) ऋतुएँ अनिश्चित क्रम में आती हैं।

(ङ) अधिकांश देशों में सौर पंचांग प्रचलित है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) आज जिस संवत् की सर्वाधिक प्रचलन है, वह . . . . . संवत् है।

(विक्रम/ ईस्वी / शक)

(ख) निराशा कूड़ा है और आशा. . . . . .।

(असुन्दरता / सुन्दरता / असफलता)

(ग) आशा साहस है और निराशा. . . . . .।

(निर्भीकता / बहादुरी / कायरता)

(घ) आशावादी जानता है कि रात के बाद सुबह होगी और जाड़े के बाद. . . . . .आएगा।

(हेमन्त/ शीत / बसन्त)

(ङ) मनुष्य की मंगल यात्रा. . . . . चलती रहेगी।

(निरन्तर / कभी–कभी / बिल्कुल)

5. अतिलघुत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) हमारी पृथ्वी को सूर्य का परिक्रमा करने में कितने दिन लगते हैं?

(ख) सौर पंचांग किसे कहते हैं?

(ग) अधिकांश देशों में कौन–सा संवत् प्रचलित है?

(घ) चन्द्रमा कितने दिनों में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी करता है?

(ङ) हमारे देश में कौन–कौन से संवत् चलते हैं?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) लेखक ने स्वाद के सम्बन्ध में किस प्रकार की जिज्ञासा प्रकट की है?

(ख) हमें निराश क्यों नहीं होना चाहिए।

(ग) संकल्प से होने वाले लाभों के बारे में बताइए?

(घ) लेखक ने व्यायाम के क्या लाभ बताया हैं?

(ङ) मानव ने समय कितने भागों में विभाजित किया है।

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) नया वर्ष नया विहान पाठ का सार 100 शब्दों में लिखिए।

(ख) अतीत को भुला देने के पीछे लेखक ने क्या तर्क दिए हैं? लिखिए।

(ग) स्वाद के विषय में लेखक का तर्क स्पष्ट कीजिए?

(घ) अमृतलाल बेगड़ मूलतः किस विधा के रचनाकार हैं, उस विधा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए–'मनुष्य की मंगल यात्रा निरन्तर चलती रहेगी', 'दुःख और पीड़ा हमारे जीवन को नया आयाम देते हैं' और 'निराशा हमारी आत्मा के खेत में जंगली घास है।'

पुस्तक

—पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय— (प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की गणना होती है—

(अ) कवियों में (ब) गीतकारों में

(स) नाटककारों में (द) निबन्धकारों में

(ख) पुस्तक पाठ विधा में लिखा गया है—

(अ) जीवनी (ब) आत्मकथा

(स) संस्मरण (द) यात्रा वृत्तान्त

(ग) पुस्तक अपने लेखक की होती है।

(अ) आत्मा का प्रकाश (ब) आत्मा का रहस्य

(स) आत्मा का मूल (द) परमात्मा की खोज

(घ) पुस्तक से संसार प्राप्त करता है—

(अ) ज्ञान (ब) विज्ञान

(स) श्रम (द) धर्म

(ङ) मनुष्य और पशु में भेद का कारण है—

(अ) कॉपी (ब) पुस्तक

(स) जीवन (द) भोजन

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान सही जोड़ियाँ बनाइए—

(क)

'अ' पंक्तियाँ	'ब' पंक्तियाँ
अ. पुस्तक के पृष्ठों का मूल्य	अ. प्रत्येक शब्द के लिए 16 रुपये मिलते थे।
ब. कर्त्ताओं के लिए	ब. अर्थ सिद्धि का साधन हूँ
स. आरनाल्ड बेटन को	स. आनन्द का साधन हूँ
द. प्रकाशकों के लिए	द. व्यवसायी के लाभ लोभ का सूचक है

(ख)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. पुस्तक का यथार्थ मूल्य	अ. सत् साहित्य की रचना होती है
ब. बाज़ार में बेचकर उदरपूर्तिकर्त्ता	ब. लाभ—हानि होती है
स. व्यवसायी ज्ञान से	स. मत्स्यजीवी होते हैं
द. आनन्द रूपी ज्ञान से	द. कवि की कीर्ति में है

(ग)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. धनपूर्ति वाले व्यक्ति में	अ. सात सौ मुहरें प्राप्त किए
ब. गोल्डस्मिथ को आजीवन	ब. लाखों की सम्पत्ति प्राप्त किए
स. पद्माकर एक–एक अक्षर	स. दरिद्रता का सामना करना पड़ा के लिए
द. बिहारी सात सौ दोहों के लिए	द. कीर्ति या आनन्द की चाहत नहीं होती

(घ)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. कृतियों से सन्तुष्टि	अ. यथार्थ साहित्य की हत्या है
ब. पुस्तक में	ब. भ्रमक, बक और भैंसे भी है
स. साहित्य के सरोवर में	स. मनुष्य की आत्मा–विद्यमान है
द. साहित्य के उच्च आदर्श का त्याग	द. यथार्थ साहित्य की प्रेरणा है

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कर कीजिए–

(क) पुस्तक का कोई अन्त नहीं है।

(ख) पुस्तकों के कारण ही मनुष्यों की अवनति हुई है।

(ग) पुस्तक मात्र कागजों का बण्डल है।

(घ) पुस्तक किसी तपस्वी का फल है।

(ङ) पुस्तक रामचरित मानस के रूप में है लेकिन तुलसीदास के समय का मुगल वैभव नहीं है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) कुरुक्षेत्र में भगवान. . . . . .ने उपदेश दिया था।
(श्रीराम / श्री कृष्ण / श्री विष्णु)

(ख) तुलसीदास की कृति. . . . . .है।
(रामचन्द्रिका / रामचरित मानस/ बुद्धचरित)

(ग) कालिदास कवि. . . . . .है।
(हिन्दी /संस्कृत/ बंगला)

(घ) कवि बिहारी की रचना है. . . . . .है।
(सतसई/ बीजक / विनय पत्रिका)

(ङ) सात सौ दोहों के लिए सात सौ मुहरें पाने वाली कवि. . . . . .हैं।
(पद्माकर / बिहारी/ भूषण)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न :–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में कीजिए–

(क) मनुष्य पुस्तकों से कौन–कौन से गुण अर्जित करता है?

(ख) सत् साहित्य की रचना कब होती है?

(ग) इस पाठ में वर्णित दो महाकाव्यों के नाम लिखिए?

(घ) चिरन्तन आनन्द और गौरव किसमें निहित है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)**

(क) लेखक के लिए कीर्ति की महत्ता है न पद, न धन ही, स्पष्ट कीजिए?

(ख) कालिदास के आश्रयदाता कौन थे, स्पष्ट कीजिए?

(ग) 'मुझमें किसी दूसरे की आत्मा निवास करती है' से क्या आशय है, समझाइए।

(घ) 'किताब का यथार्थ मूल्य' किसमें निहित है?

(ङ) व्यक्ति द्वारा किस उद्देश्य की पूर्ति के लिए कार्य किए जाते हैं?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न :– **(प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)**

(क) प्रतिष्ठा, कीर्ति, पद के अर्थ को लेखक के अनुसार स्पष्ट कीजिए?

(ख) इस पाठ का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए?

(ग) पुस्तक में कवि/ लेखक का क्या समाया हुआ है?

(घ) संसार में सफलता की कसौटी क्या है?

(ङ) जिन्हें केवल उदरपूर्ति की चिन्ता रहती है, वे किस महत्व को नहीं जानते?

पाठ–हल्दीघाटी

–श्यामनारायण पाण्डेय

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–.

(क) महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम था?

(अ) चेतन (ब) चेतक

(स) चितवन (द) चिरायू

(ख) मानसिंह के हाथी की कमर झक गयी थी?

(अ) भाले के प्रहार से (ब) तलवार के प्रहार से

(स) चाकू के प्रहार से (द) उपरोक्त में कोई नहीं

(ग) महाराणा प्रताप सवारी करते थे–

(अ) हाथी की (ब) घोड़े की

(स) शेर की (द) बैल की

(घ) हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था?

(अ) औरंगजेब से (ब) अकबर से

(स) बाबर से (द) शाहजहाँ से

(ङ) अम्बर कलंक कहा जाता है।

(अ) राणाप्रताप को (ब) मानसिंह

(स) ध्यान सिंह को (द) विजय सिंह को

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए –

(क)

'अ' पंक्तियाँ	'ब' पंक्तियाँ
अ. रण बीच चौकड़ी भर भर कर	अ. पड़ गया हवा का पाला था।
ब. राणा प्रताप के घोड़े से	ब. राजा प्रताप का कोड़ा था।
स. गिरता न कभी चेतक तन पर	स. या आसमान पर घोड़ा था।
द. वह दौड़ रहा अरि–मस्तक पर	द. चेतक वन गया निराला था।

(ख)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
अ. जोतनिक हवा से वाग हिली	अ. तब तक चेतक मुड़ जाता था।
ब. राणा की पुतली फिरी नहीं	ब. उड़ गया भयानक भालों में।
स. कौशल दिखलाा चालों में	स. सरपट दौड़ा करवालों में।
द. निर्भीक गया वह ढालों में	द. लेकर सवार उड़ जाता था।

(ग)	**पंक्तियाँ**	**पंक्तियाँ**
अ.	है यहीं रहा, अब यहाँ नहीं	अ. किस अरि–मस्तक पर कहाँ नहीं।
ब.	थी जगह न कोई जहाँ नही	ब. वह गया गया फिर ठहर गया।
स.	बढ़ते नद सा वह लहर गया	स. अरि की सेना पर घहर गया।
द.	विकराल बज्र मय बादल सा	द. वह वहीं रहा है, वहाँ नहीं।

(घ)	**प्रथम पंक्ति**	**द्वितीय पंक्ति**
अ.	चढ़ चेतक पर तलवार उठा	अ. करता था सफल जवानी को।
ब.	रामप्रताप सिर काट–काट	ब. व नागिन सी फुफकार गिरी
स.	वैरी दल पर ललकार गिरी	स. तलवार गिरी, तलवार गिरी।
द.	था शोर मौत से बचो, बचो	द. रखता था भूतल पानी को।

(ङ)	**प्रथम पंक्ति**	**द्वितीय पंक्ति**
अ.	क्षण भीषण हलचल मचा–मचा	अ. रण चण्डी जीभ पसार बढ़ी।
ब.	था जोर रक्त पीने को यह	ब. जंगी हाथी को हबक उठा।
स.	वह महाप्रतापी घोड़ा उड़	स. हाथी का मस्तक फूट गया।
द.	राणा के भीषण झटके से	द. राणा कर की तलवार बढ़ी।

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) चेतक ने अद्वितीय योद्धा के समान युद्ध में राणा प्रताप का साथ दिया था।

(ख) हल्दी घाटी, राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र में स्थिति नहीं है।

(ग) राणा का घोड़ा चेतक प्रलयंकारी भेष सा विकराल–रूप धारण कर दुश्मन पर टूट पड़ता था।

(घ) राणा प्रताप ने हल्दी घाटी के युद्ध में अद्‌भुत कौशल का परिचय नहीं दिया।

(ङ) महाराणा प्रताप ने यह युद्ध मेवाड़ की स्वतन्त्रता तथा सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ा था।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) राणा प्रताप दुश्मनों के सिर काट–काटकर . . . . . .की तरह फेंक रहे थे।
(मूली–आलू / मूली गाजर / मूली–प्याज)

(ख) राणा प्रताप युद्ध. . . . . .से करते थे?
(तलवार / भाले / तलवार तथ भाले)

(ग) प्रलय मेघ. . . . . .को कहा जाता है।
(चेतक / चेतना / उपरोक्त में से कोई नहीं)

(घ) कायरतापूर्वक मातृभूमि के साथ गद्दारी कर. . . . . .दुश्मन से जा मिला था।
(राणा प्रताप / मानसिंह / रामसिंह)

(ङ) महाराणा प्रताप. . . . . की रक्षा के लिए के लड़ा था–
(मेवाड़ / झाँसी / कानुपर)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न :–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) अद्वितीय योद्धा के समान राणाप्रताप के साथ कौन लड़ा?

(ख) प्रलयकारी मेघ–सा रूप किसने धारण किया था?

(ग) चेतक को प्रलय मेघ–सा क्यों कहा गया है?

(घ) राणा प्रताप की तलवार को किसके समान कहा गया है?

(ङ) अजब विषैली नागिन किसे कहा है?

6. लघुउत्तरी प्रश्न :– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) मातृभूमि के साथ गद्दारी किसने की, स्पष्ट कीजिए।

(ख) मानसिंह के हाथी की कमर क्यों झुक गयी?

(ग) अम्बर कलंक किसे और क्यों कहा गया है?

(घ) तो फिर लड़ ले भाला लेकर–यूँ किसने, किससे कहा?

(ङ) प्रताप के भाले के वार से मानसिंह कैसे बचा? उसके बदले में कौन मारा गया?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न :– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) हल्दीघाटी कहाँ स्थित है और यह क्यों प्रसिद्ध है? वर्णन कीजिए।

(ख) चेतक के शौर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) राणा प्रताप के युद्ध कौशल व वीरोचित व्यवहार का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(घ) महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा हेतु किस प्रकार का शौर्यपूर्ण उदारण प्रस्तुत किया है, अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(ङ) 'घर का भेदी लंका ढाए' की उक्ति इस पाठ में किस चरित्र ने चरितार्थ की है, संक्षेप में उस चरित्र का वर्णन कीजिए।

पाठ– वैद्यराज जीवक

–घनश्याम ओझा

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) वेदों के कितने प्रकार हैं–

(अ) दो (ब) चार

(स) पाँच (द) सात

(ख) जीवक का पूरा नाम था–

(अ) कौमारभृत्य जीवक (स) सुदर्शन जीवक

(ब) रामराज जीवक (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) पुरुषार्थ कितने प्रकार के होते हैं–

(अ) पाँच (ब) दो

(स) चार (द) छः

(घ) अयोध्या नगरी किस नदी के तट पर स्थित है–

(अ) गंगा (ब) सरयू

(स) यमुना (द) ब्रह्मपुत्र

(ङ) तक्षशिला विश्वविद्यालय स्थित है–

(अ) बिहार (ब) दिल्ली

(स) राँची (द) कानपुर

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. जीवक सूर्यास्त होने से पूर्व	अ. तब दीपक जल चुके थे।
ब. जब जीवक आचार्य के कक्ष मे पहुँचे	ब. तुम उत्तीर्ण हो गये।
स. आचार्य ने कहा तुम्हारी अंतिम परीक्षा थी	स. जो औषधीय गुण रहित हो।
द. धरती पर ऐसी कोई वनस्पति नहीं	द. तक्षशिला के सिंह द्वार तक पहुँचा।

(ख)

पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
अ. रोगों और उपचारों के ज्ञान को	अ. वनस्पति को धरोहर माना
ब. सभी ऋषियों में	ब. कल प्रातः अपने राजगृह के लिए प्रस्थान कर सकते हो
स. आचार्य ने स्नेह से कहा	स. आचार्य को मार्ग व्यय और पथेय देकर विदा किया।
द. अगले दिन चलते समय जीव को	द. भारद्वाज और अज्ञेय ने बैठाया।

(ग) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

अ. जीवक की आँखों से आँसू बह रहे थे — अ. चरण छू कर विदा हुए।

ब. जीवक आचार्य के — ब. बहुत कष्ट हुआ था।

स. जीवक को अनाथ बालक होने पर — स. राजकुमार अभय ने मिट्टी के ढेर पर पाया था

द. जीवक को नवजात अवस्था में — द. आचार्य बार–बार अपने आँसू पौंछ रहे थे।

(घ) **प्रथम पंक्तियाँ** **द्वितीय पंक्तियाँ**

अ. प्रतिकूल अवस्था में जीवित रहने पर — अ. पालन–पोषण किया।

ब. राजकुमार ने जीवक का — ब. मैं किसी पर निर्भर नहीं रहूँगा।

स. जीवक ने संकल्प लिया था — स. एक कुशल वैद्य वन चुके थे।

द. जीवक रोज शोक मिटाने वाले — द. उसका नाम जीवक रखा गया।

(ङ) **प्रथम पंक्तियाँ** **द्वितीय पंक्तियाँ**

अ. जीवक तक्षशिला से चलकर — अ. वैद्यराज देवदत्त से मिलने गये।

ब. जीवक अयोध्या नगरी में — ब. देवदत्त बहुत प्रसन्न हुए।

स. जीवक का परिचय पाकर — स. तुम नगर सेठ की पली का उपचार करो?

द. देवदत्त ने कहा — द. अयोध्या नगरी पहुँचे।

3. निम्नलिखत कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) जीवक ने गाय के पुराने घी से औषधि तैयार की।

(ख) सेठानी के मुँह से जैसे–जैसे औषधि बाहर निकलने लगी, उसका सिर दर्द कम होने लगा।

(ग) अयोध्या नगरी के वैद्यों ने जीवक को अपमानित किया।

(घ) नगर सेठ ने कई स्वर्ण मुद्राएँ जीवक को दी।

(ङ) जीवक ने कई स्वर्ण मुद्राएँ राजकुमार अभय को दी।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) आचार्य देवदत्त. . . . . .नगरी के विख्यात वैद्य हैं–
(काशी/ अयोध्या / मथुरा)

(ख) जीवक ने शल्यक्रिया से. . . . . .रोगमुक्त किया–
(दो असाध्य रोगियों को/ तीन असाध्य रोगियों को / पाँच असाध्य रोगियों को)

(ग) आयुर्वेद पढ़ने के लिए जीवक. . . . . .विश्वविद्यालय आये–
(तक्षशिला/ नालन्दा/ बोधगया)

(घ) दूसरी शल्यक्रिया जीवक ने. . . . . .के मस्तिष्क की–
(एक ठाकुर/ एक ब्राह्मण/ एक सेठ)

(ङ) सेठ को. . . . . .माह तक विस्तार में लेटना पड़ेगा।
(21 माह / 5 माह / 7 माह)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) जीवक ने सेठ को कितने माह सीधे लेटने के लिए कहा था?

(ख) जीवक किस शास्त्र के विद्वान थे?

(ग) जीवन के मन में किनके दर्शन की इच्छा थी?

(घ) राजकुमार अभय के प्रति जीवक ने अपनी कृतज्ञता कैसे व्यक्त की?

(ङ) अवन्ती नरेश से तेज चलने वाला हाथी माँगने के पीछे जीवक का क्या उद्देश्य था?

6. लघुउत्तरी प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) जीवक के खाली हाथ लौटने पर भी आचार्य ने उन्हें परीक्षा में उत्तीर्ण क्यों कहा?

(ख) जीवक ने कौन–सा संकल्प लिया था?

(ग) जीवक ने सेठ के सामने शर्त क्यों रखी थी?

(घ) जीवक अयोध्या नगरी क्यों गया?

(ङ) सम्राट बिम्बसार के पुत्र ने 'जीवक' नाम क्यों दिया?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) जीवक को पुरुषार्थों की प्राप्ति कैसे हुई, स्पष्ट कीजिए?

(ख) आचार्य द्वारा जीवक को विदा करते समय कौन–सी सीख दी गयी थी? अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) जीवक द्वारा किन–किन रोगियों की चिकित्सा की गयी, विवरण दीजिए।

(घ) जीवक को ऐसा क्यों लगा कि भगवान बुद्ध के कृपा पात्र बन गए हैं?

(ङ) सेठ के मस्तिष्क की शल्यक्रिया करने के पूर्व जीवक ने क्या शर्त रखी?

पाठ–विश्व मन्दिर

–वियोगी हरि

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) विश्व मन्दिर एक निबन्ध है–

(अ) विचारात्मक (ब) व्याख्यात्मक

(स) वर्णात्मक (द) भावात्मक

(ख) इस विश्व मन्दिर में झगड़ा नहीं है–

(अ) पूर्व–पश्चिम (ब) उत्तर–दक्षिण

(स) पूर्व–उत्तर (द) पूर्व–दक्षिण

(ग) लेखक ने विश्व मन्दिर में कल्पना की है–

(अ) विश्वज्ञान (ब) विश्वशान्ति

(स) विश्व उपद्रव (द) विश्व कुटुम्ब

(घ) इस विश्व मन्दिर में भावना साकार हो सकेगी–

(अ) अभिन्नता की भिन्नता (ब) भिन्नता में अभिन्न्ता की

(स) सुन्दर से असुन्दर की (द) अच्छाई में बुराई की

(ङ) विश्व मन्दिर में कोई बात न होगी–

(अ) प्रवेश मार्ग (ब) प्रवेश निषेध

(स) आगमन (द) आवा–गमन

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
<u>प्रथम पंक्तियाँ</u>	**<u>द्वितीय पंक्तियाँ</u>**
(अ) परमेश्वर का यह समस्त	(अ) भगवान के मन्दिर ही मन्दिर दिखाई देंगे।
(ब) प्रेम के आलोक में तब	(ब) लगन की सच्ची पीर होगी।
(स) हमारी आँखों में	(स) प्रेम रस का स्रोत फूट पड़ेगा।
(द) सूखे दिल से भी एक बार	(द) विश्व ही महामन्दिर है।

(ख)

<u>प्रथम पंक्तियाँ</u>	**<u>द्वितीय पंक्तियाँ</u>**
(अ) यह मन्दिर एक धर्म सम्प्रदाय का न होकर	(अ) गरीब बुद्ध को ताले लगाते हुए दिखाई देंगे।
(ब) किसी चित्र में राजा राजेश्वर राम	(ब) रोहितश्व का आधा कफन माँगते दिखाई देंगे
(स) सत्यवीर हरिश्चन्द्र रानी सैय्या से	(स) तो कहीं कोढ़ियों के घाव धोते हुए दयालु ईसा दिखेंगे।
(द) भगवान बुद्ध भिक्षा ग्रहण कर रहे होंगे	(द) वह सब सम्प्रदायों को समन्वय मन्दिर होगा।

(ग) **प्रथम पंक्तियाँ** **द्वितीय पंक्तियाँ**

(अ) विश्व मन्दिर में ईसा मसीह संसार के पापों को — (अ) ज़हर का प्याला प्रेम से पी रही होगी।

(ब) दर्द दीवानी मीरा — (ब) मस्त मन्सूर भी मुस्कराता हुआ दिखाई देगा।

(स) प्रीतमा की सूली को चूमने वाला — (स) नटखट नन्द–नन्दन कहीं लुका–छुपा खड़ा होगा।

(द) निर्बल सूर्य की बाँह झटककर — (द) धोने के लिए सूली पर चढ़ते दिखाई देंगे।

(घ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) खादी की लँगोटी धारण किये गाँधी — (अ) के दृश्य आप विश्वमन्दिर में देख सकेंगे।

(ब) हिमालय गंगा और काशी — (ब) बिहार भी दिखाई पड़ेगा।

(स) इस विश्व मन्दिर में बौद्धों के स्तूप और — (स) भी वहाँ दिखाई देंगे।

(द) कॉवे और येरुसलम तीर्थ — (द) एक तरफ़ चरखा चला रहे होंगे।

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) विश्व मन्दिर पाठ के लेखक वियोग हरि हैं।

(ख) विश्व मन्दिर में पाषाण हृदय दर्शक को भी सत्य और प्रेम का सन्देश मिला करेगा।

(ग) राजा हरिश्चन्द्र की पत्नी का नाम रानी शैलजा था।

(घ) विश्व मन्दिर में कृष्ण, सुदामा के धूल भरे पैरों को प्रेमपूर्ण आँसूओं से पखारते मिलेंगे।

(ङ) वासुदेव अर्जुन को आशक्ति का सन्देश दे रहे होंगे?

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) विश्व मन्दिर की दीवारों पर धर्मग्रन्थों के समन्वय सूचक. . . . . .खुदे होंगे–
(शब्द/ महावाक्य / वर्ण)

(ख) वेद में. . . . . .उस मन्दिर की पवित्र दीवारों पर पडेंगे–
(मन्त्र/ तन्त्र/ यन्त्र)

(ग) विश्व मन्दिर में कबीर के. . . . . .और सूर्य के भजन दीवारों पर पढेंगे–
(चौपाई / शबद/ सवैए)

(घ) विश्व मन्दिर के अन्दर सभी. . . . . जा सकेंगे–
(सीधे/ नहीं जा सकेंगे / बेरोक–टोक जा सकेंगे)

(ङ) विश्व मन्दिर में प्रवेश निषेध की. . . . . .न होग–
(तख्ती/ थाली/ पुस्तक)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न :–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में कीजिए–

(क) लेखक अपना विश्व मन्दिर कहाँ निर्मित कराना चाहता है?

(ख) विश्व मन्दिर पर सफेद रंग का झण्डा लगाने की इच्छा प्रकट की गयी है? यह किस बात का प्रीतक है?

(ग) परमेश्वर का महामन्दिर किसे कहा गया है?

(घ) विश्व मन्दिर हमें कब दिखाई देगा?

(ङ) समन्वय मन्दिर किसके लिए होगा?

6. लघु उत्तरीय प्रश्न :– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) विश्व मन्दिर की दीवारों पर किन–किन धर्मग्रन्थों के महावाक्य खुदे होंगे? धर्मग्रन्थों के नाम लिखिए?

(ख) इस काल्पनिक विश्व मन्दिर में मैं–तू न होगा, इस वाक्य का भाव स्पष्ट कीजिए?

(ग) काल्पनिक विश्व मन्दिर के भव्य और दिव्य रूप को देखकर विपक्षियों के मन में कौन से भाव जाग्रह होंगे?

(घ) समन्वय मन्दिर में बैठकर लोग क्या करेंगे?

(ङ) विश्व मन्दिर पाठ का उद्देश्य क्या है?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) लेखक ने काल्पनिक विश्व मन्दिर के निर्माण की कल्पना किस उद्देश्य से की है? लिखिए।

(ख) विश्व मन्दिर के स्थापना की आवश्यकता लेखक क्यों अनुभव करता है?

(ग) **धार्मिक झगड़ों से** ऊबे हुए, घबराए हुए वहाँ बैठकर **दिव्य प्रेम की साधना** किया करेंगे। रेखांकित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) इस विश्व मन्दिर की ईमारत का निर्माण ईंटों, पत्थरों आदि के स्थान पर किससे होगा, इसका आशय अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

(ङ) यह मन्दिर किस प्रकार किस प्रकार सभी साधकों को दिव्य प्रेम का सन्देश देगा?

सिपाही का पत्र

—शिवमंगल सिंह 'सुमन'

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न— **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) सिपाही के पत्र पाठ के रचनाकार हैं—

(अ) माखनलाल चतुर्वेदी (ब) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(स) पन्त (द) प्रेमचन्द

(ख) सिपाही किसके लिए लड़ रहा है—

(अ) स्वयं के लिए (ब) परिवार के लिए

(स) विश्वशान्ति के लिए (द) रिश्तेदारों के लिए

(ग) सिपाही कहाँ से पत्र लिख रहा है—

(अ) दिल्ली से (ब) कश्मीर से

(स) जयपुर से (द) मौत के बहाने से

(घ) भारत के सारे ग्राम दिखते हैं—

(अ) भिन्न—भिन्न (ब) सुन्दर

(स) असुन्दर (द) एक से

(ङ) सिपाही खंदक में कितने दिन पड़ा रहा—

(अ) दो दिन (ब) पाँच दिन

(स) सात दिन (द) दस दिन

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलतान कर सही जोड़ियाँ बनाइए—

(क)

'अ'	**'ब'**
पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(अ) मेरे देशवासियों	(अ) मानदण्ड पर प्रहार
(ब) मूल्य मानवता के	(ब) सरहदी झगड़ों की
(स) दो की लड़ाई नहीं	(स) समूलनष्ट करने को
(द) सत्य, प्रेम, आस्था के	(द) पत्र लिख रहा हूँ मौत के बहाने से

(ख)

पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(अ) कुत्तों की मौत मरे या कीजिए	(अ) रामकाज है हमारे लिए
(ब) समर मरण पुनि सुरसरि तीरा	(ब) पुत्र दीन का
(स) नाम क्या बताऊँ बन्धु	(स) रामकाज क्षणभंगु शरीरा
(द) युद्ध यह नहीं है	(द) जीवन के तत्वों की महिमा प्रशस्त किए

(ग) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) ग्राम का पता क्या दूँ? (अ) जिसका सहारा है

(ब) शांत जिसे सैनिक शांति कहते हैं (ब) डबडबाई आँख

(स) दिख रही है माँ की (स) वरना कराहों से कान फटे जाते हैं

(द) पंचायत का रेडियो ही (द) भारत के सारे ग्राम एक से ही दिखते हैं

(घ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) टूटी खटिया में पड़ी (अ) माँ तू न धीरज खो

(ब) शीष पर मेरे (ब) कहता हूँ हे अम्बे!

(स) दूध की खा कर शपथ (स) तेरे आशीष की छाया

(द) कोई कहला दे उसे (द) ताक रही आसमान

(ङ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) पुण्य कोख तेरी (अ) झंझा में झकझोरी पीपल की पत्ती–सी

(ब) एक का प्रश्न नहीं (ब) पीठ न दिखाऊँगा

(स) दीन बनूँगा और (स) राष्ट्र पर संकट है

(द) जल–जल पिघलती मोमबत्ती सी (द) कलकित न होने दूँगा

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/ असत्य का चयन कीजिए–

(क) देश की रक्षा के लिए सिपाही सीमा पार तैनात है।

(ख) सिपाही विश्वशान्ति के लिए लड़ रहा है।

(ग) सिपाही को अपनी माँ की याद आती है।

(घ) सिपाही चम्बल के मुहाने से पत्र लिख रहा है।

(ङ) सहस्रों लोग देश के लिए बलिदान को तैयार हैं।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) वीर माताओं का. . . . . .न खो दूँगा।

(सम्मान/ विरद / आशीर्वाद)

(ख) लौटा तो मिलूँगा ललक. . . . . .पर चरण रज।

(मस्तिष्क/ सिर / गोद पर)

(ग) बच्चों को अनुभव न हो. . . . . . का।

(अकेलापन / अनाथपन/ बालपन)

(घ) लेकर. . . . . .का नाम।

(माता/ भाई/ पिता)

(ङ) भीतर से जलती और. . . . . .मुस्कराती हुई।

(अन्दर/ आँगन / बाहर)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य अथवा एक शब्द में दीजिए–

(क) सिपाही ने अपना पत्र किसको सम्बोधित करते हुए लिखा है?

(ख) पंचायत का रेडियो किसका सहारा है?

(ग) सिपाही अपना पत्र कहाँ से लिख रहा है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) सिपाही युद्ध को राम–राज के रूप में क्यों स्वीकार करता है?

(ख) अपनी माँ को विश्वास दिलाते हुए सिपाही क्या कहता है?

(ग) सिपाही अपने बच्चों को क्या सिखाना चाहता है?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) 'ऐसा सौभाग्य बड़ी मुश्किल से मिलता है' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) सिपाही अपनी उदास पत्नी के प्रति क्या भावना व्यक्त करता है?

(ग) इस कविता के आधार पर युद्ध क्षेत्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(घ) सिपाही का पत्र पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) सुमन जी किस विधा के रचनाकार हैं? उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में 75 शब्दों में लिखिए।

उड़ता चल कबूतर

–रामवृक्ष बेनीपुरी

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) उड़ता चल कबूतर किस विधा का पाठ है।

(अ) संस्करण (ब) निबन्ध

(स) यात्रा वृत्तान्त (द) आत्मकथा

(ख) पाठ में लेखक ने कहाँ तक की यात्रा का वर्णन किया है?

(अ) दिल्ली से मुम्बई (ब) लखनऊ से दिल्ली

(स) बिहार से दिल्ली (द) पटना से मुम्बई

(ग) लेखक ने किसके साथ यूरोप की यात्रा की है?

(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) लोहिया

(स) राजनारायण (द) आचार्य नरेन्द्र देव

(घ) लेखक ने उड़ता चल कबूतर का प्रसंग कब लिखा है?

(अ) 19 मार्च 1951 (ब) 19 अप्रैल 1951

(स) 20 अप्रैल 1952 (द) 19 जुलाई 1952

(ङ) पृथ्वी किसके बिसात सी लगती थी?

(अ) कैरम बोर्ड (ब) शतरंज

(स) प्लेट (द) तश्तरी

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(अ) ज्यों–ज्यों ऊँचे चढ़िए	(अ) एकरूपता बढ़ती है
(ब) हाथी मन को जितना आनंद नहीं दे पाया	(ब) कुचलने के लिए मुझे खदेड़ता
(स) वह अपने पैरों तले	(स) अन्तर्मन में उतना ही भय बिठा गया
(द) सीमाएँ नष्ट होती जाती हैं।	(द) भेदभाव मिटते जाते हैं।

(ख)

पंक्तियाँ	**पंक्तियाँ**
(अ) आचार्य नरेन्द्र देव ने	(अ) और आज उन्नीस अप्रैल है
(ब) ब्रिटिश सूचना सेवा	(ब) जयप्रकाश जी जुड़े थे
(स) यह तीन अप्रैल की बात है	(स) पत्रकारों को विलायत ले जा रही थी
(द) दैनिक जनता से	(द) सन् 1947 में पत्र लिखा

(ग) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) वर्तमान ने भूत को (अ) उसे कलम द्वारा उतारने की कोशिश करता हूँ

(ब) उदयशंकर जा रहे थे (ब) राइफलधारी बनने जा रहा है।

(स) लेखनीधारी का बेटा (स) कलकत्ता

(द) जिसे आप शरीर की भंगिमा के (द) फिर पीछे छोड़ दिया द्वारा प्रकट करते हैं

(घ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) पादरी जी का सम्बन्ध है (अ) भाई चक्रधर

(ब) विमान की रफ्तार (ब) साढ़े सात हज़ार मीटर ऊँचे जा रहा था

(स) विमान लगभग (स) प्रतिघण्टा 225 किलो मीटर है

(द) राष्ट्रपति के निजी सचिव थे (द) सेण्ट जेवियर स्कूल से

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) उदयशंकर ने कहा कि मैं अपना कला केन्द्र अल्मोड़ा के बदले देहरादून में खोलूँगा।

(ख) यह अँगरेज़ निखालिस गोरा हिन्दी बोल रहा है।

(ग) आजकल हिन्दी को लोग संस्कृत बना रहे हैं।

(घ) प्रेम कितनी खराब हिन्दी लिखते थे।

(ङ) एक विदेशी हिन्दी–भक्त की यह सम्मत्ति हमारे साहित्यकार और पत्रकार सुन पाते।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) लेखक . . . . . जाते समय एक भले मानस के हाथी पर चढ़ा था।
(सुसराल/ ननिहाल/ मेला)

(ख) . . . . . .में आचार्य नरेन्द्र देव ने लिखा, मैं यूरोप यात्रा में जा रहा हूँ।
(सन् 1947 / सन् 1950 / सन् 1945)

(ग) बड़े–बड़े दाँत. . . . . .के पाए जाते हैं।
(घोड़ा/ हाथी/ भालू)

(घ) उड़ता चल कबूबर में लेखक ने. . . . . .का वर्णन किया है।
(यात्रा वृत्तान्त / यात्रा / इनमें से कोई नहीं)

(ङ) पटना के हिन्दी अखबार तक ऐसी भाषा लिखते हैं कि. . . . . .लेकर ही उसे समझा जा सकता है।
(पुस्तक/ डिक्शनरी/ साहित्य कोश)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) सोनभद्र नदी किस प्रदेश में बहती है?

(ख) यूरोप यात्रा पर जाने के लिए किसने पत्र लिखा?

(ग) किस दैनिक–पत्र में जनता की चिन्ता रहती थी?

(घ) बिहार से चलने के बाद लेखक का प्लेन कौन से शहर में उतरा?

(ङ) शरीर की भंगिमा द्वारा भाव प्रकट करने वाले व्यक्ति का नाम क्या था?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) ननिहाल जाते समय लेखक की हाथी के साथ क्या घटना घटी?

(ख) बनार्ड शॉ ने अँग्रेज़ों के बारे में क्या लिखा है?

(ग) ब्रजनन्दन आज़ाद ने तार के द्वारा क्या सूचना दी?

(घ) गोरे अँग्रेज़ ने हिन्दी के बारे में क्या कहा?

(ङ) दिल्ली के राज भवन में कौन–कौन से चित्र लगे थे?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) हवाई जहाज यात्रा के समय नीचे के दृश्यों का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है?

(ख) अन्तर्मन व बहिर्मन का परस्पर क्या सम्बन्ध है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(ग) बनारस में उदयशंकर जी से लेखक की क्या बातचीत हुई?

(घ) भावार्थ स्पष्ट कीजिए–'ज्यों–ज्यों ऊँचे चढ़िए भेदभाव मिटते जाते हैं, सीमाएँ नष्ट होती जाती है, एकरूपता बढ़ती जाती है।'

(ङ) विलायत भ्रमण पर जाने से जयप्रकाश जी ने मना क्यों किया, अपने शब्दों में लिखिए?

पाठ–जीवन का झरना

–आर.सी. प्रसाद सिंह

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) जीवन को तेजस्वी बनाता है।

(अ) संघर्ष (ब) आराम

(स) भय (द) कण्ठ

(ख) जीवन क्या है?

(अ) निर्झर (ब) मुसीबत

(स) परेशानी (द) चट्टान

(ग) जीवन की जीवन्तता है।

(अ) स्थायीत्व (ब) स्थिर

(स) गतिशीलता (द) जीना

(घ) मरने का आशय है।

(अ) चलते रहना (ब) बैठ जाना

(स) दौड़ना (द) रुक जाना

(ङ) झरना किसे तोड़कर प्रवाह बनाता है।

(अ) मिट्टी को (ब) पेड़ को

(स) आसमान को (द) चट्टान को

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ' पंक्तियाँ	'ब' पंक्तियाँ
(अ) सुख–दुःख के दोनों तीरों से	(अ) किस अंचल से नीचे उतरा
(ब) कब फूटा गिरि के अन्तर से	(ब) धुन एक सिर्फ़ है चलने की
(स) वह आगे बढ़ता जाता है	(स) बाधा के रोड़ों से लड़ता
(द) अपनी मस्ती में गाता है	(द) चल रहा राह मनमानी है

(ख)

पंक्तियाँ	पंक्तियाँ
(अ) बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता	(अ) नाविक तट पर पछताता है।
(ब) लहरें उठती हैं गिरती हैं	(ब) निर्झर बढ़ता ही जाता है
(स) तब यौवन बढ़ता है आगे	(स) रुक जायेगी यह गति जिस दिन
(द) निर्झर में गति ही जीवन है	(द) चलता यौवन से मदमाता

(ग) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) उस दिन मर जायेगा मानव (अ) तुम पीछे मत देखो मुड़कर

(ब) निर्झर कहता है बढ़े चलो (ब) सोचो मत होगा क्या चलकर

(स) यौवन कहता है बढ़े चलो (स) जीवन चलता ही रहता है

(द) चलना है केवल चलना है (द) जग–दुर्दिन की घड़ियाँ गिन–गिन

(घ) **पंक्तियाँ** **पंक्तियाँ**

(अ) चलना है केवल चलना (अ) निर्झर यह झरकर कहता है

(ब) मर जाना है रुक जाना ही (ब) समतल में अपने को खींचे

(स) किन घाटों से बहकर आया (स) अपनी मस्ती में गाता है

(द) धुन एक सिर्फ़ है चलने की (द) जीवन चलता ही रहता है

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) जीवन का झरना के लेखक आरसी प्रसाद हैं।

(ख) नाविक तट पर पश्चाताप करता है।

(ग) निर्झर में शान्ति ही जीवन है।

(घ) निर्झर कहता है रुक जाओ।

(ङ) यौवन कहता है निरन्तर बढ़ते जाओ।

4. निम्नलिखित स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) जिस दिन गति रुक जाएगी, उस दिन मानव. . . . . .जाएगा।
(बैठ/ मर/दौड़ेगा)

(ख) निर्झर कहता है कि तुम मत देखो. . . . . .मुड़कर।
(आगे / पीछे / आगे–पीछे)

(ग) निर्झर में. . . . . .गति है।
(बचपन / बुढ़ापा / यौवन)

(घ) मनमानी राह. . . . . .चलता है।
(मानव / पशुपक्षी/ निर्झर)

(ङ) जग. . . . . .की घड़ियाँ गिन–गिन कर निर्झर कहता है।
(दिन/ सुदिन / दुर्दिन)

5. अतिलघुत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) निर्झर किन गुणों के आधार पर आगे बढ़ता है?

(ख) निर्झर को किन–किन बाधाओं को पार करना पड़ता है?

(ग) निर्झर क्या कहता है?

(घ) निर्झर पाठ किसने लिखा है?

(ङ) यह पाठ किस विधा में लिखा गया है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) जीवन रूपी निर्झर के दोनों किनारे कौन–कौन से है?

(ख) निर्झर की सिर्फ़ एक ही धुन है, वह कौन–सी है?

(ग) कविता के आधार पर मनुष्य कैसे बढ़ता है?

(घ) निर्झर पाठ का सारांश लिखिए।

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) कविता के आधार पर निर्झर की तीन विशेषताएँ लिखिए?

(ख) निर्झर को किन–किन बाधाओं को पार करना पड़ता है?

(ग) निर्झर क्या कहता है?

(घ) निर्झर, नदी, तालाब, बादल को केन्द्र में रखते हुए संक्षिप्त रूप में इन पर अपनी टिप्पणी लिखिए।

प्रेरणा दीप

–संकलित

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) प्रेरणा दीप के अन्तर्गत संकलित किये गये हैं।

(अ) एक प्रसंग (ब) दो प्रसंग

(स) पाँच प्रसंग (द) दस प्रसंग

(ख) प्रथम प्रसंग में महत्व को प्रतिपादित किया गया है।

(अ) वीरता भाव के (ब) प्रेम भाव के

(स) करुणा भाव के (द) भक्ति भाव के

(ग) निषाद के तीर से व्यथित किसकी करुणा ने वाल्मीकि ऋषि को झकझोर दिया।

(अ) तोता (ब) मैना

(स) कौंआ (द) नरक्रौंच

(घ) महाकाव्य रामायण की रचना की।

(अ) तुलसीदास (ब) कालिदास

(स) वेद व्यास (द) वाल्मीकि

(ङ) कुरुक्षेत्र के मैदान में किसकी सेनाएँ आमने–सामने थीं।

(अ) दुर्योधन की (ब) विभीषण की

(स) मेघनाथ की (द) पाण्डवों एवं कौरवों की

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

(क)

'अ'	**'ब'**
(अ) युधिष्ठिर	(अ) गदाधारी
(ब) भीम	(ब) धनुषधारी
(स) अर्जुन	(स) द्रोपदी
(द) पंचाली	(द) धर्मराज

(ख).

'अ'	**'ब'**
(अ) पितामह	(अ) द्रोणाचार्य
(ब) गुरु	(ब) कृपाचार्य
(स) कुलगुरु	(स) विदुर
(द) मन्त्री	(द) भीष्म

(ग).

'अ'	**'ब'**
(अ) कौरवों की	(अ) 7 अक्षोहिणी सेनाएँ
(ब) पाण्डवों की	(ब) भीष्म
(स) कौरव सेना के सेनापति	(स) महाधनुर्धर अर्जुन
(द) पाण्डव सेना के आगे थे	(द) 11 अक्षोहिणी सेनाएँ

(घ).

'अ'	'ब'
(अ) सृष्टि के रचयिता	(अ) राम
(ब) रामराज के	(ब) नारद
(स) देवर्षि	(स) अश्वथामा
(द) द्रोणाचार्य के पुत्र	(द) ब्रह्म

(ङ)

'अ'	'ब'
(अ) गाण्डीव	(अ) कृष्ण
(ब) चक्रधर	(ब) युधिष्ठिर
(स) भाला	(स) कर्ण
(द) सूत पुत्र	(द) अर्जुन

3. निम्नलिखित में से सत्य/असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) पति की यह दशा देखकर क्रौंची अत्यन्त करुण स्वर में रोने लेगी।

(ख) फल की चिन्ता छोड़कर कर्त्तव्य पालन ही मनुष्य के लिए श्रेयस्कर है।

(ग) राम को बीस वर्ष का वनवास हुआ था।

(घ) निषाद को तुलसीदास ने श्राप दिया था।

(ङ) पाण्डव सेना के सेनापति भीष्म पितामह थे।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) रामायण में. . . . . .श्लोकों की संख्या है।
(24, 000 / 26, 000 / 30, 000)

(ख) राजा दशरथ. . . . . वंश के थे।
(क्षत्रिय / इक्ष्वाकुव (सूर्यवंश) / ब्राह्मण)

(ग) राजा दशरथ के. . . . . .पुत्र थे।
(राम / कृष्ण / बलराम)

(घ) दशरथ के बड़े पुत्र. . . . . .थे।
(राम / लक्ष्मण / भरत)

(ङ) निषाद को. . . . . .श्राप दिया था।
(वाल्मीकि / कालिदास / वेद व्यास)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) रामायण के रचयिता कौन हैं?

(ख) नदी के तट पर किस पक्षी का जोड़ा था?

(ग) वाल्मीकि के शिष्य का नाम क्या था? बताइए।

(घ) युधिष्ठिर कौरव की सेना में क्यों गये थे?

(ङ) कौरव सेना के नायक का नाम क्या था?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) वाल्मीकि ने निषाद को क्या और क्यों अभिशाप दिया?

(ख) वाल्मीकि को ध्यान के समय ब्रह्मा जी ने दर्शन देकर क्या कहा?

(ग) श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपने विराट स्वरूप में क्या दिखालाया?

(घ) माता सत्यवती से भीष्म ने क्या प्रतिज्ञा की थी?

(ङ) अर्जुन के पुत्र का नाम क्या था?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) तमसा नदी की प्राकृतिक सुन्दरता का वर्णन कीजिए।

(ख) नारद जी की वाणी याद आने पर वाल्मीकि ने नारद जी से क्या पूछा तथा नारद जी ने क्या उत्तर दिया? लिखिए।

(ग) श्रीकृष्ण का कर्मयोग समझाइए।

(घ) कुरुक्षेत्र में खड़ी सेनाओं का वर्णन कीजिए।

(ङ) महाभारत युद्ध में सत्य/ असत्य का क्या आधार थे, अपने शब्दों में संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

जीवन–दृष्टि

–डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल क़लाम

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) जीवन दृष्टि के अन्तर्गत प्रसंग को लिया है।

(अ) शक्ति निर्माण (ब) राष्ट्र निर्माण

(स) चरित्र निर्माण (द) प्रान्त निर्माण

(ख) जीवन दृष्टि में कितनी दृष्टियाँ संकलित है।

(अ) 2 (ब) 3

(स) 4 (द) 5

(ग) पहली दृष्टि अन्तरिक्ष अनुसंधान केन्द्र की जुड़ी है।

(अ) इसरो (ब) भाभा

(स) वीआरसी (द) विसरो

(घ) तीसरा प्रसंग किसके महत्व को दर्शाता है।

(अ) राष्ट्र की महत्ता (ब) प्रान्त की महत्ता

(स) शक्ति की महत्ता (द) माँ की महत्ता

(ङ) अब्दुल क़लाम के गुरु थे।

(अ) मौलाना अब्दुल क़लाम (ब) पी. चिदम्बर

(स) प्रो. विक्रम साराभाई (द) जगदीशचन्द्र बसु

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोडियाँ बनाइए–

(क). **'अ'** **'ब'**

(अ) धर्म और विज्ञान का सहकार (अ) थुम्बा (केरल)

(ब) इसरो की स्थापना (ब) डॉ. विशप

(स) चर्च (स) इसरो

(द) राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (द) अब्दुल क़लाम

(ख). **'अ'** **'ब'**

(अ) वाटर मेलन चाहिए (अ) पारसी लड़का

(ब) हिन्दुवाना चाहिए (ब) भारतीय लड़का

(स) तरबूज चाहिए (स) श्री गुरुदास

(द) न्यायाधीश (द) अंग्रेज़ लड़का

(ग). **'अ'** **'ब'**

(अ) कोलकाता हाईकोर्ट न्यायाधीश (अ) बुढ़िया

(ब) गंगा स्नान करने गयी (ब) धेय सबका एक, किन्तु परस्पर टकराहट

(स) संसार की स्थिति ऐसी है (स) फूल

(द) दुर्गंध और शहद देते हैं। (द) श्री गुरुदास बन्दोपाध्याय

(घ)

'अ'	'ब'
(अ) अच्छे पुरुष वही हैं	(अ) सदाचार और उत्कृष्ट चरित्र के लिए
(ब) तीन छात्रों को पुरस्कृत किया	(ब) गुरुदास बन्दोपाध्याय
(स) कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति	(स) गुरुदास की माँ
(द) धाय	(द) जो विद्या, बड़ाई पाकर अभिमान नहीं करते हैं।

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) प्रो. साराभाई अन्तरिक्ष किरणों पर शोध कर रहे थे।

(ख) त्रिवेन्द्रम् के बिशप थे–डॉ. पीटर बर्नाड परेरा।

(ग) बिशप का घर पादरियों का स्थान बना।

(घ) धर्म और विज्ञान के शोधों से मानवता का भला हुआ।

(ङ) छात्रों में एक पारसी, दूसरा अंग्रेज़ और तीसरा भारतीय था।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) भारतवर्ष में. . . . . .का राज्य था।
(अंग्रेज़ों का/ रूसियों का/ चीन का)

(ख) गुरुदास ने भूमि पर लेटकर. . . . . .को दण्डवत् प्रणाम किया।
(न्यायाधीश / कुलपति / ग़रीब बुढ़िया)

(ग) गुरुदास ने बताया ये मेरी. . . . . .है।
(माता/ बहन/ भाभी)

(घ) उसकी दोनों आँखों से. . . . . .बहने लगी।
(जलधारा / अश्रुधारा / रक्तधारा)

(ङ) बिशप ने साराभाई का अपने . . . . . .परिचय कराया।
(मित्रों/ रिश्तेदारों/ शिष्यों)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) विक्रम साराभाई कौन थे?

(ख) लेखक के अनुसार अच्छे पुरुष कौन होते हैं?

(ग) विद्यालय के छात्रों को किस बात के लिए पुरस्कृत किया गया था?

(घ) बुढ़िया माँ कोलकाता क्यों गयी थीं?

(ङ) कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायाधीश का नाम क्या था?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) 'इसरो' की स्थापना कहाँ हुई?

(ख) विक्रम साराभाई किस बात की शोध कर रहे थे?

(ग) 'संसार की स्थिति भी ऐसी ही है', के माध्यम से किस स्थिति की बात की गयी है?

(घ) न्यायाधीश अपने आसन से क्यों खड़े हो गए?

(ङ) गुरुदास ने बुढ़िया माँ का परिचय किस प्रकार करवाया?

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) धर्म और विज्ञान का राष्ट्र उत्थान में सहयोगी है। प्रसंग के आधार पर स्पष्ट कीजिए?

(ख) ओछे और अच्छे पुरुषों की क्या पहचान है? वर्णन कीजिए।

(ग) गुरुदास की कौन–सी विशेषता ने उन्हें महान बनाया? समझाइए।

(घ) जीवन दृष्टि पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) डॉ. अब्दुल क़लाम की देन के बारे में प्रकाश डालिए।

हिन्दी व्याकरण

उपसर्ग / प्रत्यय

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– (प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) 'हार' शब्द किस उपसर्ग से जुड़कर भोजन का अर्थ देता है–

(क) प्रति (ख) उप

(ग) आ (घ) नि

(ख) 'मान' शब्द किस उपसर्ग से जुड़कर घमण्ड अर्थ देता है–

(क) अप (ख) अति

(ग) अब (घ) अभि

(ग) उपसर्ग की शुद्ध परिभाषा कौन–सी है–

(क) जो शब्दांश किसी शब्द से पहले लगकर नया शब्द बनाये।

(ख) जो शब्दांश किसी शब्द के बाद लगकर नया शब्द बनाये।

(ग) जो शब्द किसी शब्दांश से पहले लगकर नया शब्द बनाये।

(घ) जो शब्दांश किसी शब्दांश के पीछे लगकर नया शब्द बनाये।

(घ) निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द उपसर्ग रहित है–

(क) दुर्बाद (ख) संवाद,

(ग) विहार (घ) मवाद।

(ङ) 'मित्र' शब्द में कौन–सा उपसर्ग लगाने से उसका अर्थ उलटा हो जाएगा–

(क) सु (ख) निर

(ग) अ (घ) सत्

(च) किस शब्द में 'आ' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है–

(क) आकार (ख) आचरण

(ग) आशंका (घ) आराधना।

(छ) कौन–सा शब्द उपसर्ग रहित है–

(क) सर्व (ख) संकल्प

(ग) सज्ञान (घ) संगम

(ज) 'बे' उपसर्ग से बना अरबी भाष का शब्द कौन–सा है–

(क) बेकल (ख) बेखटक

(ग) बेचना (घ) बे–कसूर

(झ) इनमें से कौन–सा शब्द अति उपसर्ग से नहीं बना है–

(अ) अत्युक्ति (ब) अतिशय

(स) अतिरिक्त (द) अधीन

(ञ) अपव्यय में कौन–सा उपसर्ग है–

(अ) अ (ब) अभ्य

(स) आय (द) कोई नहीं

(ट) निर्धन में कौन–सा उपसर्ग प्रयुक्त है–

(अ) नि (ब) निः

(स) निर् (द) निस्

(ठ) उनचास में कौन–सा उपसर्ग है–

(अ) उ (ब) उत

(स) उन (द) कोई नहीं

(ड) पूजनीय में प्रत्यय बताइए–

(अ) पूज (ब) नीय

(स) अनीय (द) अनी

(ढ) निम्नांकित शब्दों में से किस शब्द में प्रत्यय नहीं है?

(क) गहराई (ख) नाई

(ग) पढ़ाई (घ) लिखाई

(ण) प्रत्यय के योग से बना शब्द कौन–सा है?

(क) नियम (ख) मालिन

(ग) अपमान (घ) अनूकूल

(त) निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द प्रत्ययरहित है?

(क) दयालु (ख) कृपालु

(ग) रतालु (घ) श्रद्धालु

(थ) निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द प्रत्यय से युक्त है?

(क) विकास (ख) पुलक

(ग) धनिक (घ) अलक

(द) निम्नलिखित में से प्रत्ययान्त शब्द कौन–सा है?

(क) लेखपाल (ख) भूपाल

(ग) कृपालु (घ) क्षेत्रफल

(ध) निम्नलिखित में कौन–सा शब्द प्रत्यय रहित है?

(क) धनिक (ख) मित्रता

(ग) असफल (घ) नैतिक

(न) 'भूगोल' में 'इक' शब्द लगाने पर सही शब्द बनेगा–

(क) भूगोलिक (ख) भोगोलिक

(ग) भौगोलिक (घ) भूगोलिक

2. **स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़िया बनाइए–**

	'अ'	'ब'
(क)	**शब्द**	**उपसर्ग**
	(अ) अजान	(अ) उन
	(ब) अध्यापक	(ब) ऊन
	(स) अनजान	(स) अध
	(द) उनसठ	(द) अ
(ख)	(अ) अत्यधिक	(अ) अप
	(ब) अध्यक्ष	(ब) अनु
	(स) अनुभव	(स) अधि
	(द) अपयश	(द) अति
(ग)	(अ) अलबेला	(अ) सर
	(ब) दरअसल	(ब) बद
	(स) बदनाम	(स) दर
	(द) सरपंच	(द) अल
(घ)	**शब्द**	**प्रत्यय**
	(अ) पाचक	(अ) इक
	(ब) पूजनीय	(ब) आ
	(स) माननीया	(स) अनीय
	(द) सामाजिक	(द) अक
	शब्द	**प्रत्यय**
(ङ)	(अ) फलित	(अ) ईय
	(ब) धूमिल	(ब) तम
	(स) सर्वोत्तम	(स) इल
	(द) भारतीय	(द) इत

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) भ्रांतिमान शब्द में मान् प्रत्यय है।

(ख) गौरवशाली शब्द में शाली उपसर्ग है।

(ग) जोशीला में ईला प्रत्यय है।

(घ) परिहार में परि उपसर्ग है।

(ङ) परामर्श में परा उपसर्ग है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) संयोग में. . . . . .उपसर्ग है।

(सम / सं / सय)

(ख) निश्चय में. . . . . .उपसर्ग है।

(निस् / निस / निश)

(ग) राधेय में . . . . . प्रत्यय है।

(एय / यैय / ऐय)

(घ) विशेषतः में . . . . . .प्रत्यय है।

(तः / तह / तम)

(ङ) अध्यादेश में. . . . . .उपसर्ग है।

(अधि / अध / अध्या)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. दुश्चरित्र में उपसर्ग किया है।
2. सन्तोष शब्द से उपसर्ग अलग दीजिए।
3. पठनीय में प्रत्यय क्या है।
4. इक प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइए।
5. 'त्व' प्रत्यय युक्त दो शब्द लिखिए।
6. 'शब्द' किसे कहते हैं?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) उपसर्ग की परिभाषा लिखिए।

(ख) उपसर्ग कितने प्रकार के होते हैं?

(ग) प्रत्यय किसे कहते हैं?

(घ) प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं? लिखिए।

(ङ) संस्कृत उपसर्ग युक्त पाँच शब्द लिखिए।

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

1– उपसर्ग के प्रकारों को उदाहरणों के माध्यम से समझाइए।

2– प्रत्यय के प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3– तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज शब्दों से बने प्रत्यय युक्त शब्द लिखिए।

4– अरबी–फ़ारसी एवं अंग्रेज़ी युक्त पाँच–पाँच उपसर्ग युक्त शब्द लिखिए।

शब्द समूह

(तत्सम/ तद्भव/ देशज/ आगत/ रूढ़ / योगिक /यौगरूढ़ शब्द)

प्रश्न वस्तुनिष्ठ/ बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1– 'आँख' शब्द का तत्सम रूप है–

(क) अक्षी (ख) अक्षि

(ग) रोशनी (घ) दृष्टि

2– 'कंगाल' शब्द का तत्सम रूप होगा–

(क) कंगला (ख) कांगला

(ग) कंकाल (घ) कांकल

3– 'छत्र' का तद्भव रूप है–

(क) छेद (ख) छत

(ग) छिप (घ) छाता

4– 'केवट' का तत्सम रूप है–

(क) कर्तृत्व (ख) कैवर्त

(ग) कमर्दिकी (घ) कपाट

5– 'स्नायु' शब्द का तद्भव शब्द है–

(क) नासिक (ख) नाक

(ग) नस (घ) रन्ध्र

6– 'सूची' शब्द का तद्भव है–

(क) सूची (ख) सूचना

(ग) सुचि (घ) सुई

7– 'बज्रांग' शब्द का तद्भव रूप है–

(क) बज्रंग (ख) बज्रअंग

(ग) बजरंग (घ) बाज्रांग

8– 'नम्र' तत्सम शब्द का तद्भव रूप प्रचलित है–

(क) विनम्र (ख) नर्म

(ग) नमन (घ) नरम

9– 'सतसई' तद्भव शब्द का तत्सम रूप है–

(क) सप्तशती (ख) सौशती

(ग) शप्तशती (घ) शब्दसती

10– निम्नलिखित में से 'देशज शब्द' कौन–सा है?

(क) पगड़ी (ख) छत्र

(ग) अज्ञान (घ) मणिकार

11– निम्नलिखित में से तत्सम शब्द का क्रमाक्षर लिखिए–

(क) दवा (ख) खिड़की

(ग) घूँट (घ) वृक्ष

12– 'तारीख' शब्द है–

(क) तद्भव (ख) देशज

(ग) तत्सम (घ) विदेशी

13– निम्नलिखित में से देशज शब्दों के समूह का क्रमाक्षर लिखिए–

(क) तन्दुरुस्ती, करकेंटा, सोना (ख) दुग्ध, चन्द्र, सूर्य

(ग) आँसू, खेत, सेज (घ) पेट, खिड़की, चिमटा

14– निम्नलिखित में से देशज शब्द हैं–

(क) ठसक (ख) कौड़ी

(ग) गोरा (घ) केवट

15– आक का तत्सम शब्द है–

(अ) अकउआ (ब) अक

(स) अकर्ज (द) औक

16– निम्बू का तत्सम शब्द है–

(अ) नीबू (ब) नीम

(स) नीब (द) निम्बुक

17– कुम्भकार का तद्भव शब्द है–

(अ) कुम्भकार (ब) कुम्भहर

(स) कुम्हार (द) कुम्हर

18– इनमें से कौन–सा शब्द–देशज है–

(अ) काठ (ब) गौड़

(स) ऊँट (द) उल्लू

19– मूषक का तद्भव रूप होगा–

(अ) चूहा (ब) मूसा

(स) मूसल (द) मुक्का

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	'ब'
(क)	(अ) बालक	(अ) विदेशज
	(ब) आग	(ब) देशज
	(स) कबड्डी	(स) तद्भव
	(द) अखबार	(द) तत्सम
	'अ'	**'ब'**
(ख)	(अ) लैम्प	(अ) तत्सम शब्द
	(ब) घोड़ा	(ब) देशज
	(स) तेंदुआ	(स) तद्भव
	(द) कपोत	(द) विदेशज
	'अ'	**'ब'**
(ग)	(अ) अक्षर	(अ) तद्भव
	(ब) गड़बड़	(ब) विदेशज
	(स) अफ़सर	(स) देशज
	(द) चौपाई	(द) तत्सम
	'अ'	**'ब'**
(घ)	(अ) कपि	(अ) तद्भव
	(ब) तबादला	(ब) देशज
	(स) फटफटिया	(स) विदेशज
	(द) लोहा	(द) तत्सम
	'अ'	**'ब'**
(ङ)	(अ) अखबार	(अ) फ्रेंच शब्द (विदेशी)
	(ब) अगर	(ब) तुर्की शब्द (विदेशी)
	(स) तोप	(स) फ़ारसी शब्द (विदेशी)
	(द) मेयर	(द) अरबी शब्द (विदेशी)

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) अटारी तत्सम शब्द है।

(ख) कर्पूर तद्भव शब्द है।

(ग) कंटक तत्सम शब्द है।

(घ) घोटक तद्भव शब्द है।

(ङ) थोथा देशज शब्द है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) तद्भव का शाब्दिक अर्थ. . . . . है।

तत् + भव / तद् + भव / तद + भव)

(ख) भिक्षुक शब्द. . . . . .है।

(तत्सम/ तद्भव / देशज)

(ग) बहिन . . . . . .शब्द है।

(तद्भव / देशज/ तत्समय)

(घ) स्नेह . . . . . शब्द है।

(विदेशज / देशज/ तत्सम)

(ङ) मजदूर . . . . . .शब्द है।

(देशज / विदेशज/ तद्भव)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. रूढ़ शब्द किसे कहते हैं?
2. यौगिक शब्द के दो उदाहरण दीजिए।
3. योगरूढ़ शब्द कैसे बनते हैं?
4. पुलिस किस वर्ग का शब्द है।
5. हाथी का तत्सम शब्द बताइए।
6. बैन, ब्याह, भरम और भाभी शब्द किस प्रकार के हैं?
7. हस्ती, हास्य, स्वर्ण, शूर और सौभाग्य किस प्रकार के शब्द हैं।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

1. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के कितने भेद हैं? लिखिए।
2. 'तत्सम' शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
3. 'तद्भव' शब्द किसे कहते हैं? उदहारण दीजिये।
4. 'देशज' शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
5. तत्सम शब्द और तद्भव शब्द का अन्तर बताइये।
6. तत्सम शब्द और अर्द्धतत्सम शब्द में क्या अन्तर है?
7. तद्भव और देशज शब्दों में क्या अन्तर है?
8. रूढ़ और यौगिक शब्द में अन्तर बताइए।
9. योगरूढ़ शब्द किसे कहते हैं? उदाहरा के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

1. तत्सम एवं तद्भव शब्दों का अन्तर सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
2. निम्नलिखित शब्द किस भाषा के हैं–
   बटन, अख़बार, चाकू, दलाल, गोदाम, औरत, दुकान, अस्पताल, कमीना।
3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव बताइए–
   युक्ति, भ्रमर, नकुल, भृत्तिका, प्रस्तर, क्षीर, आमलक ।
4. निम्नलिखित शब्दों को तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी वर्ग में छाँटकर लिखिए–
   योनी, कवि, गधी, उल्लू, कपोत, कबड्डी, रेल, तोप, दाँत, ज्येष्ठ, घी, गेहूँ, उच्च, बोतल, गैस, जुलाहा, सन्ध्या, दोपहर।
5. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम बनाइए–
   केला, कोपल, कान, आधा, अँगूठा, ईश्व, बहू, पंगत, नखत, धीरज, उजला, ऊँचा, नीम, भाप ।
6. हिन्दी में विदेशी भाषा के शब्दों का प्रयोग क्यों होने लगा?
7. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द छाँटिए–
   ज़रूरी, टाफी, कौड़ी, दही, व्याधि, आग, उदधि, तन्दुरुस्ती, करकेंटा, कबूतर,

वर्तनी

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1– निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करो–
(क) अहिल्या (ख) कवियित्री
(ग) अन्तर्ध्यान (घ) लब्धप्रतिष्ठित

2– वर्तनी की दृष्टि से कौन–सा शब्द शुद्ध है–
(क) नृत्यांगना (ख) अत्याधिक
(ग) सहस्र (घ) अतिथी

3– निम्नांकित में से कौन–सा शब्द शुद्ध नहीं है?
(क) अनुग्रहीत (ख) विद्या
(ग) समिति (घ) पर्यायवाची

4– निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द अशुद्ध है?
(क) नियोजन (ख) उपरोक्त
(ग) परिमाण (घ) दुस्साहस

5– निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द अशुद्ध है?
(क) कवियित्री (ख) अवैतनिक
(ग) रचयिता (घ) वन्धुत्व

6. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(अ) रचयता (ब) रचइता
(स) रचयिता (द) रचैता

7. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(अ) कवित्री (ब) कवयित्री
(स) कवियत्री (द) कवियित्री

8. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(अ) अध्यन (ब) अध्इन
(स) अध्ययन (द) अधियन

9. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(अ) उज्ज्वल (ब) उज्वल
(स) उज्जवल (द) उज्जल

10. इनमें से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(अ) सहस्त्र (ब) सहस्त्रा
(स) सहस्त्रों (द) सहस्र

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
(क)	अ. प्रसाद	अ. शुक्ल
	ब. इक्षा	ब. मिश्र
	स. मिश्रा	स. इच्छा
	द. शुक्ला	द. प्रसाद

(ग)	**'अ'**	**'ब'**
	अ. ऊषा	अ. व्यावसायिक
	ब. आधीन	ब. स्नान
	स. असनान	स. अधीन
	द. व्यावसायिक	द. उषा

	'अ'	**'ब'**
(ङ)	अ. उपरोक्त	अ. उच्छृखंल
	ब. उन्नतिशील	ब. ईर्ष्यालु
	स. ईर्षालु	स. उन्नतशील
	द. उछृंखल	द. उपर्युक्त

3. निम्नलिखित में से सत्य/सत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) अनुग्रहीत शुद्ध शब्द है। (ख) अलंकारिक शुद्ध शब्द है।

(ग) उल्लंघन अशुद्ध शब्द है। (घ) अन्त्याक्षरी शुद्ध शब्द है।

(ङ) अनधिकार शुद्ध शब्द है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) . . . . . .शुब्द हैं–
(कालीदास/ कालिदास/ कालीदाश)

(ख) शुद्ध शब्द. . . . . .है।
(आशीर्वाद/ आर्शीवाद/ आसीर्वाद)

(ग) शुद्ध शब्द . . . . . है–
(पूजनीय / पूज्यनीय / पूज्यनीय)

(घ) . . . . . .शुद्ध शब्द है।
(शृंगार/ श्रृंगार/ सिंगार)

(ङ) शुद्ध शब्द. . . . . .है।
(मानवीयकरण /मानवीकारण/मानविकीकरण)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) अन्तर्ध्यान का शुद्ध रूप लिखित।

(ख) अहिल्या का शुद्ध रूप लिखिए।

(ग) अल्हाद का शुद्ध रूप लिखिए।

(घ) गल्यावरोध का शुद्ध रूप लिखिए।

(ङ) राज्यकीय का शुद्ध रूप बताइए।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के चार अंक)

(क) वर्तनी किसे कहते हैं?

(ख) भाषा में वर्तनी का क्या महत्व है?

(ग) वर्तनी अशुद्धियाँ किन–किन कारणों से होती है?

(घ) क्षेत्रीय प्रयोग के कारण होने वाली अशुद्धियों के पाँच उदाहरण दीजिए।

(ङ) वर्तनीगत अशुद्धि और वाक्यगत अशुद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक)

(क) वर्तनी की अशुद्धियों के कारण बताइए।

(ख) अशुद्धियों का संशोधन कैसे किया जाता है?

(ग) अतिशोधन के कारण वर्तनी में किस प्रकार की त्रुटि आ जाती है? कोई दस उदाहरण दीजिए।

शब्द–बोध
(पर्यायवाची / विलोम / अनेकार्थी)

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1– 'मित्र' का पर्यायवाची शब्द कौन–सा है?

(क) सहपाठी (ख) सहचर

(ग) सहोदर (घ) सखा

2– 'नदी' का पर्यायवाची नहीं है–

(क) भागीरथी (ख) तरंगिनी

(ग) तटिनी (घ) अपगा

3– किस समूच में सभी शब्द 'कमल' के पयार्यवाची हैं?

(क) जलज, तोयद, नीरज, पंकज (ख) तोयज, नीरज, जलद, वारिज

(ग) वारिज, पंकज, नीरज, जलज (घ) पंकज, तोयद, वारिज, जलधि

4– 'पुष्प' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–

(क) पहुप (ख) मधुप

(ग) सुमन (घ) कुसुम

5– 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द है–

(क) वसुधा (ख) तनया

(ग) ग्रीवा (घ) प्रदेश

6– 'हवा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–

(क) वात (ख) अनल

(ग) वायु (घ) समीर

7– कौन से समूह के सभी शब्द 'वृक्ष' के पर्यायवाची हैं–

(1) पेड़, तरु, द्रुम, उदक (2) विपिन, पादप, तरु, क्षिति

(3) रूंख, मिलिन्द, अरण्य, अटवी (4) विट, पादम, तरु, रूख

8– शैलजा किसका पर्यायवाची शब्द है–

(अ) पार्वती (ब) हिमालय

(स) लक्ष्मी (द) शची

9– पार्थ किसका पर्यायवाची है–

(अ) पर्वत (ब) श्रीकृष्ण

(स) अर्जुन (द) युधिष्ठिर

10– उत्तम का विलोम है–

(अ) कम (ब) श्रेष्ठ

(स) अधम (द) छोटा

11– 'देव' शब्द का विलोम क्या है?

(क) दुर्देव (ख) दुर्जन

(ग) दुर्भाय (घ) दानव

12– 'दुर्गम' शब्द का विलोम क्या है?

(क) अगम (ख) सुगम

(ग) आगम (घ) अलम्य

13– 'उत्थान' शब्द का विलोम क्या है?

(क) उन्नति (ख) अवनति

(ग) पतन (घ) उठना

14– 'इष्ट' का विलोम क्या है?

(क) अभीष्ट (ख) अशिष्ट

(ग) अनिष्ट (घ) शिष्ट

15– 'आर्य' का विलोम शब्द है–

(क) द्रविड़ (ख) असभ्य

(ग) अनार्य (घ) शक

16– विलोम शब्दों की दृष्टि से कौन–सा जोड़ा अशुद्ध है?

(क) अथ–इति (ख) न्याय–अन्याय

(ग) आदि–आरम्भ (घ) आरोह–अवरोह

17– 'स्वतन्त्र' शब्द का विलोक होगा–

(क) स्वाधीन (ख) परतन्त्र

(ग) पराधीन (घ) गुलाम

18– तीक्ष्ण का विलोम है–

(अ) तीव्र (ब) कुण्ठ

(स) क्षीण (द) मन्द

19– उत्तर के दो अर्थ बताइए–

(अ) प्रश्न–उत्तर (ब) जबाव–प्रश्न

(स) जवाब–दिशा (द) हल–प्रश्न

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'		**'ब'**
(क)	(अ) कोक	(अ)	विष्णु
	(ब) खर	(ब)	पार्वती
	(स) गौरी	(स)	गधा
	(द) गोपति	(द)	कोपल

		'अ'		'ब'
(ख)	(अ)	जलज	(अ)	बादल
	(ब)	तम	(ब)	हाथी
	(स)	कुंजर	(स)	अंधकार
	(द)	जलद	(द)	कमल
		'अ'		**'ब'**
(ग)	(अ)	आवृत्त	(अ)	बहिरंग
	(ब)	उत्कृष्ट	(ब)	रोपण
	(स)	उन्मूलन	(स)	निकृष्ट
	(द)	अन्तरंग	(द)	अनावृत्त
		'अ'		**'ब'**
(घ)	(अ)	सृष्टि	(अ)	संहार
	(ब)	क्षुद्र	(ब)	शाश्वत
	(स)	क्षणिक	(स)	विराट
	(द)	सृजन	(द)	प्रलय
(ङ)	(अ)	अग्नि	(अ)	अनिल
	(ब)	बादल	(ब)	जलज
	(स)	कमल	(स)	जलद
	(द)	वायु	(द)	अनल

3. निम्नलिखित में से सत्य/ असत्य का चयन कर सही लिखिए–

(क) प्रपात का पर्यायवाची झरना है।

(ख) 'षट्पद' का पर्यायवाची भ्रमर है।

(ग) कृतज्ञ का विलोम कृतज्ञता है।

(घ) भौतिक का विलोम आध्यात्मिक होता है।

(ङ) कनक शब्द का अनेकार्थी सोना–चाँदी है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति सही का चयन कर कीजिए–

(क) हर शब्द का अर्थ. . . . . .है।
(विष्णु / शिव/ ब्रह्म)

(ख) कर्ण के अर्थ में कौन–सा शब्द . . . . . .प्रयुक्त नहीं होता।
(कुन्ती पुत्र/ पैर / कान)

(ग) शाश्वत का विलोम . . . . . .है।
(आशाश्वत / क्षणिक / नाशवान)

(घ) केशरी . . . . . .पर्यायवाची है।
(सिंह / सियार / हाथी)

(ङ) महाश्वेती . . . . . .पर्यायवाची है।
(लक्ष्मी / सरस्वती/ पार्वती)

5. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) 'अर्जुन' शब्द के तीन पर्यायवाची लिखिए।

(ख) अरण्य का पर्यायवाची लिखिए।

(ग) उत्थान का विलोम शब्द लिखिए।

(घ) समास का विलोम शब्द लिखिए।

(ङ) हरि का क्या–क्या अर्थ होता है?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न चार अंक)**

(क) अनेकार्थी शब्द किसे कहते हैं?

(ख) विलोम शब्द किसे कहते हैं?

(ग) पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं?

(घ) अनेकार्थी और एकार्थी शब्दों में अन्तर बताइए–

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)**

(क) पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं। पर्यायवाची शब्दों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) विलोम शब्द किसे कहते हैं? विलोमता के आधार क्या हैं?

(ग) अनेकार्थी शब्द का भाषा की दृष्टि से महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(घ) समास कितने प्रकार के होते हैं तथा भाषा में उनका महत्व स्पष्ट कीजिए।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. नीति को जानने वाले को एक शब्द में क्या कह सकते हैं ?
   क. नैतिक ख. नीतिज्ञ
   ग. नीतिकार घ. नास्तिक
2. कृतज्ञ किसका संक्षिप्तीकरण है–
   क. उपकार करने वाला ख. किए हुए को न मानने वाला
   ग. अपकार करने वाला घ. किए हुए को मानने वाला
3. जो पहले कभी घटित नहीं हुआ हो, उसे क्या कहेंगे ?
   क. अनुपम ख. अद्वितीय
   ग. अविश्वसनीय घ. अभूतपूर्व
4. थोड़ी देर में नष्ट हो जाने वाला, को संक्षिप्त में क्या कहेंगे ?
   क. क्षणभंगुर ख. अनश्वर
   ग. अकिंचन घ. अपरिमेय

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
1.	दूसरों द्वारा किए हुए उपकार को मानने वाला	रेखांकित
	साथ–साथ पढ़ने वाला	अपव्ययी
	धन को व्यर्थ में व्यय करने वाला	सहपाठी
	जिसके नीचे रेखा खींची गई हो	कृतज्ञ
	'अ'	**'ब'**
2.	जो पढ़ा हुआ न हो	अपठित
	जो कभी न मरे	युधिष्ठिर
	जो युद्ध में स्थिर रहता हो	अमर
	जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
	'अ'	**'ब'**
3.	अतिथि की सेवा	पथभ्रष्ट
	आदि से अन्त तक	अविवाहित
	जिसका विवाह न हुआ हो	आद्यन्त
	जो राह भूल गया हो	आतिथ्य
	'अ'	**'ब'**
4.	छिपाने योग्य	नागरिक
	ग्राम में रहने वाला	छावनी
	जहाँ सेना को रखा जाए	ग्रामीण
	नगर में रहने वाला	गोपनीय

	'अ'	'ब'
5.	देश से द्रोह करने वाला	निशाचर
	शीघ्र चलने वाला	नवागन्तुक
	नया आने वाला	द्रुतगामी
	रात्रि में चलने वाला	देशद्रोही

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

1. वाहन चलाने वाले को चालाक कहते हैं ।
2. चिकित्सा करने वाले को चिकित्सक कहा जाता है ।
3. जो क्षमा करने योग्य न हो अक्षम्य कहलाता है ।
4. लेखक द्वारा स्वयं लिखी गई जीवनी को आत्मकथा कहते हैं ।
5. पीने योग्य पदार्थ अपेय कहा जाता है ।

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शक्ति के अनुसार के लिए उपयुक्त शब्द .....है ।
   (शक्ति के मुताबिक, यथाशक्ति, भरपूर शक्ति)
2. जो अधिक बोलता है उसे.....कहते हैं ।
   (मितभाषी, बाचाल, मूक)
3. खेती करने वाले को. . . . . .कहते हैं।
   (किसान/ग्रामीण/ मजदूर)
4. अध्ययन करने वाले को. . . . . .कहते हैं।
   (शिक्षक/ वकील/ पत्रकार)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. जो पढ़ा लिखा नहीं होता उसे क्या कहते हैं ?
2. किसी का उपकार न मानने वाले के लिए क्या कहा जाता है ?
3. 'जो स्मरण करने योग्य हो' को एक शब्द में लिखिए ।
4. जो कभी नहीं मरता उसे क्या कहा जाता है ?
5. जिसका आकार न हो उसे एक शब्द में क्या कहेंगे ?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए चार अंक)

1. निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए –
   - जो ईश्वर में विश्वास रखता हो ।
   - बिना वेतन के काम करने वाला ।
   - जिसे क्षमा न किया जा सके ।
   - जो कभी मरता नहीं ।
   - जो उच्च कुल में पैदा हुआ हो ।

2. निम्नांकित शब्दों का अर्थ शब्द–समूह द्वारा प्रकट कीजिए ।

सहपाठी, अपव्ययी, ऐतिहासिक, रेखांकित, अधीर, दर्शक , पथिक, बौना

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द और अनेकार्थी शब्द में क्या अन्तर है ?

4. समानार्थी और अनेक शब्दों के लिए एक शब्द में अन्तर बताइए ।

5. अजातशत्रु किसका संक्षिप्तीकरण है ?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक के लिए पाँच अंक)**

1. वाक्यांश के लिए एक शब्द किसे कहते हैं ? उदाहरण से स्पष्ट कीजिए ।

2. वाक्यांश के लिए एक शब्द का भाषा में क्या महत्व है ?

3. निम्नलिखित वाक्यांशों को एक–एक शब्द में लिखिए –

1. जो स्त्री कविता लिखती हो
2. जो वन्दना करने योग्य है
3. जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो
4. जिसका कोई शत्रु न हो

4. निम्नलिखित शब्दों के लिए उपयुक्त वाक्यांश लिखिए–

1. मितभाषी
2. निरक्षर
3. द्विज
4. अज्ञेय
5. विधुर
6. वाचाल

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय– **(प्रत्येक प्रश्न का एक अंक)**

1. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. अँगूठा दिखाना का अर्थ है –
   क. देने से इंकार करना ख. अपमान करना
   ग. हँसी उड़ाना घ. धोखा देना
2. अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना–
   क. मूर्खतापूर्ण कार्य करना ख. बहुत पढ़ना
   ग. एक बात को पकड़कर बैठ जाना घ. किसी बात के पीछे बहस करना
3. अंधे की लाठी का अर्थ है–
   क. एक मात्र सहारा ख. बिल्कुल असमर्थ होना
   ग. बहुत कमजोर होना घ. मूर्ख
4. अंगारे बरसना–
   क. कड़ी धूप होना ख. सूखा पड़ना
   ग. भयंकर क्रोध करना घ. मुसीबत आना
5. अक्ल पर पत्थर पड़ना का अर्थ है–
   क. प्रतिभावान होना ख. बुद्धिमान होना
   ग. बुद्धि भ्रष्ट होना घ. मूर्ख होना
6. आटे–दाल का भाव मालूम होना –
   क. कमाई का पता चलना ख. रहस्य मालूम होना
   ग. असलियत का पता चलना घ. महँगाई बढ़ना
7. आस्तीन का साँप होना–
   क. विश्वासघाती होना ख. हानि पहुँचाना
   ग. कष्टदाई सिद्ध होना घ. छिपा हुआ होना
8. कान खड़े होना का अर्थ है–
   क. विपत्ति को पहचानना ख. सचेत होना
   ग. भूल का अहसास होना घ. चालाकी करना
9. आग लगने पर कुआँ खोदना का अर्थ है–
   क. तसल्ली से कोई काम करना ख. विपत्ति पड़ने पर तुरंत समाधान खोजना
   ग. विपत्ति आ पड़ने पर निराकरण करना घ. व्यर्थ भागदौड़ करना
10. हाथ कंगन को आरसी क्या का अर्थ है–
    क. अप्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं ख. प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं
    ग. आवश्यकतानुसार वस्तु न मिलना घ. बिल्कुल पढ़ा–लिखा न होना

11. का वर्षा जब कृषि सुखाने –

(क) अच्छी फसल हो तो वर्षा की क्या आवश्यकता (**ख**) फसल सूख जाने पर वर्षा व्यर्थ है

(ग) काम बिगड़ जाने पर सहायता व्यर्थ है (घ) सहायता मिलने पर भी यदि काम बिगड़ जाए तो सहायता व्यर्थ है ।

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
1.	मिट्टी में मिलना	लालायित होना
	रोड़े अटकाना	रिश्वत देना
	मुट्ठी गर्म करना	बाधा डालना
	मुँह में पानी आना	बरबाद होना
	'अ'	**'ब'**
2.	मक्खन लगाना	श्रेष्ठता स्वीकार करना
	मुँह लटकाना	पुरानी रीति पर चलना
	लकीर पीटना	सुस्त होना
	लोहा मानना	चापलूसी करना
	'अ'	**'ब'**
3.	दिल छोटा करना	लज्जित होना
	दाल में काला होना	आश्चर्य करना
	दाँतों तले उंगली दबाना	संदेहपूर्ण स्थिति
	पानी–पानी होना	धैर्य खोना

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

1. काम निकालना का अर्थ है–प्रयोजन सिद्ध करना ।
2. ईमान बेचना का अर्थ होगा–धोखा देना ।
3. पीठ दिखाना का अर्थ है– हार मानना ।
4. फूला न समाना का अर्थ फूल जाना है ।
5. बोलबाला होना का अर्थ है–अधिक बोलना ।

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ईद का चाँद होना मुहावरे का अर्थ .....है ।
   (कभी–कभी दिखना, हमेशा दिखना, गायब होना)
2. आस्तीन का साँप होना का अर्थ .....है ।
   (ईमानदार मित्र, दुश्मन, कपटी मित्र
3. ईंट से ईंट बजाना का अर्थ .....होगा ।
   (करारा जवाब देना, चुप रह जाना, दोस्ती कर लेना)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. काला अक्षर भैंस बराबर का अर्थ बताइए ।
2. नौ दो ग्यारह होना का अर्थ क्या होगा ?
3. लोकोक्ति किसे कहते हैं ?
4. नाक कटाना मुहावरे का अर्थ क्या होगा ?
5. बाल की खाल निकालना मुहावरे का क्या अर्थ होगा ?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए चार अंक)

1. मुहावरे एवं लोकोक्तियों में क्या अन्तर है ?
2. मुहावरा किसे कहते हैं ? अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
3. पहाड़ टूट जाना मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए ।
4. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए –
   1. ऊँट के मुँह में जीरा
   2. घर का भेदी लंका ढाए
   3. खोदा पहाड़ निकली चुहिया
   4. घर की मुर्गी दाल बराबर

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए पाँच अंक)

1. भाषा में मुहावरों का क्या स्थान है ? 75 शब्दों में लिखिए ।
2. लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा पर क्या प्रभाव पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए ।
3. आँख से प्रारंभ होने वाले पाँच मुहावरे लिखिए तथा अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।
4. नाक से प्रारंभ होने वाले पाँच मुहावरे लिखिए तथा अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न– **(प्रत्येक के लिए एक अंक)**

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. पंच परमेश्वर कहानी के लेखक हैं –
   क. जैनेन्द्र कुमार ख. प्रेमचन्द
   ग. मैथिलीशरण गुप्त घ. जयशंकर प्रसाद
2. निम्नलिखित में से प्रेमचन्द किस उपन्यास के लेखक हैं –
   क. झूठा सच ख. मानस का हंस
   ग. कर्मभूमि घ. चित्रलेखा
3. हिन्दी साहित्य की प्रथम कहानी होने का गौरव प्राप्त है –
   क. आकाशदीप ख. प्रेमसागर
   ग. इन्दुमती घ. रानी केतकी की कहानी
4. होरी किस उपन्यास का पात्र है –
   क. प्रेमाश्रम ख. सेवासदन
   ग. गबन घ. गोदान
5. सरस्वती पत्रिका का सम्पादन किसने किया था?
   क. हजारी प्रसाद द्विवेदी ख. महावीर प्रसाद द्विवेदी
   ग. रामचन्द्र शुक्ल घ. प्रताप नारायण मिश्र
6. कृष्णभक्ति शाखा के कवि हैं –
   क. केशवदास ख. अग्रदास
   ग. छीतस्वामी घ. नाभादास
7. हिन्दी कथा साहित्य में सर्वाधिक प्रसिद्ध कहानीकार हैं–
   क. सुदर्शन ख. प्रेमचन्द
   ग. जयशंकर प्रसाद घ. चतुरसेन शास्त्री
8. कबीरदास की रचना संकलित है –
   क. पदावली ख. बीजक
   ग. मृगावती घ. सूरसागर
9. पद्य साहित्य को कितने भागों में बाँटा गया है ?
   क. चार ख. पाँच
   ग. छह घ. पन्द्रह
10. हिन्दी साहित्य के इतिहास को बाँटा गया है –
    क. चार भागों में ख. दो भागों में
    ग. छह भागों में घ. तीन भागों में

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए –

	'अ'	'ब'
1.	**काल**	**कवि**
	क. आदिकाल	क. जायसी
	ख. भक्तिकाल	ख. चन्द्रबरदाई
	ग. रीतिकाल	ग. जयशंकर प्रसाद
	घ. आधुनिक काल	घ. भूषण
2.	**कवि**	**रचना**
	क. जायसी	क. साहित्य लहरी
	ख. तुलसी	ख. रामचन्द्रिका
	ग. सूरदास	ग. पद्मावत
	घ. केशवदास	घ. विनय पत्रिका
3.	**रचना**	**काल**
	क. बीसलदेव रासो	क. आधुनिक काल
	ख. रामचरित मानस	ख. आदिकाल
	ग. सतसई	ग. भक्तिकाल
	घ. कामायनी	घ. रीतिकाल
4.	**कवि**	**प्रतिपाद्य**
	क. बिहारी	क. भक्ति
	ख. भूषण	ख. ज्ञान
	ग. कबीर	ग. वीरता
	घ. सूरदास	घ. श्रृंगार
5.	**रचना**	**नायक**
	क. कामायनी	क. राम
	ख. रामचरित मानस	ख. मनु
	ग. सूरसागर	ग. शिवाजी
	घ. शिवा बावनी	घ. कृष्ण
6.	**काव्य पंक्ति**	**कवि**
	क. पानी गए न ऊबरे, मोती मानुस चून	क. मलूकदास
	ख. जाकी रही भावना जैसी,प्रभु मूरत देखी तिन तैसी	ख. माखनलाल चतुर्वेदी
	ग. अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम	ग. रहीम कवि
	घ. मुझे तोड़ लेना बनमाली उस पथ पर देना तुम फेंक	घ. तुलसीदास

7.	**विधा**	**लेखक**
	क. उपन्यास	क. जयशंकर प्रसाद
	ख. नाटक	ख. प्रेमचन्द
	ग. रेखाचित्र	ग. रामचन्द्र शुक्ल
	घ. आलोचना	घ. महादेवी वर्मा
8.	**उपन्यास**	**उपन्यासकार**
	क. गोदान	क. वृन्दावनलाल वर्मा
	ख. मृगनयनी	ख. जैनेन्द्र कुमार
	ग. त्यागपत्र	ग. इलाचन्द्र जोशी
	घ. जहाज का पंछी	घ. प्रेमचन्द
9.	**कवि**	**भाषा**
	क. कालिदास	क. बृज
	ख. सूरदास	ख. संस्कृत
	ग. तुलसीदास	ग. राजस्थानी
	घ. मीरा	घ. अवधी
10.	**नायक**	**नायिका**
	क. मनु	क. उर्मिला
	ख. राम	ख. राधा
	ग. कृष्ण	ग. सीता
	घ. लक्ष्मण	घ. श्रद्धा
11.	**उपन्यास**	**उपन्यासकार**
	क. गोदान	क. वृन्दावनलाल वर्मा
	ख. मृगनयनी	ख. जैनेन्द्र कुमार
	ग. त्यागपत्र	ग. इलाचन्द्र जोशी
	घ. जहाज का पंछी	घ. प्रेमचन्द
12.	**कहानी**	**कहानीकार**
	क. पुरस्कार	क. प्रेमचन्द
	ख. सजा	ख. सियारामशरण गुप्त
	ग. कफन	ग. जयशंकर प्रसाद
	घ. कोटर और कुटीर	घ. मन्नू भण्डारी
13.	**उपन्यास**	**उपन्यास का प्रकार**
	क. मृगनयनी	क. सामाजिक
	ख. सेवासदन	ख. ऐतिहासिक
	ग. मैला आँचल	ग. मनोवैज्ञानिक
	घ. त्यागपत्र	घ. आंचलिक

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ––

1. कृष्णभक्ति शाखा के कवि सूरदास हैं ।
2. प्रेमचन्द का असली नाम धनपत राय है ।
3. हिन्दी गद्य का स्वर्णयुग द्विवेदी युग है ।
4. हिन्दी गद्य की प्रमुख दो विधाएँ हैं ।
5. आधुनिक काल को गद्यकाल कहा जाता है ।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए –

1. वीर ग्रन्थों की रचना सर्वाधिक.....हुई है ।
   (आधुनिक काल/ बीरगाथा काल/ रीतिकाल)
2. इनमें से..... भक्तिकाल का कवि हैं।
   (जयशंकर प्रसाद/ कबीरदास/ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला')
3. .....आदिकाल के कवि हैं ।
   (अज्ञेय, मुक्तिबोध, विद्यापति')
4. इनमें से .....भक्तिकालीन कवि नहीं हैं ।
   (मीराबाई/ सूरदास/ नवीन)
5. .....को स्वर्णयुग कहा जाता है ।
   (रीतिकाल/ भक्तिकाल/ आधुनिक काल)
6. रामचरित मानस की रचना.....में हुई ।
   (वीरगाथाकाल/ भक्तिकाल/ आधुनिक काल)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. गद्य की दो विधाओं के नाम लिखकर एक विधा के लेखक का नाम बताइए ।
2. किन्हीं दो कहानीकारों के नाम लिखकर उनकी एक–एक कहानी का नाम लिखिए ।
3. एक उपन्यासकार एवं उसकी रचना लिखिए ।
4. हिन्दी का प्रथम एकांकी होने का गौरव किस एकांकी को प्राप्त है ? उसका नाम लेखक के नाम सहित लिखिए ।
5. दो नाटककारों के नाम तथा उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए ।
6. प्रेमचन्द की किन्हीं दो कहानियों के नाम लिखिए ।
7. नयी कहानी के चार लेखकों के नाम लिखिए ।
8. दो आंचलिक उपन्यासकारों के नाम लिखिए ।
9. किसी एक ऐतिहासिक उपन्यासकार एवं उपन्यास का नाम लिखिए ।
10. हिन्दी में उपन्यास–सम्राट किसे कहते हैं ? उनके किसी एक प्रमुख उपन्यास का नाम लिखिए ।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न : **(प्रत्येक के लिए चार अंक)**

1. वीरगाथाकाल एवं भक्तिकाल के प्रतिनिधि कवि का नाम बताइए ।
2. हिन्दी गद्य–साहित्य का प्रवर्त्तक कौन है ? सतर्क उत्तर दीजिए ।
3. हिन्दी गद्य का वास्तविक इतिहास कब से प्रारम्भ होता है ?
4. हिन्दी गद्य की चार विधाओं के नाम लिखिए ।
5. भारतेन्दु युग के प्रमुख निबन्धकारों के नाम लिखिए ।

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : **(प्रत्येक के लिए पाँच अंक)**

1. भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहते हैं ?
2. भक्तिकाल के दो प्रमुख कवि तथा उनके एक–एक ग्रन्थ का नाम लिखिए ।
3. रामचरित मानस, कामायनी, साकेत, तथा पद्मावत के रचनाकारों के नाम लिखिए ।
4. सगुणधारा भक्ति भावना की दो विशेषताएँ लिखिए ।
5. निर्गुण और सगुण भक्ति की प्रमुख विशेषताएँ बताते हुए उनके बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

काव्य-तत्व

रस

प्रश्न वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय (प्रत्येक के लिए एक अंक)

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. ''श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे'' में कौन–सा रस विद्यमान है–

   क. हास्य रस ख. रौद्र रस

   ग. वीर रस घ. करुण रस

2. हिन्दी काव्य साहित्य में रस के कितने अंग हैं ?

   क. तीन ख. चार

   ग. पॉच घ. छह

3. हिन्दी साहित्य में प्रयुक्त रस हैं–

   क. पॉच ख. सात

   ग. छह घ. नौ

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
1.	हास्य	उत्साह
	करुण	क्रोध
	रौद्र	हास (हँसी)
	वीर	शोक

	'अ'	**'ब'**
2.	बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाई	करुण रस
	श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे	वीर रस
	रघुवीर का आदेश ले, युद्धार्थ वे सजने लगे	शान्त रस
	मन पछितैहैं अवसर बीते	रौद्र रस

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए–

1. सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट कहे जाते हैं ।
2. वात्सल्य रस माता–पिता का पुत्र के प्रति प्रेम कहा जाता है ।
3. शान्त रस की उत्पत्ति वैराग्य उत्पन्न होने पर होती है ।
4. खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी में रौद्र रस है ।
5. अँखिया हरिदर्शन को प्यासी में वियोग श्रृंगार रस है ।
6. रस के चार अंग होते हैं ।

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. भाव पक्ष में.....प्रधान होता है ।
   (छन्द, रस, अलंकार)
2. आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर मनोविकारों को .....कहते हैं ।
   (स्थायी भाव, संचारी भाव, विभाव)
3. आचार्य भरत ने .....काव्य की आत्मा माना है ।
   (रस को, भाषा को, अलंकार को)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. रसों की संख्या कितनी है ।
2. संचारी भाव कितने होते हैं ?
3. रस के अवयवों के नाम लिखिए ।
4. शान्त रस का स्थायी भाव लिखिए ।
5. भयानक रस का स्थायी भाव लिखिए ।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– **(प्रत्येक के लिए चार अंक)**

1. रस की परिभाषा लिखिए ।
2. रस की निष्पत्ति कैसे होती है ?
3. रस के अंग बताइए ।
4. विभाव किसे कहते हैं ? ये कितने प्रकार के होते हैं ?
5. संचार भाव किसे कहते हैं और यह कितने माने जाते हैं ?
6. रसों के नाम लिखिए ।
7. स्थायी भावों के नाम लिखिए । वीर रस का स्थायी भाव बताइए ।

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **(प्रत्येक के लिए पाँच अंक)**

1. स्थायी भाव किसे कहते है ? स्थायी भाव और संचारी भाव में अंतर बताइए ।
2. विभाव और अनुभाव में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
3. आलम्बन विभाव और उद्दीपन विभाव में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
4. रस किसे कहते हैं ? रस की निष्पत्ति बताते हुए इसके प्रकारों की विवेचना कीजिए ।
5. स्थायी भावों के नाम लिखिए । वीर रस का स्थायी भाव बताइए ।

छन्द

प्रश्न वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय (प्रत्येक के लिए एक अंक)

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. छन्द के भेद होते हैं–
   क. दो ख. चार
   ग. पाँच घ. दस
2. मात्रिक छन्द का उदाहरण है –
   क. मालिनी ख. मन्दाक्रान्ता
   ग. कवित्त घ. दोहा
3. दोहे में मात्राएँ होती हैं–
   क. 16 ख. 24
   ग. 26 घ. 28
4. निज मन मुकुर सुधार, श्री गुरु चरन सरोज रज ।
   जो दायक फल चार, बरनौं रघुवर विमल जस ।।–यह किस छन्द का उदाहरण है–
   क. सोरठा ख. कवित्त
   ग. दोहा घ. रोला
5. चौपाई में मात्राएँ होती हैं –
   क. 12 ख. 15
   ग. 16 घ. 24

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	'ब'
1.	**छन्द**	**मात्राएँ**
	क. चौपाई	क. 26
	ख. दोहा	ख. 28
	ग. हरिगीतिका	ग. 24
	घ. गीतिका	घ. 16
2.	मात्रिक	छन्द में प्रायः चार चरण होते हैं
	वार्णिक	तीन वर्णों का एक गण होता है
	गण	वर्णों की गणना की जाती है
	चरण	मात्राओं की गणना की जाती है

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

1. छन्द के दो प्रकार होते हैं ।
2. दोहा चौपाई का उल्टा होता है ।
3. चौपाई मात्रिक सम छन्द है ।
4. दोहा में 11 और 13 पर यति होती है ।

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. 13, 11 के विराम से 24 मात्राओं वाला.....छन्द है ।
   (रोला / दोहा / सोरठा)
2. सोरठा में .....मात्राएँ होती हैं ।
   (24 / 26 / 28)
3. मुक्तछन्द की रचना .....की है ।
   (निराला जी ने / पन्तजी ने / प्रसाद जी ने)

5. अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. मात्रा किसे कहते हैं?
2. लघु से क्या तात्पर्य है?
3. यति और गति किसे कहते हैं ?
4. चरण या पाद किसे कहते हैं ?
5. गण किसे कहते हैं और वे कितने हैं ?
6. छन्द के प्रकार लिखिए ।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए चार अंक)

1. छन्द की परिभाषा देते हुए उसकी उपयोगिता और रूप पर प्रकाश डालिए ।
2. मात्रिक अर्द्धसम छन्द कौन–कौन से हैं ?उदाहरण सहित समझाइए ।
3. मात्रिक विषम छन्द कौन–से हैं ? उदाहरण द्वारा समझाइए ।
4. छन्द के कितने अंग होते हैं ? नाम लिखिए ।
5. लघु–गुरु को उदाहरण द्वारा समझाइए ।

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए पाँच अंक)

1. छन्द की परिभाषा देकर उसके महत्व को प्रतिपादित कीजिए ।
2. छन्द के प्रकारों को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए ।
3. दोहा और सोरठा में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
4. निम्नलिखित छन्दों के लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए –
   चौपाई, दोहा, सोरठा

अलंकार

प्रश्न वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय **(प्रत्येक के लिए एक अंक)**

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

(क) मखमल के झूले पड़े हाथी–सा टीला में कौन–सा अलंकार है–

(अ) उपमा (ब) रूपक

(स) उत्प्रेक्षा (द) यमक

(ख) सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावै में अलंकार है–

(अ) छेकानुप्रास (ब) वृत्यानुप्रास

(स) लाटानुप्रास (द) श्लेष

(ग) फूले कांस सकल महि छाईं। जनु बरसा कृत प्रकट बुढ़ाई।।

उक्त पंक्ति में कौन–सा अलंकार है–

(अ) उत्प्रेक्षा (ब) उपमा

(स) रूपक (द) श्लेष

(घ) चरण–कमल बंदौ हरिराई में अलंकार है–

(अ) उपमा (ब) रूपक

(स) उत्प्रेक्षा (द) अतिशयोक्ति

(ङ) मुख बाल–रवि–सम लाल होकर ज्वाल–सा बोधित हुआ, में अलंकार है–

(अ) उपमा (ब) उत्प्रेक्षा

(स) रूपक (द) अनुप्रास

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

	'अ'	**'ब'**
(क)	(अ) हरिपद कोमल कमल से	(अ) उत्प्रेक्षा
	(ब) सजना है मुझे सजना के	(ब) श्लेष
	(स) पानी गए न ऊबरे मोती मानस चून	(स) यमक
	(द) मुख मानो चन्द्रमा है	(द) उपमा
	'अ'	**'ब'**
(ख)	(अ) भूरि भूरि भेदभाव भूमि से भगा दिया	(अ) रूपक
	(ब) पीपर पात सरिस मन डोला	(ब) यमक
	(स) तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है	(स) उपमा
	(द) अम्बर पनघट में डुबो रही	(द) अनुप्रास

	'अ'	'ब'
(ग)	(अ) सवरन को खोजत फिरत कवि व्यभिचारी चोर	(अ) उत्प्रेक्षा
	(ब) कोटि कुटिल सम वचन तुम्हारा	(ब) श्लेष
	(स) अरविन्द आनन	(स) यमक
	(द) चारुचन्द्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल थल में	(द) उपमा

(घ)	'अ'	'ब'
	(अ) तरिन तनूजा तट तमाल तरुवर बहुधाए	(अ) यमक
	(ब) तुम नृशंस नृप से जगतीं पर चढ़ अनियंत्रित	(ब) रूपक
	(स) हरिनी के नैननु ते हरि नीके ए नैन	(स) उपमा
	(द) अवधेश के बालक चारि सदा तुलसी मन–मन्दिर में बिहारें	(द) अनुप्रास

(ङ)	'अ'	'ब'
	(अ) अरविन्द सो आनन सुन्दर है	(अ) यमक
	(ब) कनक–कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय। या खाए बौराय नर वा पाए बौराय।।	(ब) रूपक
	(स) उदित उदय गिरि मंच पर रघुवर बाल पतंग। विकसे संत सरोज सब हरषे लोचन भृंग।।	(स) उत्प्रेक्षा
	(द) इस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा। मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा।।	(द) उपमा

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

(क) अलंकार तीन प्रकार के होते हैं।

(ख) भामह अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं।

(ग) 'बन्दऊँ गुरु पद पदुम परागा'–उभयालंकार का उदाहरण है।

(घ) अनुप्रास अलंकार के तीन भेद हैं।

(ङ) श्लेष अलंकार–शब्दालंकार का एक प्रकार है।

4. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए–

(क) 'चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही है जल–थल में' . . . . . .अलंकार का उदाहरण है।
(अनुप्रास/ यमक / श्लेष)

(ख) जहाँ शब्दों की पुनरावृत्ति हो और अर्थ भिन्न–भिन्न हो वहाँ अलंकार होता है।
(अनुप्रास/ यमक/ उत्प्रेक्षा)

(ग) 'निर्बल के बल राम' – यह . . . . . .अलंकार है।
(उपमा/ रूपक / यमक)

(घ) श्लेष का अर्थ . . . . . है।
(छोटा/ बड़ा / चिपका हुआ)

(ङ) रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे मोती, मानुष, चून।।–यह. . . . . .अलंकार का उदाहरण है।
(अनुप्रास / यमक / श्लेष)

5. अतिलघुत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

(क) अलंकार किसे कहते हैं?

(ख) अलंकार के प्रकारों के नाम लिखिए।

(ग) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा किस अलंकार के भेद हैं।

(घ) अनुप्रास अलंकार की परिभाषा लिखिए।

(ङ) अलंकार का अर्थ बताइए।

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न चार अंक)

(क) यमक अलंकार के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) श्लेष अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) उपमा के कितने अंग होते हैं, लिखिए।

(घ) उपमान और उपमेय में क्या अन्तर है?

(ङ) रूपंक अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

7. दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक)

(क) यमक और श्लेष अलंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) उपमा और रूपक में क्या अन्तर है? लिखिए।

(ग) शब्दालंकार और अर्थालकार में अन्तर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(घ) उपमा अलंकार का उदाहरण देकर उसमें उपमा के अंगों को रेखांकित कर स्पष्ट कीजिए।

(ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार किसे कहते हैं? इसकी पहचान बताते हुए उदाहरण दीजिए।

(च) सारंग ले सारंग चल्यौ, सारंग बोल्यौ आय।
जो मुख से सारंग कहूँ, तो सारंग निकसो जाय।। यह उदाहरण किस अलंकार का है? इस पंक्ति में सारंग का प्रयोग पाँच बार आया है। इनके अर्थ बताइए।

काव्य–रूप एवं भेद

वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रश्न– (प्रत्येक के लिए एक अंक)

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है –

   क. कामायनी ख. प्रियप्रवास

   ग. साकेत घ. रामचरित मानस

2. महाकाव्य नहीं है–

   क. रामचरित मानस ख. पद्‌मावत

   ग. साकेत घ. पथिक

3. खण्डकाव्य है–

   क. रामचरित मानस ख. प्रियप्रवास

   ग. कामायनी घ. रंग में भंग

2. स्तम्भ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ियाँ बनाइए–

'अ'	'ब'
1. काव्य रूप	**रचना**
क. महाकाव्य	क. बिहारी सतसई
ख. खण्डकाव्य	ख. झॉसी की रानी
ग. आख्यानक गीतियॉ	ग. पंचवटी
घ. मुक्तक काव्य	घ. कामायनी
2. आचार्य	**परिभाषाएँ**
भामह	रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्
कुन्तक	वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
आचार्य विश्वनाथ	वक्रोक्ति युक्त कवि–रचना ही काव्य है
पंडित राज जगन्नाथ	शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्

3. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए–

1. अंधेर नगरी खण्डकाव्य है ।
2. सूरसागर महाकाव्य है ।
3. महाकाव्य सर्गबद्ध रचना होती है ।
4. दृश्य काव्य के अंतर्गत एकांकी, नाटक नहीं आते ।
5. चम्पूकाव्य में गद्य तथा पद्य दोनों का प्रयोग होता है ।

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. काव्य के .....भेद होते हैं ।
   (एक / दो / पाँच)
2. महाकाव्य का प्रारंभ .....से होता है ।
   (मंगलाचरण / पदों / छन्दों)
3. खण्डकाव्य सर्गबद्ध होना आवश्यक.....माना जाता है ।
   (सही / नहीं / बराबर)
4. गद्य की .....विधाएँ होती हैं ।
   (एक / अनेक / न्यून)
5. कुरूक्षेत्र .....है ।
   (खण्डकाव्य / महाकाव्य / मुक्तककाव्य)

5– अति लघुउत्तरीय प्रश्न–

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए–

1. किसी एक महाकाव्य का नाम लिखिए ।
2. खण्डकाव्य का एक उदाहरण लिखिए ।
3. मुक्तक काव्य का एक उदाहरण दीजिए ।
4. काव्य किसे कहते हैं ?
5. दृश्य काव्य के अंतर्गत क्या आता है ?

6. लघुउत्तरीय प्रश्न– (प्रत्येक के लिए चार अंक)

1. काव्य किसे कहते हैं? समझाइए ।
2. कविता के बाह्य स्वरूप सम्बन्धी तत्व बताइए ।
3. कविता के आन्तरिक तत्वों का उल्लेख कीजिए ।
4. दृश्य–काव्य और श्रव्य–काव्य का अर्थ बताइए ।
5. दृश्य–काव्य और श्रव्य–काव्य में क्या अन्तर है ?
6. शैली के अनुसार काव्य के कितने भेद होते हैं ?
7. प्रबन्ध काव्य किसे कहते हैं?
8. प्रबन्ध काव्य के अन्तर्गत काव्य के कौन–कौन से रूप आते हैं ?

7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए पाँच अंक)

1. प्रबन्ध काव्य और मुक्तक काव्य में क्या अन्तर है ?
2. महाकाव्य के लक्षण बताइए ।
3. खण्डकाव्य किसे कहते हैं ? उसके प्रमुख लक्षण बताइए ।
4. महाकाव्य और खण्डकाव्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
5. आख्यानक गीत किसे कहते हैं ? कोई पाँच उदाहरण दीजिए ।
6. मुक्तक काव्य किसे कहते हैं ? तीन मुक्तक काव्य रचना का नाम लिखिए ।
7. मुक्तक काव्य के रूप लिखिए । उसके प्रमुख लक्षण भी बताइए ।

अपठित–बोध

अपठित गद्यांश

नीचे दिए गए अवतरणों से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. प्रायः ऐसा देखा जाता है कि अधिकांश लोग बहुमूल्य समय को व्यर्थ ही व्यतीत करते हैं । वे जीवन के अन्तिम समय तक पश्चाताप् करते हैं, परन्तु तब वही बात हो जाती है कि **''अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।''** आज हम जितना समय व्यर्थ की बातों में नष्ट कर देते हैं, उसके दशमांश का भी प्रयोग करना सीख जाएँ तो जीवन में असाधारण सफलताएँ प्राप्त कर सकते हैं । प्रत्येक सुन्दर क्षण हमारे लिए सुन्दर वस्तुएँ लेकर आता है, किन्तु हम उससे लाभ नहीं उठाते ।

प्रश्न 1. जीवन में सफलताएँ प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है ?
2. प्रत्येक क्षण हमारे लिए सुन्दर वस्तुएँ किस प्रकार लेकर आता है ?
3. काले मोटे छपे शब्दों का भाव स्पष्ट कीजिए ।
4. उक्त गद्यांश का शीर्षक बताइए ।

2. गंगा तो विशेषकर भारत की नदी है । लोगों की उस पर अपार श्रद्धा है । उसके साथ भारत की जातीय स्मृतियाँ उसकी आशाएँ और आकांक्षाएँ तथा उसकी जय–पराजय और उसके विजय गीत जुड़े हैं । यह गंगा युगों पुरानी भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक रही है । यह गंगा जो अनादिकाल से बहती चली जा रही है, फिर भी बनी हुई है, वही गंगा की गंगा ।

प्रश्न 1. गंगा विशेषकर कौन–से देश की नदी है ।
2. गंगा नदी पर लोगों की अपार श्रद्धा क्यों है ?
3. गंगा किसकी प्रतीक रही है ?
4. इस गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

3. मानव का अकारण ही मानव के प्रति अनुदार हो उठना न केवल मानवता के लिए लज्जाजनक है वरन् अनुचित भी है । वस्तुतः यथार्थ मनुष्य वही है जो मानवता का आदर करना जानता है, कर सकता है । केवल इसीलिए कि कोई मनुष्य बुद्धिहीन है अथवा दरिद्र, वह घृणा का तो दूर रहा, उपेक्षा का भी पात्र नहीं होना चाहिए । मानव तो इसलिए सम्मान के योग्य है, कि वह मानव है, भगवान की सर्वश्रेष्ठ कृति है ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त अवतरण का शीर्षक बताइए ।
2. उक्त गद्य खण्ड का सारांश लिखिए ।
3. यथार्थ मनुष्य किसे कहा गया है ?

4. कई लोग समझते हैं कि अनुशासन और स्वतंत्रता में विरोध है, किन्तु वास्तव में यह भ्रम है । अनुशासन द्वारा स्वतंत्रता नहीं छिन जाती, बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा होती है । सड़क पर चलने के लिए हम स्वतंत्र हैं । हमें बायीं तरफ चलना चाहिए, किन्तु हम चाहें तो बीच में भी चल सकते हैं । इससे हम अपने प्राण संकट में डालते हैं व दूसरों की स्वतंत्रता भी छीनते हैं । विद्यार्थी भारत के भावी राष्ट्र निर्माता हैं । उन्हें अनुशासन के गुणों का अभ्यास अभी से करना चाहिए, जिससे वे भारत के सच्चे सपूत कहला सकें ।

प्रश्न 1. अनुशासन क्यों आवश्यक है ?
2. विद्यार्थियों के क्या कर्त्तव्य हैं ?
3. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।
4. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश संक्षिप्त में लिखिए ।

5. स्वतंत्रता मिलने के बाद स्वतंत्रता का आन्दोलन समाप्त हो गया, परन्तु राष्ट्रभाषा का आन्दोलन आज भी चल रहा है और उस समय तक चलता रहेगा जब तक कि समस्त देश एक भाषा के सुवर्ण सूत्र में आबद्ध नहीं हो जाता और वह सूत्र एक भाषा का है–हिन्दी के लिए हिन्दी का । हमें हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए काम करना चाहिए ताकि राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मानजनक स्थान मिल सके । हिन्दी को हमारे संविधान में राष्ट्रभाषा घोषित किया है ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लगभग 30 शब्दों में लिखिए ।

6. शिक्षा विविध जानकारियों का ढेर नहीं है, जो तुम्हारे मस्तिष्क में ठूँस दिया गया है और जो आत्मसात् हुए बिना वहाँ आजन्म पड़ा रहकर गड़बड़ मचाया करते हैं । हमें उन विचारों की अनुभूति कर लेने की आवश्यकता है जो जीवन निर्माण, मनुष्य निर्माण तथा चरित्र–निर्माण में सहायक हों । यदि आप केवल पाँच ही परखे हुए विचार आत्मसात् कर उनके अनुसार अपने जीवन और चरित्र का निर्माण कर लेते हैं तो आप पूरे ग्रन्थालय को कण्ठस्थ करने वाले की अपेक्षा अधिक शिक्षित हैं । शिक्षा और आचरण अन्योन्याश्रित हैं । बिना आचरण के शिक्षा अधूरी है और बिना शिक्षा के आचरण और अन्ततोगत्वा ये दोनों भी अनुशासन के ही भिन्न रूप हैं ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

7. साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी है । ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है । साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं ? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है । अड़ोस–पड़ोस को देखकर चलना यह साधारण जीव का काम है । क्रान्ति करने वाले लोग अपने उद्‌देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्‌देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धम बनाते हैं ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

8. स्कूल एक संस्था है । विद्यार्थी और अध्यापक ही नहीं, चपरासी से लेकर मुख्याध्यापक तक सब लोग उस संस्था के अंग हैं । अपने–अपने स्थान पर सब लोग अपना–अपना काम करते हैं । सबके आपसी सहयोग से संस्था ''दिन दूनी रात चौगुनी'' उन्नति करती है । वहाँ पर आपको सहयोग के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं । समय पर स्कूल में आकर कक्षाओं में शान्तिपूर्वक संस्था के नियमों का पालन करके उसके अनुशासन में सहयोग दे सकते हैं । रद्‌दी कागजों को इधर–उधर न फेंककर, उन्हें किसी कोने में रखे हुए टिन में डालकर संस्था की सफाई में सहयोग दे सकते हैं ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

9. जिस मनुष्य का जिस पर स्नेह रहता है, वह उसकी अनुपस्थिति में चिन्तित हो उठता है और उसके सम्बन्ध में तरह–तरह की आशंकाएँ और भय करने लगता है । प्रियजन का बाहर जाना तो क्या यदि वह घर के ही उद्यान में या घर के ही आँगन में आँखों से परे हो जाये तो मन में चिन्ता हो जाती है कि पता नहीं उस पर क्या मुसीबत आ पड़ी है जो अभी तक लौट कर नहीं आया । वास्तव में प्रेम ऐसी वस्तु है, जो बहुत कातर है । उसमें धीरज नहीं, समझ नहीं, केवल आकुलता और अनिष्ट शंका ही घर किये रहती है । प्रेम में यह कमजोरी विशेष रूप से अखरती है । प्रेम अशान्त ही रहता है ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

10. मनोरंजन का जीवन में विशेष महत्व है । दिन भर की **दिनचर्या** से थका–माँदा मनुष्य रात को आराम का साधन खोजता है । यह साधन है–मनोरंजन । मनोरंजन मानव–जीवन में **संजीवनी–बूटी** का काम करता है । यह मनुष्य के थके–हारे शरीर को आराम की सुविधा प्रदान करता है । यदि आज के मानव के पास मनोरंजन के साधन न होते तो उसका जीवन नीरस बनकर रह जाता। यह नीरसता मानव–जीवन को चक्की की तरह पीस डालती है और मानव संघर्ष तथा परिश्रम करने के योग्य भी न रह पाता ।

प्रश्न 1. मनोरंजन क्या है ?

2. यदि मनुष्य के पास मनोरंजन के साधन न होते तो उसका जीवन कैसा होता ?

3. मानव जीवन के नीरस होने का सबसे बड़ा नुकसान क्या होता है ?

4. गहरे काले शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

11. कुछ लोग सोचते हैं कि खेलने–कूदने से समय नष्ट होता है, स्वास्थ्य–रक्षा के लिए व्यायाम कर लेना ही काफी है । पर खेल–कूद से स्वास्थ्य तो बनता ही है, साथ–साथ मनुष्य कुछ ऐसे गुण भी सीखता है जिनका जीवन में विशेष महत्व है । सहयोग से काम करना, विजय मिलने पर **अभिमान** न करना, हार जाने पर साहस न छोड़ना, विशेष ध्येय के लिए नियमपूर्वक कार्य करना आदि गुण खेलों के द्वारा **अनायास** सीखे जा सकते हैं । खेल के मैदान में केवल स्वास्थ्य ही नहीं बनता वरन् मनुष्यता भी बनती है । खिलाड़ी वे बातें सीख जाता है जो उसे आगे चलकर नागरिक जीवन की समस्या को सुलझाने में सहायता देती हैं ।

प्रश्न 1 कुछ लोगों का खेलकूद के विषय में क्या विचार है ?

2. खेलकूद से क्या लाभ हैं ?

3. खेलकूद का अच्छे नागरिक बनाने में क्या योगदान है ?

4. गहरे काले शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

12. शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और देह का उचित प्रयोग करना सिखाती है । वह शिक्षा जो मानव को पाठ्य–पुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिंतन न दे, व्यर्थ है । यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती, तो उससे क्या लाभ ? सह्दय, सच्चा परंतु अनपढ़ मजदूर उस स्नातक से कहीं अच्छा है, जो निर्दयी और चरित्रहीन है । संसार के सभी वैभव व सुख–साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बना सकते जब तक कि मनुष्य को आत्मिक ज्ञान न हो। हमारे कुछ अधिकार व उत्तरदायित्व भी है । शिक्षित व्यक्ति को उत्तरदायित्वों का उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना कि अधिकारों का ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।
2. शिक्षा मनुष्य को क्या सिखाती है ?
3. कौन–सी शिक्षा व्यर्थ है ?
4. अनपढ़ मजदूर किस स्नातक की अपेक्षा अच्छा है ?
5. मनुष्य को वैभव और सुख–सुविधाओं के साधन सुखी क्यों नहीं बना सकते ?

13. जिंदगी की दो सूरते हैं । एक तो यह कि आदमी बड़े–से–बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम–कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी वह पीछे को पाँव न हटाए । दूसरी सूरत यह है कि गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए, जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ गोधूलि में बसती हैं जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज सुनाई पड़ती है । इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं । वे जिंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते और कौन कहता है कि पूरी जिंदगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनंद नहीं ?

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपुयक्त शीर्षक दीजिए ।
2. लेखक ने जिंदगी की कौन–सी दो सूरतें बताई हैं ?
3. गोधूलि वाली दुनिया के लोग कौन हैं ?
4. जिंदगी के साथ कौन–से लोग जुआ नहीं खेल सकते ?

14. सच्चे वीर अपने प्रेम के जोर से लोगों को सदा के लिए बाँध देते हैं । वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है । कभी लड़ने–मरने से, खून बहाने से, तोप–तलवार के सामने बलिदान करने से होती है तो कभी जीवन के गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं । वीरता एक प्रकार की अंतःप्रेरणा है । जब कभी उसका विकास हुआ तभी एक नया कमाल नज़र आया । एक नई रौनक, एक नया रंग, एक नई बहार संसार में छा गई । वीरता हमेशा निराली और नई होती है । नया पल भी वीरता का एक विशेष रंग है । वीरता देश–काल के अनुसार संसार में जब कभी प्रकट हुई, तभी एक नया स्वरूप लेकर आई, जिसके दर्शन करते ही सब लोग चकित हो गए । वीरों के बनाने के कारखाने नहीं होते । वे तो देवदार के वृक्ष की भाँति जीवन रूपी वन में स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के पानी दिए, बिना किसी के दूध पिलाए बढ़ते हैं । वीर पुरुष का दिल सबका दिल और उसका मन सबका मन हो जाता है । उसके विचार सबके विचार हो जाते हैं । उसके संकल्प सबके संकल्प हो जाते हैं । जीवन के केंद्र में निवास करो और सत्य की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ । बाहर की सतह छोड़कर जीवन के अंदर की तहों में पहुँचो तब नए रंग खिलें । यही वीरता का संदेश है ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।
2. वीरता का संदेश एक वाक्य में अपने शब्दों में लिखिए ।
3. वीरता कितने रूपों में प्रकट होती है ?
4. वीर कैसे उत्पन्न होते हैं ?

15. भारतीय किसान के शरीर और मन में धरती माता क्षमा और दृढ़ता बनकर बैठी है । संतोष और परिश्रम में भारतीय किसान संसार में सबसे ऊपर है । उसके सद्‌गुणों की प्रशंसा की जानी चाहिए । किसान को दोषी ठहराना सस्ता विज्ञान है और अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना है । किसान के साथ जो झूठी हमदर्दी या दया–माया दिखाते हैं , उन मित्रों से भगवान बचाए । फूस और छप्पर के कच्चे घरों में रहना कोई त्रुटि नहीं है । किसान ने चतुराई से जान–बूझकर इस तरह के घर चुने । उसके घर की देवी ने पहले तिनकों का वस्त्र पहना । वह उसे भाया । किसान अपने घर को बाँस और बल्लियों के ठाट से, जंगल की घास और फूस से और अपने ताल की मिट्‌टी से पाठी हुई कच्ची ईंटों से बनाता है । इसमें एक बड़ा लाभ यह है कि किसान शहर का या बाहरी जगत का मुँह नहीं ताकता । वह अपने क्षेत्र में ही स्वावलंबी बन जाता है ।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः–

प्रश्न 1. *उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।*

2. *भारतीय किसान किन गुणों में सर्वोपरि है ?*

3. *'घर की देवी' किसे कहा गया है ?*

4. *किसान अपना घर किन–किन चीजों से बनाता है ?*

5. *किसान को किस प्रकार के लोगों से बचना चाहिए ?*

अपठित पद्यांश

1. रस्सी कच्चे धागे की, खींच रहीं मैं नाव ।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भव सागर पार ।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे ।
जीमें उठती रह–रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे ।।

प्रश्न 1. पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

2. पद्यांश का संक्षेपीकरण कीजिए ।

3. कवयित्री किस घर में जाना चाहती है ?

2. कुछ भी बन, बस कायर मत बन ! ठोकर मार ! पटक मत माथा !
तेरी राह रोकते पाहन ! कुछ भी बन, बस कायर मत बन !
ले–देकर जीना, क्या जीना ? कब तक ग़म के आँसू पीना ?
मानवता से खींचा तुझको बहा युगों तक खून पसीना !
कुछ न करेगा ? किया करेगा–रे, मनुष्य–बस कातर क्रन्दन ?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन !

प्रश्न 1. इन पंक्तियों का शीर्षक लिखिए ।

2. इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ।

3. 'मानवता ने सींचा' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

4. 'कातर क्रन्दन' का अर्थ स्पष्ट करें ।

5. 'पाहन' किसके प्रतीक हैं ? उनके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

3. मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या?
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए ।
अम्बर पर जितने तारे, उतने वर्षों से,
मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा ।
धरती को सुन्दरतम करने की ममता में,
बिता चुका है कई पीढ़ियाँ वंश हमारा ।

और अभी आगे आने वाली सदियों में,

मेरे वंशज धरती का उद्धार करेंगे ।

इस प्यासी धरती के हित मैं ही लाया था,

हिमगिरि चीर, सुखद गंगा की निर्मल धरा ।

मैंने रेगिस्तानों की रेती धो–धोकर,

वन्ध्या धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए ।

मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या ?

अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए ।

प्रश्न 1. इस कविता का शीर्षक लिखें ।

2. इस काव्यांश का भाव लिखें ।

3. मजदूर को देवलोक से कुछ लेना–देना क्यों नहीं है ?

4. मज़दूर के पूर्वजों ने क्या कार्य किए ?

5. रेगिस्तान का कायाकल्प किसने और कैसे किया ?

4. सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तृप्ति आत्म–बलि पर हो निर्भर ।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर ।
देश–प्रेम वह पुण्य क्षेत्र है?
अमल असीम त्याग से विलसित ।
आत्मा के विकास से जिसमें,
मनुष्यता होती है विकसित ।

प्रश्न 1. कवि ने सच्चा प्रेम किसे माना है ?

2. प्रेम को निष्प्राण कब माना गया है ?

3. मनुष्यता का विकास कैसे होता है ?

4. उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

5. स्वातंत्र्य जाति की लगन, व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं भीतरी गुण है ।
नत हुए बिना जो अशनि–घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।
वीरत्व छोड़, मत पर का चरण गहो रे ।
जो पड़े आन, खुद ही सब आन सहो रे ।

प्रश्न 1. स्वतंत्र्य व्यक्ति का कैसा गुण है ?
2. कौन–सी जाति संसार में स्वाधीन रहती है ?
3. इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ?
4. कवि क्या नहीं करने को कहता है ?

6. हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव ।
वचन में सत्य, ह्दय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेक ।।
वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान ।
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य–संतान ।।
जियें तो सदा इसी के लिए, यह अभिमान रहे, यह हर्ष ।
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारत वर्ष ।।

प्रश्न 1. भारतवासी किसके लिए धन–संग्रह करते थे ?
2. भारतीय किसकी सन्तान हैं ?
3. भारतवासियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
4. हम अपने देश पर क्या न्योछावर कर सकते हैं ?

7. छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है ।
तुम स्वयं मरण के मुख्य पर चरण धरो रे ।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।।

प्रश्न 1. इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ?
2. अनय के सम्मुख क्यों नहीं झुकना चाहिए ?
3. 'मरण के मुख पर चरण धरो रे' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
4. कवि मृत्यु के विषय में क्या सोचता है ?

8. जिसके चरणों पर धरती–औ' बाँहों में गंग–जमुन जल है ।
जिसके नयनों का काजल ही उड़कर बनता बादल जल–दल है ।
पर्वत कैसे कह दूँ इसको यह तो मेरा तीर्थस्थल है ।
इस तीरथ के दर्शन से ही–मानस बन जाता है दर्पण ।।

प्रश्न 1. कवि के चरणों तथा बाँहों में क्या है ?

2. कवि ने बादलों की क्या कल्पना की है ?

3. इन पंक्तियों में कवि किसका वर्णन कर रहा है ?

4. कवि ने हिमालय को क्या माना है ?

9. वे हमीं तो हैं कि इक हुंकार से यह भूमि काँपी,
वे हमीं तो हैं, जिन्होंने तीन डग में सृष्टि नापी
और वे भी हम, कि जिसकी सभ्यता के विजयरथ की
धूल उड़कर छोड़ आई छाप अपनी विश्वव्यापी ।

प्रश्न 1. इन पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहता है ?

2. इन पंक्तियों द्वारा कवि किन्हें सावधान कर रहा है ?

3. 'तीन डग में सृष्टि नापी' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

4. इन पंक्तियों में भारतीय सभ्यता की किन विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है ?

10. यवन को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि ।
मिला था स्वर्ण–भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यही ।
हमारी जन्मभूमि थी यही, कहीं से हम आए थे नहीं ।।

प्रश्न 1. यवन को किसने दान दिया था और क्यों ?

2. 'सिंहल और स्वर्ण भूमि' से क्या अभिप्राय है ?

3. प्रकृति का पालना किसे कहा गया है तथा क्यों ?

4. इन पंक्तियों का मूल–भाव क्या है ?

11. हम दीवानों की क्या हस्ती,
है आज यहाँ, कल वहाँ चले ।
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले ।
आये बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी ।
सब कहते ही रह गए, अरे !
तुम कैसे आए, कहाँ चले ?

प्रश्न 1. दीवानों की क्या विशेषताएँ हैं ?

2. उल्लास बनकर आने तथा आँसू बनकर बह जाने से कवि का क्या अभिप्राय है ?

3. 'मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहाँ चले'–का भाव स्पष्ट कीजिए ।

4. कवि का जीवन के प्रति क्या दृष्टिकोण है ?

12. देखी मैंने आज ज़रा !
हो जावेगी क्या ऐसी ही मेरी यशोधरा ?
हाय ! मिलेगा मिट्टी में वह वर्ण–सुवर्ण खरा ?
सूख जाएगा मेरा उपवन, जो है आज हरा ?
सौ सौ रोग खड़े हों सम्मुख, पशु ज्यों बाँध परा,
धिक् ! जो मेरे रहते, मेरा चेतन जाय चरा !
रिक्त मात्र है क्या सब भीतर, बाहर भरा भरा ?
कुछ न किया, यह सूना भव भी यदि मैंने न तरा ।

प्रश्न 1. सिद्धार्थ ने क्या देखा ?
2. देखकर उन्होंने क्या सोचा ?
3. उसके मन में क्या चिंतन चल रहा था ?

13. कभी–कभी जब हम बोलना चाहते हैं,
चुप रह जाते हैं,
क्योंकि शायद
मौन की भाषा बड़ी हो जाती है,
शब्दों की चोट से कभी–कभी ।

प्रश्न 1. क्या मौन की भाषा होती है ?
2. शब्द चोट कैसे पहुँचाते हैं ?
3. चुप रह जाना ज्यादा प्रभावकारी कैसे सिद्ध होता है ?
4. इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ।

14. शांति नहीं तब तक, जब तक,
सुख–भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो ।
ऐसी शांति राज्य करती है,
तन पर नहीं, ह्दय पर,
नर के ऊँचे विश्वासों पर,
श्रद्धा, भक्ति, प्रणय पर ।
न्याय शांति का प्रथम न्यास है,
जब तक न्याय न आता,
जैसा भी हो, महल शांति का
सुदृढ़ नहीं रह पाता ।

प्रश्न 1. वास्तविक शांति स्थायी क्यों होती है ?

2. ऐसी शांति का प्रथम चरण क्या है ?

3. 'शांति का महल' सुदृढ़ बनाने के लिए किस वस्तु की आवश्यकता है ?

4. इन पंक्तियों का शीर्षक बताइए ।

15. कैसे चल पाता यदि न मिला,
होता मुझको आकुल–अंतर,
कैसे चल पाता यदि मिलते
चिर–तृप्ति अमरता–पूर्ण प्रहर,
आभारी हूँ मैं उन सबका,
दे गए व्यथा का जो प्रसाद
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस–उस राही को धन्यवाद ।

प्रश्न 1. कवि किन परिस्थितियों में अपने को चल पाने योग्य स्वीकार नहीं करता ?

2. कवि किन–किन का आभार प्रकट कर रहा है ?

3. कवि के धन्यवाद के पात्र कौन–कौन हैं ?

4. इन पंक्तियों का मूल भाव स्पष्ट कीजिए ।

16. बाधाएँ आएँ तन पर,
देखूँ तुझे नयन–मन भर
मुझे देख तू सजल दृगों से
अपलक, उर के शतदल पर
क्लेशयुक्त अपना तन दूँगा
मुक्त करूँगा तुझे अटल
तेरे चरणों पर देकर बलि
सकल श्रेय–श्रम संचित फल ।

प्रश्न 1. 'मुक्त करूँगा तुझे अटल' में कवि किसको मुक्त करने का अटल निर्णय लेता है ?

2. कवि मातृभूमि पर क्या–क्या बलिदान करने की बात कर रहा है ?

3. 'बाधाएँ आएँ तन पर' से कवि क्या कहना चाहता है ?

4. उपर्युक्त पंक्तियों का उचित शीर्षक लिखिए ।

17. निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक विश्राम–स्थल ।
जीव जहाँ से फिर चलता है
धारण कर नव–जीवन संबल ।
मृत्यु एक सरिता है जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है
काया–रूपी वस्त्र बहाकर ।

प्रश्न 1. कवि ने मृत्यु का स्वागत किस तरह करने को कहा है ?
2. मृत्यु एक विश्राम–स्थल कैसे है ?
3. श्रम से कातर कौन होता है ?

18. बीती विभावरी जाग री
अंबर –पनघट में डुबो रही–
तारा–घट ऊषा नागरी
खग–कुल कुल–कुल–सा बोल रहा,
किसलय का आँचल डोल रहा,
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी ।

प्रश्न 1. कवि ने इन पंक्तियों में किसके सौन्दर्य का चित्रण किया है ?
2. कवि किसे जगा रहा है ? क्यों ?
3. ऊषा नागरी क्या कर रही है ?
4. खग–कुल क्या कर रहा है ?

19. लक्ष्मण–रेखा के दास तटों तक ही जाकर फिर जाते हैं,
वर्जित समुद्र में नाव लिए स्वाधीन वीर ही जाते हैं ।
आजादी है अधिकार खोज की नई राह पर आने का,
आजादी है अधिकार नए द्वीपों का पता लगाने का ।
रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्ध, सीधा क्रम है ।
आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का ।

प्रश्न 1. कवि ने लक्ष्मण–रेखा के दास किसे कहा है ?

2. आजादी किसका अधिकार है ?

3. स्वतंत्रता का सुसिद्ध सीधा क्रम क्या है ?

4. आजादी से क्या अधिकार प्राप्त है ?

20. सतपुड़ा के घने जगल
नींद में डूबे हुए–से
ऊँघते, अनमने जंगल
जागते अँगड़ाइयों में?
खोह खड्डों–खाइयों में
घास पागल, कास पागल,
शाल और पलाश पागल
लता पागल, वात पागल
डाल पागल, पात पागल
मत्त मुर्गे और तीतर
इन वनों के खूब भीतर ।

प्रश्न 1. सतपुड़ा के जंगल नींद से कब जागते हैं ?

2. वसंत का प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

3. पागल शब्द का बार–बार प्रयोग क्यों किया गया है ?

21. इस सोते संसार बीच
जगकर सजकर रजनी बाले !
कहाँ बेचने ले जाती हो,
ये गजरे तारों वाले ?
मोल करेगा कौन
सो रही हैं उत्सुक आँखे सारी ?
मत कुम्हलाने दो,
सूनेपन में अपनी निधियाँ न्यारी ।

प्रश्न 1. 'रजनी' का किस रूप में चित्रण किया गया है ?

2. कवि ने 'गजरे' किन्हें कहा है ?

3. 'सो रही हैं' उत्सुक आँखें सारी' में 'उत्सुक आँखें' किसकी हैं और वे क्या कर रही हैं?

4. कवि ने रजनीबाला को क्या परामर्श दिया है ?

22. काली घटा का घमंड घटा,
नभ–मंडल तारक–वृंद खिले,
उजियाली निशा, छविशाली दिशा,
अति सोहै धरातल फूले–फले ।
निखरे सुथरे बन पंथ खुले,
तरु पल्लव चंद्रकला से धुले,
वन शारदी चंद्रिका–चादर ओढ़े,
लसै समलंकृत कैसे भले ।।

प्रश्न 1. किसका घमंड घटा और क्यों ?
2. बरसात और शरद ऋतु की रातों की तुलना कीजिए ।
3. शरद ऋतु की चाँदनी का चित्र खींचिए ।
4. पल्लव किससे धुले ?

23. जो बीत गई सो बात गई
जीवन में एक सितारा था,
माना, वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया, तो डूब गया ।
अंबर के आनन को देखो,
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले,
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबर शोक मनाता है ।
जो बीत गई सो बात गई ।

प्रश्न 1. 'जीवन में एक सितारा था' में कवि ने सितारा शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया है ?
2. 'सितारा डूबने' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
3. कवि ने अंबर का उदाहरण क्यों दिया है ?
4. इस काव्यांश में कवि क्या संदेश दे रहा है ?

24. मन समर्पित, तन समर्पित
और यह जीवन समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ ।
माँ तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन,

किंतु इतना कर रहा, फिर भी निवेदन–
थाल में लाऊँ सजाकर भल जब,
कर दया स्वीकार कर लेना वह समर्पण,
गान अर्पित, प्राण अर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ ।

प्रश्न 1. कवि ने क्या–क्या समर्पित करने की बात कही है ?
2. कवि किसको अपना सर्वस्व समर्पित कर रहा है ?
3. उपर्युक्त काव्यांश का मुख्य स्वर क्या है ?
4. कवि ने किससे क्या निवेदन किया है ?

25. देखकर बाधा विविध बहु विध्न घबराते नहीं ।
रह भरोसे भाग के दुख भोग पछताते नहीं ।।
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं ।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं ।।
हो गए एक आन में उनके बुरे दिन भी भले ।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले–फले ।।
आज करना है जिसे करते उसे हैं आज ही ।
सोचते–कहते हैं जो कुछ, कर दिखाते हैं वहीं ।।

प्रश्न 1. जो व्यक्ति भाग्य के भरोसे रहते हैं, उन्हें क्यों पछताना पड़ता है ?
2. एक आन में किनके बुरे दिन भले हो गए ?
3. कर्मवीर व्यक्ति की दो विशेषताएँ लिखिए ।
4. 'आज करना है जिसे करते उसे हैं आज ही' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

26. पावस ऋतु थी, पर्वत–प्रदेश
पल–पल परिवर्तित प्रकृति वेश
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग सुमन फाड़
अवलोक रहा है बार–बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणें में पड़ा ताल
दर्पण–सा फैला है विशाल

प्रश्न 1. इस काव्यांश में किस ऋतु का चित्रण किया गया है ?
2. प्रकृति क्यों आनंदित हो रही थी ?
3. कवि ने पर्वत की आँखें किन्हें कहा है ?
4. पर्वत क्या कर रहा है ?

27. है कौन–सा वह तत्व, जो सारे भुवन में व्याप्त है,
ब्रह्माण्ड पूरा भी नहीं जिसके लिए पर्याप्त है ?
है कौन–सी वह शक्ति, क्यों जी ! कौन–सा वह भेद है ?
बस, ध्यान ही जिसका मिटाता आपका सब शोक है ।
बिछुड़े हुए का हृदय कैसे एक रहता है, अहो !
वे कौन–से आधार के बल कष्ट सहते हैं, कहो ?
क्या क्लेश ? कैसा दुख ? सबको धैर्य से वह सह रहे ।

प्रश्न 1. कौन–सा तत्व ब्रह्माण्ड से भी अधिक व्याप्त है ?
2. ऐसा कौन–सा तत्व है जिससे सब शोक मिट जाते हैं ?
3. प्रेम के सहारे बिछुड़े हृदय क्या–क्या सहन कर लेते हैं ?
4. इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

28. लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा ।
आशा के स्वर का भार पवन को लेकिन लेना ही होगा,
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा ।
रंगों के सातों घट उड़ेल, यह अँधियाली रंग जाएगी,
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल ।।

प्रश्न 1. 'लोहे के पेड़ हरे होंगे' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
2. कवि ने संसार को किस दशा की ओर संकेत किया है ?
3. 'जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।
4. कवि ने मानव को क्या संदेश दिया है ?

29. जब तक मन में दुर्बलता है,
दुख से दुख, सुख से ममता है !
पर न सदा रहता जग में सुख,

रहता सदा न जीवन में दुख !
छाया–से माया–से दोनों,
आने–जाने हैं ये सुख–दुख !
मन भरता, मन, पर क्या इनसे
आत्मा का अभाव भरता है ।

प्रश्न 1. दुख से भय और सुख से लगाव का भाव कब तक रहता है ?
2. सुख–दुख को 'आने–जाने हैं' क्यों कहा गया है ?
3. आत्मा का अभाव क्या है ? वह कैसे भर सकता है ?
4. सुख–दुख की क्या विशेषता है ?

30. यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ !
है अगम चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन,
ममता की शीतल छाया में, होता कटुता का स्वयं शमन !
ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं, खुल–खुल जाते हैं मुँदे नयन,
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन ।
संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ !
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम से कम मत बोओ !

प्रश्न 1. 'फूल बोना' और 'काँटे बोना' का वास्तव में क्या आशय है ?
2. मन की कटुता कैसे शांत होती है ?
3. संकट आने पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए ?
4. मानव–मन की क्या विशेषता है ?

31. क्षमामयी, तू दयामयी है, क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है,
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्त्री है,
भय निवारिणी, शांतिकारिणी, सुखकर्त्री है,
हे शरणदायिनी देवि, तू करती सबका त्राण है ।
हे मातृभूमि, संतान हम, तू जननी, तू प्राण है ।

प्रश्न 1. कविता किसके बारे में है ?
2. मातृभूमि को सुधामयी क्यों कहा गया है ?
3. शरणदायिनी कौन है? वह क्या करती है ?
4. देश और देशवासियों में परस्पर क्या संबंध है ?

32. मनमोहनी प्रकृति की जो गोद में बसा है ।
सुख स्वर्ग–सा जहाँ है, वह देश कौन–सा है ।।
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है ।
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन–सा है ।।
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं ।
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन–सा है ।।
जिसके बड़े रसीले, फल कुंद, नाज, मेवे ।
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन–सा है ।।

प्रश्न 1. उपर्युक्त पंक्तियों में किस देश का वर्णन किया गया है ?
2. 'सुख–स्वर्ग–सा' कहाँ है ? कैसे ?
3. नदियों को सुधा की धारा क्यों कहा गया है ?
4. किन पंक्तियों में देश की साकार मूर्ति का उल्लेख है ?

पत्र-लेखन

अनौपचारिक-पत्र

1. अपने मित्र अथवा सखी को उसके जन्म दिवस पर बधाई–पत्र लिखिए ।
2. मित्र को परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई दीजिए तथा उसे ग्रीष्मावकाश साथ बिताने का सुझाव दीजिए ।
3. अपने मित्र को उसके पिता के स्वर्गवास होने पर संवेदना–पत्र लिखिए ।
4. पिता को छात्रावास के जीवन के संदर्भ में पत्र लिखिए ।
5. मित्र को पत्र लिखिए जिसमें साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करने की सलाह दी गई हो।
6. अपने भाई को पत्र लिखिए और उन्हें बताइए कि गर्मी की छुट्टियाँ किस प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।
7. पिताजी को पत्र लिखिए, जिसमें अपने अध्ययन का उल्लेख किया गया हो ।
8. अपने मित्र को पत्र लिखिए, जिसमें किसी ऐतिहासिक पर्यटन स्थल का आँखों देखा वर्णन किया गया हो।
9. अपने मित्र को पत्र लिखिए, जिसमें उसके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी चाही गयी हो।
10. अपने मित्र को उसके अनुत्तीर्ण हो जाने पर संवेदना प्रकट करते हुए एक प्रेरक–पत्र लिखिए, जिससे वह आगामी बार अच्छी तैयारी के साथ उत्साहपूर्वक परीक्षा में बैठे ।
11. अपने मित्र को परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बधाई देते हुए कक्षा 11 में व्यावसायिक पाठ्यक्रम लेने की सलाह देने वाला एक पत्र लिखिए ।
12. अपने मित्र को पत्र लिखिए, जिसमें उसे वाद–विवाद प्रतियोगिता में विजयी होने के उपलक्ष्य में बधाई दीजिए ।
13. प्रातःकालीन सैर के लाभों का वर्णन करते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।
14. अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर अध्ययनशील होने की सलाह दीजिए ।

15. किसी पर्यटन स्थल की यात्रा पूरी करके विद्यालय में सकुशल पहुँच जाने की सूचना पत्र द्वारा अपने पिता जी को दीजिए ।

16. कुसंगति से बचने की शिक्षा देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए ।

17. बड़े भाई की ओर से छोटे भाई को पत्र, यह समझाते हुए कि फैशन में रुचि न लेकर पढ़ाई की ओर ध्यान दे ।

18. परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए ।

19. अपने पिताजी की बीमारी पर चिंता प्रकट करते हुए पत्र लिखिए ।

20. आपके विद्यालय में होने वाले वार्षिक उत्सव में आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप चाहती हैं कि आपकी माता जी भी इसे देखें । माता जी को बुलाने के लिए पत्र लिखिए ।

21. विदेश यात्रा पर जाने वाले मित्र को उसकी मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए पत्र लिखिए ।

22. खोई हुई पुस्तकें डाक से लौटाने के लिए आभार प्रदर्शित करते हुए किसी अपरिचित को पत्र लिखिए ।

औपचारिक–पत्र

1. रोजगार कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए सम्पादक के नाम पत्र लिखिए ।
2. अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न परिस्थिति को दर्शाते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार–पत्र के सम्पादक को पत्र लिखें ।
3. अपने नगरपालिका अध्यक्ष को एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें मुहल्ले की नालियों की सफाई न होने की शिकायत की गई हो ।
4. डाक वितरण की अनियमितता के कारण हुई हानि के सम्बन्ध में अधीक्षक डाक तार विभाग को शिकायती पत्र लिखिए ।
5. अपने विद्यालय के प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु एक आवेदन–पत्र लिखिए ।
6. अपने विद्यालय के प्राचार्य को 'बुक बैंक' से पुस्तक प्रदान करने हेतु एक आवेदन–पत्र लिखिए ।
7. परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु अपने क्षेत्र के जिलाधीश को एक शिकायती–पत्र लिखिए ।
8. हिन्दी में लिखे सार्वजनिक सूचना पट्टों पर अशुद्ध हिन्दी देखने को मिलती है । इस ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए उदाहरण देते हुए सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए।
9. नगरों में दिन–प्रतिदिन बढ़ते प्रदूषण के प्रति चिन्ता प्रकट करते हुए दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
10. अपने प्राचार्य को एक आवेदन–पत्र लिखिए, जिसमें विद्यालय के छात्र दल को पचमढ़ी–भ्रमण हेतु अनुमति देने का आग्रह कीजिए ।
11. अपने विद्यालय के प्राचार्य को 'स्थानान्तरण–प्रमाण–पत्र' प्रदान करने हेतु प्रार्थना–पत्र लिखिए ।
12. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल,म.प्र., भोपाल को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए जिसमें अंक–सूची की द्वितीय प्रति की माँग की गयी हो ।
13. नगर–निगम को एक आवेदन–पत्र लिखिए, जिसमें नालियों की सफाई व कीटनाशक दवा के छिड़काव का सुझाव हो ।
14. कक्षा में विषय परिवर्तन कराने हेतु प्राचार्य को आवेदन–पत्र लिखिए ।
15. कम्प्यूटर की शिक्षा की आवश्यकता वर्तमान में है ऐसा एक प्रेरणापूर्ण पत्र अपने छोटे भाई को लिखिए ।
16. अपने प्राचार्य को स्कूल सौन्दर्यीकरण के लिए प्रार्थन–पत्र लिखिए ।

17. प्राचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय में खेल के सामान उकी कमी दूर करने के लिए निवेदन किया हो ।
18. पुस्तकें मँगवाने के लिए प्रकाशक के नाम पत्र लिखिए ।
19. आपने किसी पुस्तक–विक्रता से पुस्तकें मँगवाई थी, किन्तु अभी तक आपको पुस्तकें नहीं मिली।
    पुस्तक विक्रेता को एक शिकायती पत्र लिखिए ।
20. अपने क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप का वर्णन करते हुए उचित कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य अधिकारी
    को पत्र लिखिए ।
21. रचना प्रकाशित करवाने के लिए संपादक महोदय को पत्र लिखिए ।
22. आपका टेलीफोन गत दो सप्ताह से खराब है । क्षेत्रीय कार्यालय में आपने कई बार इसकी शिकायत की
    की है, किन्तु परिणाम ज्यों का त्यों है । इसकी शिकायत करते हुए किसी प्रसिद्ध समाचार–पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।
23. अपने नगर के शिक्षा अधिकारी को एक पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में एक और विद्यालय खोलने के लिए अनुरोध कीजिए ।
24. अपने क्षेत्र में पार्क विकसित कराने के लिए नगर विकास प्राधिकरण के सचिव को पत्र लिखिए ।
25. आपके मोहल्ले में आए दिन चोरियाँ हो रही हैं । उनकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को गश्त बढ़ाने के लिए पत्र लिखिए ।
26. मनीऑर्डर गुम हो जाने की शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर को पत्र लिखिए ।
27. दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता संबंधी अच्छे कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए ।
28. विद्यालय के प्राचार्य को विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना–पत्र लिखिए।

निबन्ध लेखन

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए –

1. विद्यार्थी और अनुशासन
2. मेरी प्रिय पुस्तक'रामचरित मानस'
3. आदर्श अध्यापक
4. मेरा प्रिय साहित्यकार
5. वर्तमान परीक्षा प्रणाली
6. पुस्तकालय से लाभ
7. दूरदर्शन से लाभ–हानियाँ
8. विज्ञान वरदान या अभिशाप
9. समाचार–पत्रों से लाभ–हानियाँ
10. कम्प्यूटर : आज की आवश्यकता
11. भारत में लोकतंत्र का भविष्य
12. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
13. भारत के प्रमुख दर्शनीय स्थल
14. त्योहारों का महत्व
15. देश–प्रेम
16. समय का महत्व
17. आदर्श मित्रता
18. परोपकार
19. नारी
20. शिक्षा का महत्व
21. यात्रा का वर्णन
22. मैच का वर्णन
23. ताजमहल
24. नवीन शिक्षा प्रणली
25. राष्ट्र गौरव
26. बेकारी की समस्या
27. व्यवसाय का विकल्प
28. विद्यालय का वार्षिकोत्सव
29. राष्ट्रीय पर्व
30. किसी त्योहार का वर्णन
31. खेलों का जीवन में महत्व
32. मनोरंजन के आधुनिक साधन
33. वृक्षारोपण (वन महोत्सव)
34. साहित्य और समाज
35. पर्यावरण प्रदूषण
36. राष्ट्रीय एकता
37. दहेज प्रथाःएक अभिशाप
38. किसी खेल का आँखों देखा हाल
39. भिक्षावृत्ति–एक सामाजिक कोढ़
40. चलचित्र
41. हमारे गाँव
42. स्वदेश प्रेम
43. समय का सदुपयोग अथवा समय बहुमूल्य है
44. शहरी जीवन में बढ़ता प्रदूषण
45. वन संपदा : रक्षा और उपयोग
46. परिश्रम का महत्व
47. मेरी प्रथम रेल यात्रा
48. युवा वर्ग और अशांति
49. यदि मैं प्रधानमंत्री होता

50. भारतीय नारी
51. विज्ञापन कला
52. बाढ़ एक प्रलयंकारी लीला
53. परीक्षा का भय
54. चाँदनी रात में नौका विहार
55. भारत में आतंकवाद
56. हम होंगे कामयाब
57. भारतीय मजदूर
58. आदर्श नागरिक
59. आओ, हम सब पढें–पढ़ाएँ
60. रेलवे प्लेटफार्म का एक दृश्य
61. सैनिक की आत्मकथा
62. सिक्के की आत्मकथा
63. पुस्तक की आत्मकथा
64. नैतिक पतनः देश का पतन
65. अनेकता में एकता
66. दया धर्म का मूल है
67. मेरे क्षेत्र का मेला
68. पर्वतीय सौन्दर्य
69. भारतीय संस्कृति
70. पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं